हिन्दी दैनिक
प्रत्यूष नवबिहार
जोहार
रांची संस्करण
www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com
रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित
रांची ● गुरुवार ● 05.06.2025 ● वर्ष : 15 ● अंक : 311 ● पृष्ठ : 12 ● आमंत्रण मूल्य : ~~3 रुपये~~ 2 रुपये

आरसीबी की जीत मातम में बदली
चिन्नास्वामी में भगदड़, 11 की मौत
स्टेडियम में प्रशंसकों के सामने आईपीएल की विजेता टीम के सदस्यों को किया गया सम्मानित

एजेंसी

बेंगलुरु : बेंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की विक्ट्री परेड के दौरान मची भगदड़ में कम से कम 11 लोगों की मौत की खबर है, जबकि हादसे में 50 से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हो गये हैं। घायलों में से 27 की हालत गंभीर है जिन्हें विभिन्न अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। हादसे के बाद स्टेडियम में प्रशंसकों की मौजूदगी में आईपीएल की विजेता टीम को सम्मानित किया गया। बुधवार को आरसीबी की विक्ट्री परेड में शामिल होने के लिए बड़ी संख्या में प्रशंसक चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर मौजूद थे। पुलिस ने उन्हें काबू करने के लिए लाठीचार्ज किया, जिसके बाद भगदड़ मच गई। स्टेडियम के मेन गेट के पास मची भगदड़ में लोगों की मौत हुई और बड़ी संख्या में लोग घायल हो गए।अधिकृत जानकारी के मुताबिक बॉरिंग अस्पताल में 7 और वैदेही अस्पताल में 4 लोगों की मौत हो गई। मौके पर राहत और बचाव कार्य जारी है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक बेंगलुरु पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित करने के लिए लाठीचार्ज किया, जिसके बाद प्रशंसकों में और अफरातफरी मच गई।एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि भीड़ की संख्या अपेक्षा से कहीं अधिक थी और स्टेडियम के आसपास ट्रैफिक जाम ने स्थिति को और मुश्किल बना दिया। पुलिस ने घायलों को तुरंत नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया और मृतकों की पहचान की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

भीड़ बेकाबू थी, इसलिए हमें परेड को रोकने का फैसला लेना पड़ा : उप मुख्यमंत्री

बंगलूरू : वहीं, कर्नाटक के डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार ने कहा, 'आरसीबी की जीत पर पूरा कर्नाटक उत्साहित है। युवा पीढ़ी से लेकर पुरानी पीढ़ी तक, हर कोई खुश है। 18 सत्र के लंबे इंतजार के बाद हमें सफलता मिली है। मैं कोहली को चट्टान की तरह खड़े रहने के लिए बधाई देता हूं और कर्नाटक के प्रति उनकी वफादारी की सराहना करता हूं। मुझे उम्मीद है कि यह शुरूआत है और कप आरसीबी के पास ही रहेगा। भारी भीड़ को लेकर शिवकुमार ने कहा, मुझे लगता है कि यह नियंत्रण में आने वाली भीड़ नहीं है। मैं बंगलूरू और कर्नाटक के सभी लोगों से माफी मांगता हूं। हम विक्ट्री परेड निकालना चाहते थे, लेकिन भीड़ बेकाबू है। शिवकुमार ने आरसीबी के जश्न के दौरान हुई अफरातफरी पर कहा कि यह युवा जोश से भरी भीड़ थी, हम लाठी का इस्तेमाल नहीं कर सकते। उन्होंने कहा, 'बंगलूरू में आरसीबी के जश्न के दौरान हुई मौतों की कोई जानकारी नहीं है। विस्तृत जानकारी मिलने पर सूचित करेंगे।

'झारखंड बंद' का रहा मिलाजुला असर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : रांची के सिरमटोली फ्लाईओवर रैंप विवाद को लेकर आदिवासी बचाओ मोर्चा के बुलाए गए झारखंड बंद को लेकर बंद समर्थक बुधवार को सड़कों पर उतर कर कई जगह पर सड़क जाम कर दिए है। रांची में बंद का असर रांची के ग्रामीण इलाकों में ज्यादा देखने को मिल रहा है। रांची के टाटीसिलवे, कांके, रातू, ओरमांझी, मांडर और दूसरे ग्रामीण थानों में कई स्थानों पर सड़क जाम कर दी गई है। पुलिस की टीम बंद समर्थकों को समझा बुझाकर सड़क पर से हटाने में लगी हुई है। बंद को सफल बनाने के लिए राजधानी रांची के कई इलाकों में बंद समर्थकों ने सड़क जाम कर दिया है।

आदिवासी बचाओ मोर्चा और केंद्रीय सरना स्थल सिरमटोली बचाओ मोर्चा की ओर से बुधवार को झारखंड बंद का ऐलान किया गया है। वहीं, दूसरी तरफ बंद के दौरान किसी भी तरह की उपद्रव या फिर हिंसा ना हो, इसके लिए रांची पुलिस पूरी तरह से अलर्ट मोड पर है। रांची के सभी संवेदनशील स्थानों पर पुलिस बल को तैनात किया गया है।

डीआईजी सह एसएसपी रांची चंदन कुमार सिन्हा ने बताया कि पूरी राजधानी में पर्याप्त संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है। इसके साथ ही साथ उन्होंने बंद समर्थकों से अपील भी की है कि वह शांतिपूर्ण तरीके से विरोध प्रदर्शन करें। उन्होंने कहा कि किसी भी तरह की तोड़फोड़ या हिंसा बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

आदिवासी संगठनों की ओर से बुलाए गए झारखंड बंद को लेकर झूलन सिंह चौक के निकट बंद समर्थकों ने सड़क जाम कर दिया। एसडीपीओ बैजू उरांव,सदर सीओ इम्तियाज अहमद, थाना प्रभारी रोहित रजक ने समझा बुझाकर वहां जाम समाप्त कराया।

डॉ. शोभा चक्रवर्ती का 85 वर्ष की उम्र में निधन

रांची : राजधानी रांची की प्रसिद्ध स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. शोभा चक्रवर्ती का 85 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। वे कुछ समय से बीमार चल रही थीं और अस्पताल में उनका इलाज जारी था। उनके निधन से चिकित्सा जगत में गहरा शोक छाया हुआ है। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने कहा कि प्रसिद्ध स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. शोभा चक्रवर्ती जी के निधन का समाचार अत्यंत दुखद है। चिकित्सा जगत में उनके अमूल्य योगदान को सदैव स्मरण किया जाएगा। उनका जाना समाज के लिए एक अपूरणीय क्षति है। शोकाकुल परिजनों के प्रति मेरी गहन संवेदनाएँ। वहीं मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने कहा कि झारखण्ड की सुप्रसिद्ध स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ शोभा चक्रवर्ती जी के निधन का दु:खद समाचार मिला। डॉ शोभा जी ने अपना पूरा जीवन महिला स्वास्थ्य की सेवा में समर्पित किया था। उनका चले जाना चिकित्सा जगत के लिए अपूरणीय क्षति है।

वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, झारखण्ड सरकार
PR- 354274 (Forest, Environment and Climate Changes) 25-26

एक नजर

विश्व पर्यावरण दिवस पर संगोष्टी और पौधरोपण का होगा आयोजन

हजारीबाग : अखिल भारतीय ग्राहक विश्व पर्यावरण दिवस पर विभिन्न स्थानों पर संकल्प सभा और संगोष्ठी के साथ साथ पौधरोपण करेगी। यह जानकारी जिला सचिव अधिवक्ता सह पत्रकार बब्लु कुमार ने दी। बताया कि ग्राहक पंचायत के अपने मापदंड है और पांच बिंदूओं को मानक मानकर कर काम करती है। इनमें एक पर्यावरण भी है और राज्य भर में ग्राहक पंचायत पर्यावरण आयाम के माध्यम से पर्यावरण के क्षेत्र में सेवा का काम करती है। हजारीबाग में भी पर्यावरण इकाई द्वारा सदर प्रखंड के महेशरा में, कटकमदाग के हेदलाग और इचाक के दरिया में पौधरोपण, संगोष्ठी और संकल्प संभा का आयोजन करेगी। बताया कि जिलाध्यक्ष की अनुमति से विभिन्न कार्यक्रमों में जान के लिए वक्ता भी तय किए गए है। सदर प्रखंड के महेशरा प्लस टू विद्यालय में आयोजित पर्यावरण समारोह में जिलाध्यक्ष गौरव सहाय शामिल होंगे। कटकमदाग के हेदलाग में सचिव ब्लू कुमार को प्रभारी बनाया गया है। वहीं इचाक में आयोजित कार्यक्रम में अधिवक्ता संजय रविदास को मनोनीत किया गया है। इचाक प्रखंड अध्यक्ष सौरभ कुमार मेहता इस आयोजन को सफल बनाने में लगे है। वहीं कटकमसांडी में यह कार्य प्रखंड अध्यक्ष भोला राणा, सदर प्रखंड में यह कार्य सदर प्रखंड संयोजक अधिवक्ता योगेश कुमार तथा महानगर संयोजक रविकांत पांडेय के नेतृत्व में आयोजित की जा रही है।

वॉच टावर की स्थिति जर्जर हो रही है मरम्मत की जरूरत

बड़कागांव : महदी पहाड़ में वनों की सुरक्षा की पहरेदारी लिए वर्षों पूर्व बना वॉच टावर अब जर्जर होने लगी है। टावर के सीढ़ी के निचले परत की सीमेंट प्लास्टर के अलावा अन्य स्थानों की प्लास्टर तेजी से टूट टूट कर गिर रहा है। इस टावर का मुख्य उद्देश्य वनों को सुरक्षा प्रदान करना होता है। इस टावर से वन कर्मी दूरबीन के सहारे 5 से 10 किलोमीटर की दूरी को भी आसानी से देख लेते हैं। ताकि जंगल में लगी आग जंगल की कटाई करने वालों की पहचान कर आसानी से पकड़ा जा सके, और वनों को बचाए जा सके। मामले को लेकर एसीएफ एके परमार से पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि वॉच टावर की मरम्मत कार्य किया जाएगा इसके लिए रेंजर से बात करूंगा ताकी जल्द से जल्द वॉच टावर की मरम्मत की जा सके। वहीं कांडतरी वन समिति के चार रोज पूर्व चुने गए नए अध्यक्ष तुलेश्वर महतो ने कहा कि वॉच टावर की मरम्मती कार्य बहुत जरूरी है।

बकरीद को लेकर चौपारण पुलिस ने निकाला फ्लैग मार्च

चौपारण : ईद-उल-अजहा (बकरीद) पर्व को लेकर क्षेत्र में शांति, सौहार्द और कानून व्यवस्था बनाये रखने के उद्देश्य से चौपारण पुलिस प्रशासन ने बुधवार की शाम चौपारण फ्लैग मार्च किया। जिसमे चौपारण थाना के पुलिस ऑफिसर व जवान शामिल हुए। मौके थानेदार अनुपम प्रकाश ने कहा सभी लोग मिल जुल कर त्योहार मनायेंगे। फलैग मार्च महाराजगंज, चैयकला सहित कई जगहों पर किया गया।

हजारीबाग झंडा चौक पर लाठी चार्ज, फायरिंग और आंसू गैस के गोले छोड़े, किया मॉक ड्रिल

त्योहार में आपसी सौहार्द बिगाड़ने वाले असामाजिक तत्वों की खैर नहीं है : डीसी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : बकरीद को लेकर हजारीबाग जिला प्रशासन मुस्तैद है। पहली बार झंडा चौक पर ही जिला प्रशासन ने मॉक ड्रिल कर यह स्पष्ट कर दिया कि कोई भी व्यक्ति जो नियम कानून तोड़ेगा और अशांति फैलाएगा तो उसे खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। पहली बार लाठी चार्ज, फायरिंग और आंसू गैस के गोले भी मॉक ड्रिल के दौरान दागे गए। इस दौरान पुलिसिया मॉक ड्रिल को कई लोगों ने अपने मोबाइल में कैद किया है। बकरीद को लेकर हजारीबाग में सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए जा रहे हैं। जिला प्रशासन ने बंद कमरे से

▶ **चौक चौराहे से लेकर सोशल मीडिया पर है पुलिस की पैनी नजर : एसपी**

बाहर आकर चौक चौराहे पर मॉक ड्रिल किया। इसके बाद फ्लैग मार्च किया कि प्रशासन ने अपनी तैयारी पूरी कर ली है। कोई भी व्यक्ति नियम कानून तोड़ेगा तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। हजारीबाग में पहली बार झंडा चौक पर लगभग आधे घंटे तक पुलिस ने मॉक ड्रिल किया है इस दौरान किस तरह के उपद्रव से निपटा जाए इसकी झलक दिखाई गई।

पुलिस ने इस दौरान पानी के फव्वारे भी उपद्रवियों पर फेंका। जब उपद्रवियों ने नहीं माने तो लाठी चार्ज और फायरिंग और सांकेतिक रूप से आंसू गैस के गोले छोड़ने वाली स्थिति भी दिखाई। जिले के उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह और एसपी अंजनी अंजन मॉक ड्रिल का अगुवाई किया। उपायुक्त ने कहा कि त्योहार आपसी सौहार्द के साथ मनायें कोई भी व्यक्ति नियम तोड़ेगा तो उसकी खैर नहीं है। हजारीबाग एसपी अंजनी अंजन ने बताया कि सुरक्षा के मध्य नजर बकरीद को लेकर तैयारी कर ली गई है। त्योहार आपसी एकता का प्रतीक है। इस दौरान कई सामाजिक तत्व शांति व्यवस्था भंग करते हैं।इन्हें स्पष्ट यह चेतावनी है कि नियम कानून भंग ना करें।सोशल मीडिया से लेकर हर एक चौक चौराहों पर त्यौहार के दौरान विशेष नजर बनाई जा रही है। जो भी व्यक्ति कानून तोड़ेगा उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। सुरक्षा किसी भी पर्व की सुंदरता होती है। जिला प्रशासन ने मॉक ड्रिल कर यह बता दिया कि नियम कानून को तोड़ने वालों के खिलाफ पुलिस व्यापक तैयारी कर ली है।

डीसी एवं पुलिस अधीक्षक की संयुक्त अध्यक्षता में शांति समिति की हुई बैठक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : ईद उल अजहा (बकरीद) पर्व 2025 को लेकर उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह एवं पुलिस अधीक्षक अंजनी अंजन की संयुक्त अध्यक्षता में विधि व्यवस्था एवं शांति समिति की बैठक का आयोजन किया गया। बकरीद (ईद-उल-अजहा) पर्व के सफल आयोजन और विधि व्यवस्था बनाए रखने के संबंध में यह एक महत्वपूर्ण बैठक थी। यह बैठक शांति समिति के सदस्यों और संबंधित अधिकारियों की उपस्थिति में हुई। सर्वप्रथम पुलिस एवं प्रशासन के बीच विधि व्यवस्था संधारण एवं आवश्यक तैयारियों के संबंध में बैठक हुई। उपायुक्त ने प्रखंड एवं थानावार तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि प्रखंड स्तर पर आयोजित हुए शांति समिति की बैठक में दोनों समुदायों की तरफ से आए सुझावों पर ध्यान दें। संवेदनशील क्षेत्रों में फ्लैग मार्च के साथ साथ ड्रोन से निगरानी करने का निर्देश दिया। सोशल मीडिया पर विशेष रूप निगरानी रखने तथा किसी भी प्रकार की भ्रामक खबरों को त्वरित खंडन करने को लेकर तैयार रहने का निर्देश दिया। विधि व्यवस्था को लेकर प्रतिनियुक्त दंडाधिकारीयों को अतिरिक्त अलर्ट अवस्था में रहने का निर्देश दिया। उन्होंने कंट्रोल रूम से सीधा संपर्क बनाए रखने को कहा। उपायुक्त ने सभी उपस्थित लोगों से बकरीद को भाईचारे और शांतिपूर्ण तरीके से मनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि प्रशासन पर्व के दौरान विधि व्यवस्था बनाए रखने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है और किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए आवश्यक कदम उठाएगा। शान्ति समिति की बैठक में विभिन्न प्रखंडों से आए लोगों ने पर्व को लेकर अनेकों सुझाव और जानकारियां उपायुक्त को दी। दोनों समुदाय के लोगों ने आपस में मिलजुल कर पर्व को सौहार्दपूर्ण माहौल में मनाने का भरोसा दिलाया।

हिन्दू धर्म की रक्षा करना, प्रत्येक हिन्दू का पहला कर्तव्य है : मनीष जयसवाल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : सदर विधानसभा क्षेत्र के कटकमसांडी प्रखंड अंतर्गत ग्राम रोमी स्थित मां सर्व सिद्धिदात्री देवी मंडप के जीर्णोद्धार के अवसर पर आयोजित मां सिद्धिदात्री शिवशक्ति सह हनुमंत प्राण प्रतिष्ठा यज्ञ के दूसरे दिन यहां पहुंचे और यज्ञ मंडप पर माथा टेक कर मां सर्व सिद्धिदात्रि, बजरंगबली और भोलेनाथ से संपूर्ण हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र की सुख, शांति और समृद्धि की कामना किए ।यहां 3 जून से यज्ञ का शुरूआत हुआ और कथा- प्रवचन, भंडारा, जागरण सहित कई धार्मिक अनुष्ठान के साथ 05 जून को हवन संग यज्ञ की पूर्णाहुति समापन होगी। यहां पहुंचने पर स्थानीय भाजपा कार्यकताओं सहित यज्ञ समिति के लोगों और संपूर्ण ग्रामीण महिला- पुरुषों ने सांसद मनीष

जयसवाल को फूल माला व चुनरी पहनाकर भव्य स्वागत किया ।यहां बड़ी संख्या में उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए यज्ञ की महिमा, सनातन धर्म का महत्व बताते हुए इंसानियत को जीवंत रखने का अपील किया। यहां स्थानीय ग्रामीणों को संबोधित करते हुए सांसद ने कहा की हिन्दू धर्म की रक्षा करना, प्रत्येक हिन्दू का पहला कर्तव्य है और इस कर्तव्य को बखूबी निभाने के लिए रोमी ग्राम वासी तैयार है। हजारीबाग लोकसभा सांसद मनीष जयसवाल आज सदर विधानसभा क्षेत्र के कटकमसांडी प्रखंड दौरे के क्रम में पंचायत खुटरा के ग्राम डुकरा पहुंचकर यहां अपने ससुराल में फिलहाल इस वक्त रह रहे ग्राम कठौतिया निवासी भाजपा के सक्रिय कार्यकर्ता सुभाष यादव से मिले और उनका कुशलक्षेम जाना। भाजपा कार्यकर्ता सुभाष यादव जी के शरीर का बायां हिस्सा पैरालाइसिस के कारण बिल्कुल कार्य नहीं कर रहा था।

विष्णुगढ़ में कई चापानल हैं खराब, पानी की एक एक बूंद के लिए तरस रहे हैं ग्रामीण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

विष्णुगढ़ : विष्णुगढ़ प्रखंड के टंडा में स्थित ऐतिहासिक मां सिंहवाहिनी मंदिर परिसर का चापानल पिछले करीब दो सप्ताह से खराब पड़ा हुआ है। जिससे ग्रामीण पानी की एक एक बूंद के लिए मोहताज हो रहें हैं। इस चिलचिलाती धूप और भीषण आग उगलती गर्मी से ग्रामीणों का हाल बेहाल है ।ऐसे में चापानल के खराब हो जाने से ग्रामीणों को दोहरी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। पड़ रही इस भीषण गर्मी की वजह से आस-पास के कुएं , तालाब सूखने के कगार पर पहुंच गए हैं। जिससे ग्रामीणों को पानी के लिए इधर उधर भटकना पड़ रहा है। पानी के लिए लोग त्राहि त्राहि कर रहे हैं। अब ग्रामीणों को नदी और तालाब पर आश्रित रहना पड़ रहा है लेकिन अब वे भी सूखने के

कगार पर हैं। बता दें एतिहासिक मां सिंहवाहिनी मंदिर परिसर में स्थित चापानल से बड़ी घनी आबादी के लोग पानी पीते थे। इस चापाकल के बन जाने से ग्रामीणों को पानी की काफी राहत मिलेगी। गौरतलब है कि सिंहवाहिनी मंदिर में लगे चापानल से मंदिर की साफ-सफाई होती है इसके अलावे बढई मुहल्ला, ठाकुर मुहल्ला, पासवान टोला एवं हरिजन मुहल्ले के लोग पानी पीते हैं। इस चापानल की ओर न हीं पंचायत प्रतिनिधियों और न हीं कोई अधिकारियों का हीं ध्यान इस ओर है, और न हीं कोई संज्ञान लिया गया है। इस समस्या से क ई बार पंचायत समिति सदस्य, तथा पीएचडी विभाग के कनीय अभियंता को लिखित एवं फोन के जरिए अवगत कराया गया है लेकिन इसे अनदेखा किया जा रहा है। इसके अलावे विष्णुगढ़ प्रखंड के बकसपुरा पंचायत अंतर्गत भलुवा के हिरवा मोड़ के पास एक चापाकल कई महीनों से खराब पड़ा हुआ है।

धार्मिक आयोजनों से सामाजिक समरसता बढ़ती है : किशोरी राणा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : जिले के रोमी गांव में आयोजित दुर्गा मंडप की प्राण प्रतिष्ठा समारोह में नव झारखंड फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष किशोरी राणा ने भाग लिया। इस धार्मिक अनुष्ठान में उन्होंने ग्रामीणों के साथ मिलकर पूजा-अर्चना की और सामाजिक एकता व सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम की शुरूआत कलश यात्रा से हुई, जिसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भाग लिया। इसके पश्चात वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ मां दुर्गा की प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा की गई। समारोह में स्थानीय ग्रामीणों के साथ-साथ नव झारखंड फाउंडेशन के सदस्य भी उपस्थित थे। किशोरी राणा ने अपने संबोधन में कहा कि इस प्रकार के धार्मिक आयोजनों से न केवल आस्था को बल मिलता है, बल्कि सामाजिक समरसता भी बढ़ती है। उन्होंने ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि नव झारखंड फाउंडेशन हमेशा उनके साथ है और सामाजिक विकास के कार्यों में सहयोग करता रहेगा। समारोह के अंत में भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें सभी उपस्थित लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया।

सदर विधानसभा के कोने-कोने में विकास की रौशनी पहुंचाना मेरी प्रतिबद्धता है : प्रदीप प्रसाद

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : सदर विधानसभा क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक प्रदीप प्रसाद ने बुधवार को कटकमसांडी प्रखंड के पूर्वी मंडल में कुल दस विकास योजनाओं का विधिवत शिलान्यास किया। इन योजनाओं की अनुमानित लागत लगभग एक करोड़ रुपये है। यह संपूर्ण आयोजन एक दिवसीय विकास यात्रा के रूप में सम्पन्न हुआ, जिसकी शुरूआत उन्होंने छड़वा डैम स्थित माँ काली मंदिर में पूजा-अर्चना कर की। उन्होंने माँ के चरणों में शीश नवाकर क्षेत्र की उन्नति, समृद्धि और जनकल्याण की कामना की। पूरे दिन चले इस यात्रा में विधायक ने विभिन्न गांवों और पंचायतों का दौरा कर योजनाओं का

शिलान्यास किया। उन्होंने कहा कि यह केवल पत्थर रखने की रस्म नहीं, बल्कि क्षेत्र के लोगों की वर्षों पुरानी अपेक्षाओं को पूरा करने की दिशा में एक ठोस कदम है। उन्होंने आश्वासन दिया कि इन कार्यों को तय समय सीमा के भीतर पूर्ण किया जाएगा और गुणवत्ता के साथ कोई समझौता नहीं होगा। शिलान्यास की गई योजनाओं में छड़वा में माँ काली मंदिर के मुख्य द्वार के सामने हाई मास लाइट लगाने का कार्य शामिल है, जिससे धार्मिक स्थलों की रोशनी और सुरक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाया जाएगा। गदोखर गांव में सामुदायिक भवन का सौंदर्यीकरण कर ग्रामीणों को एक बेहतर सामाजिक मंच प्रदान किया जाएगा। पेलावल दक्षिणी अंतर्गत कृष्णा नगर में सामुदायिक भवन के सौंदर्यीकरण कार्य का भी शुभारंभ किया गया, जिससे स्थानीय सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। पेलावल उत्तरी में दूभिया तालाब की सीढ़ियों के निर्माण कार्य का शिलान्यास कर जल संरक्षण और धार्मिक गतिविधियों के लिए सुविधाजनक वातावरण तैयार किया गया। इसके अतिरिक्त खुटरा, सुलमी, कंसार, बेलरगड्डा और कंचनपुर जैसे ग्रामीण क्षेत्रों में पीसीसी पथ निर्माण कार्य प्रारंभ किया गया, लुपुंग पंचायत में असधीर क्षेत्र में सीढ़ी निर्माण कार्य की योजना भी शुरू की गई, इसके साथ ही असधीर गांव में कुलदीप यादव की सुपुत्री के निधन पर मृतक परिवारों से भेंट कर विधायक ने संवेदना व्यक्त की वहीं वज्रपात से मृतक हुए व्यक्ति के परिजनों से भेंट कर विधायक ने संवेदना व्यक्त और यथासंभव सरकारी सहायता दिलाने का भरोसा दिलाया। पबरा गांव के निवासी अर्जुन मेहता की सुपुत्री रानी कुमारी के विवाह समारोह में उपस्थित होकर बिटिया को आशीर्वाद प्रदान किया। कार्यक्रम के दौरान पबरा और रोमी गांवों में जनसंवाद का आयोजन किया गया, जहाँ ग्रामीणों ने अपनी समस्याएं सीधे विधायक के समक्ष रखीं। कई समस्याओं का समाधान मौके पर ही किया गया।

संक्षिप्त खबरें

गाली गांव में सरकार की नल जल योजना की हालात जर्जर

बड़कागांव : बड़कागांव प्रखंड के पंचायत गोदलपुरा के ग्राम गाली उत्क्रमित प्राथमिक विद्यालय के बगल में जल मिनार विगत कई महीनो से खराब पड़ा है जिसके कारण ग्रामीणों को पेयजल की घोर समस्याओं से जूझना पड़ रहा है। योजना का मुख्य उद्देश्य था कि हर घर नल से जल पहुंचना ताकि किसी को भी पेयजल की समस्या से जूझना नहीं पड़े। इसके लिए गांव में सरकार द्वारा लाखों रुपए खर्च किए गए परंतु योजना की व्यवस्था ठीक नहीं होने के कारण बेकार साबित हो रहा है। इस गर्मी में पानी की किल्लत देखने को मिली है। ग्रामीणों का कहना है कि जब से टंकी लगाई उसके कुछ दिनों तक पानी मिला उसके बाद से जल मिनार खराब हो गया। आज तक खराब ही पड़ा हुआ है। ठेकेदार पैसे कमा के चल गया। इसी तरह का एक और जल मीनार घुनू गझूँ के घर के बगल में भी लगाया गया है। वहां भी कुछ दिनों तक पानी मिला उसके बाद से बंद पड़ा है। जिससे यह प्रतीत होता है कि जल मीनार केवल हाथी का दांत बन ग्रामीणों को चिढ़ा रहा है। जल मीनार कब ठीक होगा पता नहीं, हम गरीब लोगों के किस्मत में पानी के लिए मुसीबत झेलना लिखा है तो झेलेंगे क्या करें? सरकार कुछ ध्यान नहीं देती है।

बीआरसी में नए बीईईओ ने संभाला पदभार कर्मियों ने किया स्वागत

चौपारण : प्रखंड संसाधन केंद्र चौपारण में बुधवार को एक सादे समारोह में निवर्तमान प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी राकेश कुमार सिंह को विदाई दी गई। वहीं नव पदस्थापित बीईईओ प्रभाकर सिंह का स्वागत किया गया। प्रभाकर सिंह ने अतिरिक्त प्रभार के रूप में अपना योगदान दिया और राकेश कुमार सिंह ने उन्हें बीआरसी का संपूर्ण पदभार सौंपा। इस अवसर पर बीआरसी कर्मियों, सीआरपी और बीआरपी ने नए बीईईओ प्रभाकर सिंह का गर्मजोशी से स्वागत किया और निवर्तमान बीईईओ राकेश कुमार सिंह को भावभीनी विदाई दी। निवर्तमान बीईईओ राकेश कुमार सिंह ने कहा कि चौपारण की यादें उनके जीवन भर संजोई रहेंगी। शिक्षकों का उन्हें भरपूर सहयोग मिला और बीआरसी कर्मियों से मिले स्नेह और प्यार ने उन्हें अपने कार्यों को करने में ऊर्जा प्रदान की। नए बीईईओ प्रभाकर कुमार ने कहा कि वे शिक्षा के हित में कार्य करेंगे और सभी के सहयोग से चौपारण को शिक्षा के क्षेत्र में आगे ले जाएंगे। मौके पर बीपीएम मो० आरिफ अंसारी, बीआरपी मो० सईद अंसारी, बजरंगी प्रसाद, सीआरपी प्रान्तोष सिंह, मो० सोएब अंसारी, राकेश सिन्हा, प्रदीप यादव, प्रभाकर अम्बुडी, महेंद्र साव, बीआरसी कर्मी किशोर कुमार, विष्णुनाथ रविदास, शशि कुमार, गिरधारी महतो, दीपक कुमार, पवन महतो, यशवंत राणा, रूपलाल रविदास सहित अन्य उपस्थित थे।

एनईपी के आड़ में महाविद्यालय से इंटर की पढ़ाई का पूर्णत बंद किया जाना अन्याय पूर्ण

हजारीबाग : ऑल इंडिया डेमोक्रेटिक स्टूडेंटस ऑर्गनाइजेशन झारखंड राज्य कमिटी महाविद्यालयों से इंटर की पढ़ाई को पूरी तरीके से बंद किए जाने को लेकर प्रारंभ से ही विरोध करता आ रहा है। राज्य अध्यक्ष समर महतो ने कहा कि हमारा संगठन नई शिक्षा नीति का शुरूआत से ही विरोध करता आ रहा है। इंटर की पढ़ाई का कॉलेज से पूरी तरीके से हटाया जाना ,यह नई शिक्षा नीति का ही एक दुष्प्रभाव है इस नीति के कारण हजारों की संख्या में छात्र-छात्राएं शिक्षा से दूर हो जाएंगे। जो शिक्षा प्राप्त करेंगे उनके लिए भी महंगी शिक्षा उपलब्ध होगी। यह शिक्षा के स्वरूप को संकुचित करने का एक प्रयास है। राज्य सचिव सोहन महतो ने कहा कि प्रत्येक वर्ष मैट्रिक की परीक्षा में पास होने वाले छात्र-छात्राओं की संख्या लगातार बढ़ रही है। ऐसे में नए शिक्षण संस्थाओं का निर्माण होना चाहिए था, छात्र शिक्षक के अनुपात में शिक्षकों की नियुक्ति की जानी चाहिए थी।आधारभूत संरचनाओं और आवश्यक संसाधनों का विकास किया जाना था।परंतु वर्तमान में जब हम देखते हैं तो स्पष्ट रूप से हकीकत इसके विपरीत देखने को मिलती है।ऐसे कई जिले हैं जहां पर छात्र-छात्राओं की संख्या के अनुसार इंटर के विभिन्न संकाय में सीटों की संख्या बहुत कम है। छात्र-छात्राएं मजबूरन निजी महाविद्यालय में महंगी फीस देकर पढ़ने या पढ़ाई छोड़ने को विवस है।ऐसे में ग्रामीण सुदूर क्षेत्र में रहने वाले छात्र-छात्राओं के लिए यह बड़ी समस्या है मुख्यमंत्री मेधावी विद्यालयों में भी ऐसे कई विद्यालय हैं जहां पर अभी भी आधारभूत संरचनाओं की कमी है पर्याप्त संख्या में शिक्षक नहीं है। ऐसे में राज्यपाल महोदय के द्वारा पत्र जारी करते हुए यह आदेश जारी करना कि जिन विश्वविद्यालयों से संबंधित महाविद्यालय में इंटर में नामांकन की प्रक्रिया जारी है ।उस पर रोक लगाया जाए व विश्वविद्यालय से इस पर स्पष्टीकरण की मांग की गई है जो कहीं ना कहीं न्याय संगत प्रतीत नहीं होता है ।संगठन स्पष्ट रूप से मांग करता है कि राज्य में छात्रों की संख्या के अनुपात में इंटर के नामांकन सीटों में बढ़ोतरी की जाए, जब तक पूर्ण तरीके से छात्रों की संख्या के अनुसार वैकल्पिक व्यवस्था नहीं होती है कॉलेज में इंटर की पढ़ाई जारी रखें जाए। पर्याप्त संख्या में विभिन्न विषयों के शिक्षकों की नियुक्ति की जाए, आवश्यक आधारभूत संरचना का विकास किया जाए, कॉलेज में कार्य करने वाले कर्मचारी के लिए नियोजन के वैकल्पिक व्यवस्था प्रदान किया जाए।

यूसेट के 4 विद्यार्थियों का सीशार्पटेक में हुआ कैंपस सेलेक्शन

हजारीबाग : 30 मई 2025 को आयोजित सीशार्पटेक के कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव के परिणाम घोषित कर दिए गए हैं। विभावि के यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (यूसेट) के चार छात्रों का चयन हुआ है। इस प्लेसमेंट ड्राइव में अनिकेत कुमार साव, तनु कुमारी, अमित कुमार चौधरी तथा प्रेरणा कुमारी का चयन हुआ है। वहीं 5 विद्यार्थियों का इंटर्नशिप के लिए चयन हुआ है। फैज अर्फी, फैजान अहमद, आदित्य निषाद, खुशी कुमारी तथा शुभांगी झा को इंटर्नशिप के ऑफर दिए गए हैं। यूसेट के निदेशक डॉ आशीष कुमार साहा ने चयनित विद्यार्थियों को शुभकामना दिया है। यूसेट के ही डॉ गीता कुमारी एवं डॉ अरुण मिश्रा ने भी विद्यार्थियों को बधाई दी है। ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट इंचार्ज डॉ अर्चना रीना धान ने जानकारी दी कि टेक महिंद्रा का ऑनलाइन प्लेसमेंट ड्राइव जून के प्रथम सप्ताह में प्रस्तावित है।

एक नजर

आज जारी होगा इंटर आर्ट्स का रिजल्ट

रांची : झारखंड एकेडमिक काउंसिल कल यानी 5 जून को दिन के 12 बजे इंटर आर्ट्स का रिजल्ट जारी करेगा। यह रिजल्ट जैक के अध्यक्ष डॉ. नटवा हंसदा द्वारा जारी किया जाएगा। इससे पहले 31 मई को जैक द्वारा इंटर कॉमर्स और साइंस का परिणाम जारी किया जा चुका है। अब कल आर्ट्स का परिणाम जारी होगा। बात दें कि जैक द्वारा रिजल्ट आप www.jacresults.com या www.results.digilocker.gov.in पर देख सकेंगे। वेबसाइट पर रिजल्ट दोपहर 2:15 बजे उपलब्ध रहेगा।

पूर्व विधायक के निधन पर भाकपा में शोक की लहर

रांची : भाकपा के वयोवृद्ध नेता और 1962 से 1967 तक बिहार विधानसभा में घाटशिला से विधायक रहे। वास्ता सोरेन का लंबी बीमारी के बाद 92 वर्ष की अवस्था में निधन हो गया। इनके निधन से पार्टी में शोक की लहर है। पार्टी की ओर से बुधवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा गया कि सोरेन पार्टी के जुझारू नेता थे , उनका जीवन आम जनता के लिए समर्पित था। आदिवासियों के उत्थान के लिए लागतार चिंतन और उन्हें अपने अधिकारो के प्रति जागरूक करते रहे। कम्युनिस्ट पार्टी उनके समर्पण को हमेशा याद करेगी। वे अपने पुत्र डॉ देवदूत सोरेन ,बहु डॉ सुनीता सोरेन, पुत्री और नाती पोता सहित भरापूरा परिवार छोड़ गए हैं। उनके निधन से कम्युनिस्ट पार्टी को भारी क्षति हुई है। भाकपा के राज्य सचिव महेंद्र पाठक, जिला सचिव अजय सिंह और पार्टी के राज्य परिषद की ओर से शोक व्यक्त करते हुए उनके परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की है। नेताओं ने कहा की वास्ता सोरेन के निधन से पार्टी के लिए अपूरणीय क्षति है।

रांची में 43 विद्यालयों का सामाजिक अंकेक्षण बैठक संपन्न

रांची : जिला जनसम्पर्क कार्यालय रांची के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2024-25 के मध्याह्न भोजन योजना एवं समग्र शिक्षा के अंतर्गत चयनित 43 विद्यालयों का जिला स्तरीय सामाजिक अंकेक्षण की सुनवाई समाहरणालय ब्लॉक-ए सभागार में संपन्न हुई। यह सुनवाई उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी राँची, मंजूनाथ भजंत्री के निर्देशानुसार आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता आईटीडीए निदेशक संजय भगत ने की। सुनवाई के दौरान सभी प्रखंडों से संबंधित विभिन्न समस्याओं को सामने रखा गया, जिनमें प्रमुख रूप से किचन सेट, शौचालय, तड़ित चालक और वर्ग कक्ष निर्माण से जुड़े मुद्दे शामिल थे। इन समस्याओं के निराकरण हेतु संबंधित कार्यालयों को प्रतिवेदन भेजने के निर्देश दिए गए। इस अवसर पर जिला सोशल ऑडिट टीम, जिला शिक्षा अधीक्षक राँची बादल राज, राज्य परियोजना कार्यालय की नोडल पदाधिकारी सीमा प्रसाद, जिला परिषद की उपाध्यक्ष, झारखंड शिक्षा परियोजना के सभी पदाधिकारी एवं कर्मी, साथ ही सभी प्रखंडों से प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी, प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी एवं कनीय अभियंता उपस्थित थे।

दक्षिण पूर्व रेलवे, निविदा

भारत के राष्ट्रपति की ओर से तथा उनके लिए, दक्षिण पूर्व रेलवे, रांची-834003 के मंडल रेल प्रबंधक (इंजीनियरिंग) द्वारा निम्नलिखित विवरण के अनुसार खुली निविदा आमंत्रित की जा रही है। निविदा सूचना संख्या: डीआरएमईएनजीजीआरएनसी -38-2025; दिनांक: 03-06-2025; कार्य का नाम: (i) मुख्य विहार, सिल्लीचौक, पिस्का, मुड़मा में पीडब्ल्यूआई के लिए 04 नो संख्या में टाइप-III क्वार्टरों के निर्माण का शेष कार्य (ii) रेलवे कर्मचारियों हेतु ... स्टेशनों - इटकी, नरकोपी, आकसी, ... शांका चगिचा, ... पी.एच. एवं ... में जल आपूर्ति की व्यवस्था। निविदा मूल्य: ₹ 1,26,50,318.69; ईएमडी (बयाना जमा राशि): ₹ 2,13,300.00। निविदा बंद होने की तिथि एवं समय: 27.06.2025, अपराह्न 15:00 बजे। निविदाकार वेबसाइट www.ireps.gov.in पर जाकर ऑनलाइन निविदा प्रक्रिया में भाग ले सकते हैं। (PR-229)

कैबिनेट का फैसला : नगर विकास विभाग के ठेकेदारों के लिए अब जीएसटी रजिस्ट्रेशन कराना अनिवार्य

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : नगर विकास और आवास विभाग के ठेकेदारों के लिए झारखंड का जीएसटी रजिस्ट्रेशन कराना अनिवार्य होगा। यह निर्णय बुधवार को हुई कैबिनेट की बैठक में लिया गया। कैबिनेट ने कई अहम प्रस्तावों को मंजूरी दी। बैठक में कुल 12 प्रस्तावों पर मुहर लगाई गई। कैबिनेट में लिए गए फैसलों की जानकारी वित सचिव प्रशांत कुमार ने दी। कैबिनेट ने जिन प्रस्तावों पर मुहर लगाई उनमें गीग वर्कर्स के कल्याण के लिए बोर्ड का गठन शामिल है। इसके अलावा कैबिनेट ने झारखंड नगर पालिका संवेदक निबंधन नियमावली में संशोधन को मंजूरी दी है। इसके तहत नगर विकास और आवास विभाग से जुड़े ठेकों में भाग लेने के लिए राज्य के साथ-साथ बाहरी संवेदकों को भी झारखंड का जीएसटी रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।

गीग वर्कर्स के लिए कल्याण बोर्ड का गठन

झारखंड प्लेटफॉर्म आधारित श्रमिक कल्याण बोर्ड के गठन को मंजूरी दी गई। यह बोर्ड जोमैटो, स्विग्गी, ओला, उबर जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर काम करने वाले गीग वर्कर्स के कल्याण के लिए कार्य करेगा। इनके डेटा का संग्रहण ऑनलाइन मोड पर किया जाएगा और उनके लिए वेलफेयर फंड सृजित किया जाएगा। इसके लिए विधानसभा सत्र में विधेयक लाया जाएगा। कैबिनेट ने गृह विभाग में कार्यरत

चिकित्सकों को स्वास्थ्य विभाग के अधीन करने की स्वीकृति दे दी है। उनकी सेवाओं को स्वास्थ्य विभाग में ट्रांसफर किया जाएगा। अवैध खनन को रोकने के लिए अब निदेशक, खान और जिला स्तर के अधिकारियों को कार्रवाई और जुमार्ना लगाने की शक्ति दी गई है। पहले यह अधिकार केवल राज्य सरकार के पास था। साथ ही, जेएसएमडीसी के अध्यक्ष अब खान सचिव होंगे और प्रबंध निदेशक का पद निदेशक, खान को सौंपा जाएगा। इसीप्रकार राजकीय कन्या मध्य विद्यालय के 35 सहायक शिक्षकों को फिर से बहाल करने की स्वीकृति दी गई है। इन्हें पहले सेवा से हटाया गया था, लेकिन कोर्ट के आदेश के अनुसार इनकी सेवा बहाल की जाएगी या इन्हें पेंशन लाभ दिया जाएगा। इससे सरकार पर 30 करोड़ रुपए का वित्तीय बोझ आएगा। सूचना एवं जनसंपर्क विभाग का पुनर्गठन किया गया है। इसके तहत विभाग में 506 पदों को सरेंडर कर 36 नए पदों का सृजन किया गया है। इससे सरकार को 24 करोड़ 17 लाख 9 हजार 160 रुपए की वित्तीय बचत होगी।

कैबिनेट के अन्य प्रमुख फैसले

गढ़वा शहरी जलापूर्ति योजना के पुनरीक्षित प्राकलन के लिए 59.71 करोड़ रुपए की मंजूरी। पाकुड़-बरहड़वा मुख्य पथ से पश्चिम बंगाल सीमा तक 6.62 किमी सड़क के निर्माण के लिए 40.39 करोड़ रुपए की स्वीकृति।नवनिर्मित अभियंत्रण कॉलेज (बोकारो और गोड्डा) के लिए 85-85 शिक्षकों और 125 शिक्षकेत्तर कर्मियों के पद सृजित। इससे कुल 41.87 करोड़ रुपए का वित्तीय भार आएगा। राज्य के काराओं में सृजित चिकित्सक के पदों के हस्तांतरण की स्वीकृति दी गई।

जीएसटी घोटाला : आरोपी विक्की भालोटिया ने ईडी कोर्ट में दाखिल की जमानत याचिका

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : जमशेदपुर में हुए 800 करोड़ रुपये के वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) घोटाले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की ओर से आरोपित कारोबारी विक्की भालोटिया उर्फ अमित अग्रवाल की ओर से ईडी की विशेष अदालत में जमानत याचिका दाखिल की गई। यह मामला शेल कंपनियों के नाम पर जीएसटी इंट्री कर 800 करोड़ से अधिक के फजीर्वाड़े से जुड़ा है। मामले में ईडी ने प्रवर्तन मामला सूचना रिपोर्ट (ईसीआईआर) दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया है। जीएसटी घोटाले में ईडी ने अब तक चार आरोपितों को गिरफ्तार किया है। इनमें शिवकुमार देवड़ा, जमशेदपुर के जुगसलाई का कारोबारी विक्की भालोटिया, कोलकाता के कारोबारी अमित

गुप्ता और मोहित देवड़ा शामिल है। सभी रांची के होटवार स्थित बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा में बंद हैं। उल्लेखनीय है कि शिव कुमार देवड़ा, सुमित गुप्ता और अमित गुप्ता सहित सभी आरोपितों पर लगभग 14,325 करोड़ के फर्जी चालान बनाने का आरोप है, जिसके परिणामस्वरूप 800 करोड़ से अधिक के अयोग्य दावे किए गए थे। इस तरह सरकार को राजस्व का भारी नुकसान उठाना पड़ा है। इस मामले में जीएसटी इंटेलीजेंस ने पूर्व में कार्रवाई की थी। तब जीएसटी अधिकारी दिनेश सिंह के बयान पर केस दर्ज कर शिव कुमार देवड़ा, सुमित गुप्ता और अमित गुप्ता को जेल भेज दिया गया था। सुमित और अमित गुप्ता जमशेदपुर के रहने वाले हैं। दरअसल, ईडी को इससे जुड़े साक्ष्य भी मिले हैं। जांच से जुड़े अधिकारियों के मुताबिक, 90 से अधिक शेल कंपनियों के जरिए जीएसटी चोरी को अंजाम दिया गया है।

नकली सॉस और विनेगर फैक्ट्री पर छापा 4980 लीटर मिलावटी सामान बरामद

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : राजधानी रांची के रातू थाना क्षेत्र में एक मकान से फूड सेफ्टी विभाग की टीम ने बड़ी मात्रा में नकली सॉस और विनेगर बरामद किया है। छापेमारी के दौरान 4020 लीटर सॉस और 960 लीटर विनेगर जब्त किया गया। हैरानी की बात यह रही कि सॉस बनाने में इस्तेमाल होने वाली एक बूंद भी टमाटर या मिर्च वहां मौजूद नहीं थी। यह सारा काम बेहद गंदे माहौल में किया जा रहा था। सॉस को गंदे ड्रम और बाल्टी में तैयार किया जा रहा था, फिर मग की मदद से उसे बोतलों में भरा जा रहा था। सीलिंग का काम कुछ महिलाएं कर रही थीं। आसपास कूड़े-कचरे का अंबार लगा हुआ था। संचालक का कोई पता नहीं चल सका, और मौके पर मौजूद किसी भी व्यक्ति ने कुछ भी बताने से इनकार कर दिया। खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी सुबीर रंजन ने बताया कि उन्हें गुप्त सूचना मिली थी कि इलाके में नकली सॉस बनाने का धंधा चल रहा है। सूचना की पुष्टि के बाद पहले पूरी रेकी की गई और फिर पुलिस के सहयोग से छापेमारी की गई। मौके से लिए गए सैंपल को स्टेट फूड टेस्टिंग लैब भेजा गया है। जल्द रिपोर्ट आने की उम्मीद है। कुछ ही दिन पहले हजारीबाग और रामगढ़ में नकली पनीर की फैक्ट्रियों का भंडाफोड़ हुआ था। लगातार बढ़ रही मिलावटखोरी लोगों के स्वास्थ्य पर सीधा खतरा बनकर उभर रही है। डॉक्टरों का कहना है कि ऐसे नकली खाद्य पदार्थों से कैंसर, लीवर और किडनी से जुड़ी बीमारियों का खतरा बना रहता है। फूड सेफ्टी विभाग का कहना है कि रिपोर्ट आने के बाद दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। विभाग ने आम जनता से भी अपील की है कि अगर कहीं मिलावटी या नकली खाद्य सामग्री बनाने या बेचने की सूचना हो, तो तुरंत जानकारी दें।

झारखंड में बादल छाने से राहत पांच को भी बारिश के आसार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : राजधानी रांची और आसपास के इलाकों में बादल छाने से गर्मी से राहत है। मौसम विभाग ने गुरुवार को भी राज्य के मध्यवर्ती जिलों में बारिश होने की सम्भावना व्यक्त की है। विभाग के अनुसार निम्न दबाव का क्षेत्र पूर्वी बिहार और इसके आसपास के इलाकों में बना हुआ है। इसके आगे बढ़ने की सम्भावना है। पिछले 24 घण्टों के दौरान रांची में 15.6 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई। रांची में अधिकतम तापमान 33.8, जमशेदपुर में 37.8, डालटेनगंज में 37.6, बोकारो में 35.1 और चाईबासा में तापमान 38.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। उल्लेखनीय है कि पिछले तीन- चार दिनों पूर्व रांची सहित पूरे राज्य में प्रचंड गर्मी थी। राज्य के कई जिलों में तापमान बढ़कर 40 डिग्री के आसपास पहुंच गया था। लेकिन मंगलवार को हुई बारिश से तापमान में गिरावट आया और गर्मी से राहत मिली।

आदिवासी आस्था से खिलवाड़ बंद करे राज्य सरकार : देवशरण भगत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : आजसू पार्टी ने आरोप लगाया है कि राज्य सरकार सरना आदिवासी संस्कृति, परंपरा और भावनाओं को संरक्षित करने में विफल रही है। झामुमोझकांग्रेस की सरकार सरना आदिवासी विरोधी है, इसलिए बार बार सिरम टोली सरना स्थल के सामने रैंप निर्माण का विरोध होने के बावजूद उनकी मांगों तथा भावनाओं को उपेक्षित किया जा रहा है। राज्य सरकार आदिवासियों की आस्था से खिलवाड़ बंद करे। आजसू पार्टी के मुख्य प्रवक्ता डॉ देवशरण भगत ने कहा कि झारखंड बंद की सफलता के लिए सरना आदिवासी संगठनों को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि आजसू आरंभ से ही आदिवासी संगठनों की मांगों का नैतिक समर्थन कर रही है। अगर राज्य सरकार

चाहती तो सिरम टोली रैंप विवाद का समाधान कर सरना स्थल का मार्ग बाधित होने से बचाया जा सकता था। लेकिन राज्य सरकार ने इसमें कोई रुचि नहीं दिखाई। राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग के निदेशों के बावजूद रैंप निर्माण नहीं रोका गया। राज्य सरकार हिटलरशाही पर उतर आई है। डॉ भगत ने कहा कि यह सरकार लगातार सरना आदिवासियों के धार्मिक स्थलों, जमीन, संस्कृति और अस्तित्व पर प्रहार कर रही है, जिससे स्पष्ट होता है कि इसकी नीयत और नीति दोनों में खोट है। डॉ भगत ने कहा कि राज्य सरकार आदिवासियों को हक नहीं देना चाहती, जिसका प्रमाण है पेसा कानून लागू नहीं करना। कल ही लापुंग में जमीन रक्षा के लिए आयोजित पड़हा समिति की बैठक में आए आदिवासियों पर पुलिस ने लाठीझगोली चलाई और उल्टा आरोप आदिवासियों पर मढ़ दिया गया।

बीएयू ने राज्य के 63 हजार से अधिक किसानों को किया जागरूक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : विकसित कृषि संकल्प अभियान के तहत बिरसा कृषि विश्वविद्यालय राज्य के किसानों को नई कृषि तकनीक से अवगत कराने और राज्य एवं केंद्र सरकार की योजनाओं के प्रति जागरूक करने के लिए व्यापक अभियान चला रहा है। बीएयू के कुलपति डॉ एससी दुबे ने बुधवार को बताया कि 29 मई से शुरू हुआ यह अभियान 12 जून तक चलेगा। उन्होंने बताया कि बीएयू के नियंत्रणाधीन राज्य के 16 जिलों में स्थित कृषि विज्ञान केन्द्रों के नेतृत्व में 29 मई से तीन जून तक इन जिलों के 646 गांवों में 63,207 किसानों के साथ सीधा संवाद स्थापित किया गया। अभियान के तहत खरीफ मौसम की मुख्य फसलों धान, मक्का, मोटे अनाज (श्री

अन्न), अरहर, उड़द, मूँग, सोयाबीन, मूंगफली, तिल, सरगुजा की खेती की उन्नत तकनीक, मिट्टी जांच का महत्व और मिट्टी जांच के आधार पर पोषक तत्वों का व्यवहार, फसल सुरक्षा के उपाय, फल पर जानकारी दी गयी। इसके अलावा केन्द्र और झारखंड सरकार की कृषि से संबंधित योजनाओं प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना, पारम्परिक कृषि विकास योजना, कृषि यंत्रीकरण उप-मिशन, कृषि विस्तार पर उप मिशन, किसान क्रेडिट कार्ड, मिलेट मिशन योजना, प्रधानमंत्री कुसुम योजना, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन, झारखंड किसान समृद्धि योजना, बिरसा बीज उत्पादन एवं फल विस्तार योजना, झारखंड कृषि ऋण माफी योजना की भी जानकारी दी। किसानों से इन योजनाओं से जुड़कर लाभ उठाने का आह्वान किया गया। कुलपति डॉ दुबे ने बताया कि अभियान के तहत 16 जिलों में 36 टीमों का गठन किया गया है। इनमें बिरसा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केन्द्रों के 56 वैज्ञानिक, विश्वविद्यालय के मुख्यालय, महाविद्यालयों और क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्रों से 24 वैज्ञानिक, झारखंड में स्थित भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के विभिन्न संस्थानों से 29 वैज्ञानिक एवं राज्य सरकार के कृषि विभाग एवं संबन्धित विभागों के जिला एवं प्रखण्ड स्तर के 78 पदाधिकारी शामिल हैं। प्रत्येक टीम प्रतिदिन तीन गांवों में कार्यक्रम आयोजित कर रही है। विश्वविद्यालय स्तर पर निदेशक प्रसार शिक्षा डॉ रेखा सिन्हा और नोडल पदाधिकारी डॉ बीके अग्रवाल प्रतिदिन इस अभियान की प्रगति की मॉनिटरिंग कर रहे हैं। यह अभियान 12 जून तक चलेगा।

संक्षिप्त खबरें

सिरमटोली फ्लाईओवर मामले में हस्तक्षेप कर समाधान निकालें मुख्यमंत्री : बाबूलाल

रांची : भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पर राज्य के संवेदनशील और भावनात्मक मुद्दों की अनदेखी करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि सिरमटोली फ्लाईओवर विवाद को लेकर झारखंड के आदिवासी संगठनों ने एक बार फिर आज बंद का आह्वान किया है। मरांडी ने कहा कि बीते कई महीनों से आदिवासी संगठन इस मुद्दे पर अपनी मांगें उठा रहे हैं, लेकिन राज्य सरकार ने अब तक कोई ठोस पहल नहीं की है। इससे आदिवासी समाज को लगातार आंदोलन और प्रदर्शन के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। उन्होंने मुख्यमंत्री से अपील की कि आदिवासी समाज की धार्मिक आस्था का सम्मान करते हुए इस मामले में हस्तक्षेप करें और समाधान का रास्ता निकालें, ताकि लंबे समय से चला आ रहा गतिरोध समाप्त हो सके।

एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम चलाएगी भाजपा : बालमुकुंद सहाय

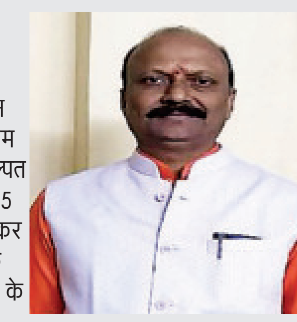

रांची : भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष बालमुकुंद सहाय ने बताया कि भाजपा के लाखों कार्यकर्ता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम को सफल बनाने केलिए संकल्पित हैं। बताया कि पर्यावरण दिवस 5 जून से यह कार्यक्रम प्रारंभ होकर 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस तक चलाया जाएगा। कहा कि प्रदेश के सभी 29 हजार बूथों के प्रत्येक गांव, टोले मुहल्ले में लाखों पेड़ लगाए जाएंगे। कहा कि जैसे जन्मदात्री मां बच्चे को जन्म देती है ,पालन पोषण करती है वैसे ही धरती मां भी हम सभी का पालन पोषण करती है। धरती को हरा भरा बनाना, उसे बंजर होने से बचाना जीव मात्र के कल्याण केलिए जरूरी है। उन्होंने बताया कि भाजपा कार्यकर्ता केवल राजनीतिक कार्यकर्ता नहीं बल्कि एक सामाजिक कार्यकर्ता भी हैं जिन्हें समाज के अन्य समस्याओं की भी चिंता रहती है। भाजपा कार्यकर्ता देश केलिए जीता और मरता है। बताया कि पर्यावरण के संरक्षण के बिना विकसित भारत का संकल्प अधूरा होगा। बताया कि 5 जून को प्रदेश के सभी शीर्ष,नेता,पदाधिकारी,जनप्रतिनिधि अपने अपने क्षेत्रों में वृक्षारोपण करेंगे। बताया कि प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी एवं संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह साहेबगंज में वृक्षारोपण कार्यक्रम में शामिल होंगे। प्रदेश महामंत्री एवम सांसद आदित्य साहू ओरमांझी प्रखंड अंतर्गत सरस्वती शिशु मंदिर, कूल्ही, डॉ प्रदीप वर्मा नामकुम के होरहाप और तुपुदाना में रांची महानगर में विधायक सीपी सिंह लालपुर मंडल में,विधायक नवीन जायसवाल अरगोड़ा मंडल में,बालमुकुंद सहाय सुखदेव नगर दक्षिण ,पहाड़ी मंदिर के पास वृक्षारोपण कार्यक्रम में शामिल होंगे।

ख्याति मुनजल को वर्ल्ड डिजाइनिंग फोरम के नेशनल कोर कमेटी में किया गया शामिल

रांची : भारत के फैशन, डिजाइन और हैंडलूम क्षेत्र में एक नई उपलब्धि के साथ झारखंड की प्रसिद्ध फैशन डिजाइनर, शिक्षाविद्, शोधकर्ता और समाजसेविका डॉ. ख्याति मुनजल को वर्ल्ड डिजाइनिंग फोरम की नेशनल कोर कमेटी 2025 में औपचारिक रूप से शामिल किया गया है। यह ऐलान राजधानी दिल्ली में आयोजित संवाद संगम एक राष्ट्रीय फैशन एवं सांस्कृतिक संवाद – के दौरान किया गया, जहां डब्ल्यूडीएफ के सीईओ अंकुश अनामी ने डॉ. मुनजल को देशव्यापी डिजाइन नवाचार और हैंडलूम सशक्तिकरण अभियान का एक प्रमुख चेहरा घोषित किया। डॉ. मुनजल, जिन्होंने वर्ष 2014 में रांची के प्रतिष्ठित फिरायालाल बिल्डिंग में ख्यातिङ्घ द बुटीक की स्थापना की, पारंपरिक भारतीय शिल्प और आधुनिक डिजाइन के अनूठे संगम के लिए जानी जाती हैं। उनका डिजाइन दृष्टिकोण फैशन को केवल पहनावे तक सीमित नहीं रखता, बल्कि उसमें सांस्कृतिक विरासत, सामाजिक संदेश और रचनात्मकता का गहरा जुड़ाव होता है। रांची से शुरू हुआ उनका सफर अब गोवा, हैदराबाद जैसे फैशन-प्रवृत्त शहरों तक अपनी पहचान बना चुका है। उनका चयन इस कोर कमेटी में उनकी रचनात्मक उत्कृष्टता के साथ-साथ फैशन, शिक्षा और भारतीय संस्कृति के संवर्धन में उनके सतत योगदान को भी दशार्ता है। वे वुमेन्स कॉलेज, रांची की बोर्ड सदस्य हैं तथा सेंट जेवियर्स कॉलेज में विज़िटिंग फैकल्टी के रूप में नवोदित डिजाइनरों का मार्गदर्शन करती हैं। उनके शिक्षण में ब्रांडिंग, फैशन मीडिया और सतत डिजाइन के समावेश को विशेष स्थान प्राप्त है। डॉ. मुनजल को नेशनल डिजाइनर अवार्ड 2024 से नवाजा गया है, जो समकालीन फैशन में उभरती प्रतिभाओं को सम्मानित करता है। वे वर्ष 2022 से लेकर 2025 तक लगातार लैक्मे फैशन वीक में अपनी उपस्थिति दर्ज कराती रही हैं। 25वीं वर्षगांठ पर आयोजित विशेष संस्करण में उनका संग्रह, जहां लक्जरी और सस्टेनेबिलिटी का संगम देखने को मिला- विशेष रूप से चर्चित रहा, जिसकी मेजबानी भारतीय-अमेरिकी अभिनेता काल पेन ने की। डॉ. मुनजल ने फैशन क्षेत्र में महिला उद्यमिता पर पीएच.डी. की है और उनके शोध कार्य प्रतिष्ठित जर्नलों में प्रकाशित हो चुके हैं। उन्हें रिसर्च एक्सीलेंस अवार्ड 2024, दैनिक जागरण का नारी सम्मान, मदर टेरेसा एक्सीलेंस अवार्ड, और ऑल इंडिया प्रोफेशनल्स कांग्रेस से मान्यता का प्रमाण पत्र जैसे कई राष्ट्रीय स्तर के सम्मानों से सम्मानित किया जा चुका है। हाल ही में उन्होंने सुप्रसिद्ध डिजाइनर नीता लुल्ला के साथ मिलकर वित्तीय सशक्तिकरण पर आधारित वेबिनार का सह-संचालन भी किया।

रातू रोड में लगे साइन बोर्डों में गड़बड़ियां लोगों को हो रही परेशानी

रांची : रातू रोड के पिस्का मोड़ इलाके में लगाए गए साइन बोर्ड में काफी गड़बड़ियां नजर आ रही हैं। वहां के निवासियों का कहना है कि कई जगह मोहल्लों के नाम गलत लिखे गए हैं। इसके अलावा कुछ जरूरी जगहों पर तो बोर्ड ही नहीं लगाए गए हैं। इस कारण लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। लोगों का कहना है कि गया प्रसाद चौधरी लेन की जगह फिर से मेट्रो गली लिख दिया गया, यह बिल्कुल गलत है। वहीं दयाल नगर के बजाय मनेर गली लिखा गया है। कुछ बड़े इलाकों में तो बोर्ड ही दिखाई नहीं दे रहे हैं। ऐसे में नए लोग या जो बाहर से आए हुए हैं, वह रास्ता भटक जाते हैं। स्थानीय लोगों ने कहा कि बिना ठीक से जांच-पड़ताल किए ऐसे बोर्ड लगा दिए गए हैं। इससे लोग कन्फ्यूज हो रहे हैं और इलाकों की असली पहचान भी गड़बड़ हो रही है। लोगों का कहना है कि वे इस बारे में लिखित शिकायत नगर निगम को देंगे। वे नगर निगम से मांग करेंगे कि सारे नामों को सही किया जाए। इसके अलावा जहां आवश्यकता है, वहां बोर्ड लगाए जाएं। लोगों का कहना है कि गलती किसी से भी हो सकती है, लेकिन इसे सुधारना भी जरूरी है।

सोशल मीडिया में दुष्प्रचार फैलाने वालों के विरुद्ध होगी सख्त कार्रवाई : उपायुक्त

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

धनबाद : उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन की अध्यक्षता में आज समाहरणालय के सभागार में ईद-उल-जोहा को लेकर जिलास्तरीय शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। इस अवसर पर उपायुक्त ने कहा कि शांति समिति के सदस्यों ने पानी, बिजली, साफ सफाई इत्यादि से संबंधित जो भी मुद्दे उठाए हैं उसका जिला प्रशासन द्वारा समाधान करने का प्रयास किया जाएगा। साथ ही कहा कि त्योहार के दौरान सोशल मीडिया में दुष्प्रचार या किसी भी प्रकार की अफवाह फैलाने का प्रयास न करें। ऐसा करने वालों के विरुद्ध प्रशासन सख्त कार्रवाई करेगा।उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया में प्रसारित होने वाली अफवाह या दुष्प्रचार की जानकारी निकटतम थाना को दें। अफवाह फैलाने वाले को भी ऐसा करने से रोकें। उपायुक्त ने कहा कि त्योहार के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए जिले के सभी प्रशासनिक एवं पुलिस पदाधिकारी मुस्तैद रहेंगे। उन्होंने सभी को ईद-उल-जोहा की शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर वरीय पुलिस अधीक्षक श्री प्रभात कुमार ने कहा कि त्योहार के दौरान कानूनी रूप से प्रतिबंधित पशुओं की कुबार्नी नहीं दें। ऐसा करने वालों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की जाएगी। उन्होंने कहा कि यह हर्षोल्लास का त्योहार है। सभी मिलजुल कर पाक उद्देश्य से इसको मनाएं। उन्होंने शांति समिति के सदस्यों से मुहल्ले के उपद्रवी तत्वों, सोशल मीडिया पर किसी की धार्मिक भावना को आहत करने वालों, मोटरसाइकिल का साइलेंसर मोडिफाइ कर तेज ध्वनि से आवाज निकालने वालों की सूचना पुलिस को देने की अपील की। बैठक में भोला राम, राम गोपाल भुवानिया, मुन्ना सिद्दीकी, मदन महतो, गुरमीत सिंह, विष्णु त्रिपाठी, भगत सिंह, अरिंदम बनर्जी, विजय शर्मा, शकील अहमद, मेराज खान, गुल्लू चौधरी, मो० कयूम खान, मो० शहाबुद्दीन, मोहम्मद अफजल, महादेव हांसदा, बैजनाथ यादव, निसार आलम, शमशेर आलम, अजय कुमार तिवारी, डब्लू बाउरी, डी.एन. प्रसाद यादव, कुलदीप अग्रवाल सहित अन्य सदस्यों ने अपने-अपने क्षेत्र की समस्या से अवगत कराया। बैठक में उपायुक्त आदित्य रंजन, वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार, उप विकास आयुक्त सादात अनवर, सिटी एसपी ऋत्विक श्रीवास्तव, ग्रामीण एसपी कपिल चौधरी, एडीएम लॉ एंड ऑर्डर पियूष सिन्हा, नगर आयुक्त रवि राज शर्मा, अनुमंडल पदाधिकारी राजेश कुमार, अपर समाहर्ता विनोद कुमार, निदेशक डीआरडीए राजीव रंजन, सभी अंचल अधिकारी, सभी विभागों के पदाधिकारी, डीएसपी शंकर कामती, धीरेंद्र नारायण बंका, सुमित कुमार, नौशाद आलम, अरविन्द कुमार सिंह, सभी थाना प्रभारी सहित अन्य प्रशासनिक व पुलिस पदाधिकारी मौजूद थे।

बीसीसीएल के अनगिनत क्वार्टरों पर है अवैध कब्जा पर चेहरा देखकर होती है

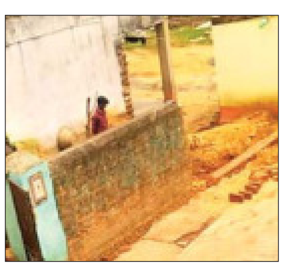

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

धनबाद : धनबाद कोयलांचल का हाल - बेहाल है। यहां के चप्पे-चप्पे पर अवैध धंधेबाजों ने बीसीसीएल के खाली पड़े क्वार्टरों को अपना अड्डा बना रखा है। इनके कब्जे वाले क्वार्टरों में इस तरह के कई अवैध धंधे संचालित हैं। ये क्वार्टर कहीं चोरी के अवैध कोयले के गोदाम, लोहे के गोदाम तो कहीं पेशेवर अपराधियों के रहने में इस्तेमाल हो रहा है। इसका खुलासा तब होता है जब इक्के - दुक्के छापेमारी होती है और अवैध धंधे पकड़ में आते हैं। इन अवैध धंधेबाजों के लिए बीसीसीएल के खाली पड़े क्वार्टर सेफ जोन में आते हैं। क्योंकि यहां कोई भाड़ा भी नहीं लगता, पानी, बिजली सब मुफ्त में मिलता है। यहां के अधिकांश क्वार्टर खाली पड़े हैं जो किसी न किसी के अवैध कब्जे में है। बीसीसीएल के अफसरानों ने हाल ही में सिजुआ में एक क्वार्टर को मजिस्ट्रेट की उपस्थिति में खाली कराकर ध्वस्त कराया। जितनी तत्परता उन्होंने एक क्वार्टर को तोड़ने में दिखाई उतनी ही अगर सर्वेक्षण कर कार्रवाई की होती तो अनगिनत क्वार्टर अवैध हाथों से मुक्त हो जाते। बीसीसीएल की बिजली का प्राइवेट मकान व दुकान में चोरी चुपके मशीन, एसी, कूलर, पंखे, लाइट जलाकर की जा रही हैं। बीसीसीएल आवास पर कई लोगों का अवैध कब्जा भी है। बीसीसीएल एरिया 4 कतरास स्थित अंगार पथरा में एक बीसीसीएल क्वार्टर के गैराज में चल रही नकली मिनरल वाटर बनाने की फैक्ट्री का भंडाफोड़ हुआ है।

"बीट प्लास्टिक पॉल्यूशन" थीम के तहत चलाया गया जागरूकता अभियान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : बीएसएल के पर्यावरण संरक्षण एवं सस्टेनेबिलिटी विभाग द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस-2025 के अंतर्गत झारखंड राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के सहयोग से आज दिनाँक 04 जून को बोकारो स्टील सिटी के सेक्टर-5 हटिया में विश्व पर्यावरण दिवस सप्ताह के अंतर्गत "बीट प्लास्टिक पॉल्यूशन" थीम के तहत जागरूकता अभियान चलाया गया. इस अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक डी.के. सक्सेना, प्रीति झा, महाप्रबंधक, उमेश कुमार, उप महाप्रबंधक, नितेश रंजन, सहायक महाप्रबंधक तथा झारखंड राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से सौगत महतो के साथ पर्यावरण संरक्षण एवं सस्टेनेबिलिटी विभाग के मनीष राज, अजीत कुमार, रूपेश कुमार, मुनीष कुमार, नरेंद्र कुमार, अरविन्द कुमार आदि उपस्थित थे। "बीट प्लास्टिक पॉल्यूशन" थीम के तहत जागरूकता अभियान में बोकारो शहर के उन नागरिकों को रोज बड्स वितरित किया गया जो खरीदारी के लिए घर से लाए बैग का उपयोग कर रहे थे। सेक्टर-5 हटिया में सामान खरीदने के लिए जो लोग बैग नहीं लाये थे उन्हें प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन (संशोधन) नियम 2021 के सिंगल यूज प्लास्टिक का निर्माण, आयात, भंडारण, वितरण, बिक्री और उपयोग पर रोक के सम्बन्ध में जागरूक किया गया तथा उन्हें निःशुल्क जूट बैग प्रदान किया गया। सब्जी विक्रेताओं को भी किसी भी ग्राहक को सिंगल यूज प्लास्टिक नहीं देने के लिए जागरूक किया गया।

माननीय राज्यपाल के प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर डीसी-एसपी ने कार्यक्रम स्थल का लिया जायजा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : गुरुवार को माननीय राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार के दामोदर नदी तट समीप स्थित प्रस्तावित कार्यक्रम देवनद-दामोदर महोत्सव-2025 को लेकर बुधवार को उपायुक्त अजय नाथ झा एवं एसपी हरविन्दर सिंह ने कार्यक्रम स्थल का जायजा लिया। इस दौरान डीसी एसपी ने कार्यक्रम के सफल आयोजन को लेकर संबंधित पदाधिकारियों को जरूरी दिशा निर्देश दिया। उन्होंने माननीय राज्यपाल समेत अन्य अतिथियों के आगमन, वाहन पार्किंग, पंडाल, कार्यक्रम स्थल, आरती स्थल आदि को चिन्हित करते हुए संबंधित पदाधिकारियों को जरूरी दिशा निर्देश दिया। उपायुक्त ने क्रमवार सभी पदाधिकारियों को कार्यक्रम को आयोजित कर रहे संस्था से समन्वय स्थापित करते हुए कार्यक्रम को सफल बनाने को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिया। उन्होंने ससमय सभी तैयारियों को पुरा करने को कहा। वहीं, पुलिस अधीक्षक ने सुरक्षा विधि व्यवस्था को लेकर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी व अन्य पदाधिकारियों को जरूरी दिशा निर्देश दिया। मौके पर जिला स्तरीय सभी पदाधिकारीगण एवं संस्था के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

मृत कर्मचारी आश्रित संघ ने प्रबंधन पर लगाया अत्याचार का आरोप

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : बुधवार को बोकारो मृत कर्मचारी आश्रित संघ की बैठक टुटेन गार्डन मे हुआ अध्यक्षता सनी देओल ने की एवं संचालन सकील अहमद ने की वकताओ ने कहा की दिनांक 17 मई 2025 को सीजीएम के कार्यलय में आश्रितों के नियोजन सम्बंधित सभी बिंदुओं पर सी.जे.एम (एच.आर) विचार विमर्श करते हुए उन्होंने कहा 15 दिनो के अन्दर अगली बैठक नियोजन सम्बंधित तय किया गया वकताओ ने कहा अभी तक अगली बैठक प्रबंधन की तरफ से कोई जानकारी नहीं दी गई हैं बोकारो मृत कर्मचारी आश्रित संघ प्रबंधन से अपील करता है हमारी नियोजन सम्बंधित अगली बैठक अभिलम्ब बैठक बुलाई जाए जिससे नियोजन से सम्बंधित स्थिति स्पष्ट किया जा सके वक्ताओं ने कहा सभी आश्रित प्रशिक्षु ट्रेड अप्रेंटिस पास कर उन्हें प्लान्ट में नियोजित ना कर आश्रितों पर अत्याचार किया जा रहा है सभी आश्रित प्रशिक्षु बोकारो स्टील प्लांट में तीनों शिफ्ट में काम करने का अनुभव प्राप्त है सभी आश्रित प्रशिक्षुओं को प्लान्ट में नियोजित कर कुशल कामगार बनना चाहते हैं अगर प्रबंधन समय रहते हमारे नियोजन सम्बन्धित पर सकारात्मक पहल करे और अविलम्ब बैठक बुलाई जाए आने वाले दिनों में करो या मरो आन्दोलन में जाने के लिए बाध्य होंगे जिसकी सारी जवाबदेही बोकारो स्टील प्रबंधन की होगी मोके पर सलाम अहसान राजकुमार पाठक सोहन माझी बीपीन समसुल अंसारी मिना बबीता दर्जनों आश्रित शामिल थे।

सभी ग्राम पंचायतों में ग्रामीण स्तरीय तम्बाकू नियंत्रण समन्वय समिति का गठन किया जाये : उपायुक्त

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : बुधवार को राष्ट्रीय तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम के अन्तर्गत श्री अजय नाथ झा उपायुक्त बोकारो की अध्यक्षता में जिला स्तरीय तम्बाकू नियंत्रण समन्वय समिति का बैठक समरहाणालय सभागार के कक्ष में किया गया। जिसमें बोकारो जिला में चल रहे तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम में अभी तक की प्रगति पर चर्चा की गई। बैठक की शुरूआत डा0 अभय भूषण प्रसाद सिविल सर्जन बोकारो के द्वारा सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया गया तथा आज के बैठक के मुख्य उददेश्य के बारे में चर्चा करते हुये जिला परामर्शी को अभी तक बोकारो जिला में तम्बाकू के दुष्प्रभाव के प्रति जागरूकता हेतु किये गये कार्यों को जानकारी देने हेतु कहा गया। जिला परामर्शी मो0 असलम के द्वारा कोटपा-2003 के विभिन्न धाराओं का अनुपालन करने हेतु गठित जिला, अनुमण्डल व प्रखण्ड स्तरीय पदाधिकारियों के साथ साथ थाना स्तर पर अभी तक किये गये चालान की जानकारी साझा की गई जिसमें थाना स्तर पर चालान की संख्या को बढाने के लिये कहा गया साथ ही उपायुक्त बोकारो द्वारा पुरे जिला में कोटपा-2003 के विभिन्न घाराओं के अनुपालन कराने हेतु थाना प्रभारी बी0एस0सिटी0 को प्रथम पुरस्कार, थाना प्रभारी बी0टी0पी0एस0 को द्वितीय पुरस्कार, थाना प्रभारी चास को तृतीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। जिला परामर्शी द्वारा बताया गया कि बोकारो जिला के 46 ग्राम पंचायतों में मुखिया की अध्यक्षता में ग्रामीण स्तरीय तम्बाकू नियंत्रण समन्वय समिति का गठन किया जा चुका है उपायुक्त बोकारो के द्वारा यह निर्णय लिया गया कि इस वित्तीय वर्ष में जिला के सभी ग्राम पंचायतों में मुखिया की अध्यक्षता में ग्रामीण स्तरीय तम्बाकू नियंत्रण समन्वय समिति का गठन किया जाये। जिला परामर्शी द्वारा बताया गया कि नगर निगम क्षेत्र में दुकानों पर लगे तम्बाकू उत्पाद के प्रचार प्रसार के पोस्टर लगे दिखते है जिनको लेकर जिला स्तरीय तम्बाकू नियंत्रण समन्वय समिति के सदस्यों के द्वारा निर्णय लिया गया कि नगर निगम क्षेत्र में (तंबाकू विज्ञापन प्रचार प्रायोजन) का पोस्टर हटा दिया जाएगा। डा0 सुधा सिंह नोडल पदाधिकारी एन0सी0डी0 द्वारा बताया गया कि 25 मई से 26 जून तक तम्बाकू के दुष्प्रभाव के प्रति जन जागरूकता हेतु जिला में विभिन्न प्रकार की गतिविधियां विशेष अभियान चला कर किया जा रहा है ।

एक नजर

सड़क हादसे के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने शव के साथ किया सड़क जाम

बोकारो : कसमार थाना क्षेत्र के बगियारी मोड़ पर बुधवार दोपहर करीब 3 बजे ग्रामीणों ने सड़क हादसे में मारे गए विनोद बिहारी महतो के शव के साथ सड़क जाम कर दिया। परिजनों और ग्रामीणों का आरोप है कि विनोद महतो की मौत तेज रफ्तार वाहन की टक्कर से हुई है। वे संबंधित वाहन को अविलंब जब्त करने की मांग कर रहे हैं। ग्रामीणों ने साफ कहा है कि जब तक वाहन को पकड़ा नहीं जाता, वे जाम समाप्त नहीं करेंगे। मौके पर स्थानीय प्रशासन की टीम पहुंची है और लोगों को समझाने का प्रयास किया जा रहा है, लेकिन आक्रोशित ग्रामीण कार्रवाई की स्पष्ट गारंटी मांग रहे हैं।

जिला कांग्रेस कमेटी ने संविधान बचाओ रैली की तैयारी को लेकर की बैठक

बोकारो : बुधवार को बोकारो परिषदन में बोकारो जिला कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष उमेश प्रसाद गुप्ता के नेतृत्व में प्रस्तावित कार्यक्रम आगामी 8 जून को बोकारो जिला स्तरीय ₹संविधान बचाओ रैली को आयोजन कि तैयारी को लेकर जिला एवं सभी प्रखंड नगर मंडल पदाधिकारियों सहित बोकारो कोंग्रेसजनों के उपस्थिति में बैठक की गईं। बैठक का संचालन वरिष्ठ कोंग्रेसी सुशील कु झा ने किया।बैठक में संविधान बचाओ रैली को बोकारो जिला में ऐतिहासिक बनाने को लेकर विशेष चर्चा किया गया। विभिन्न प्रखंड के पदाधिकारियों ने बारी बारी से तैयारी को लेकर बाते रखें। बैठक के उपरांत जिलाध्यक्ष ने पदाधिकारियों के साथ रैली कार्यक्रम स्थल सेक्टर 2सी मोड़ में पहुंचकर निरीक्षण किया।मौके पर श्री गुप्ता ने कहा कि शीर्ष नेतृत्व के निदेर्शानुसार देश के दलितों, आदिवासियों, शोषितों और वंचितों के हक एवं अधिकार के सुरक्षा एवं संरक्षण के लिए आगामी 8 जून को जिला स्तरीय संविधान बचाओ रैली बोकारो में ऐतिहासिक रूप से आयोजित किया जायेगा जाएगा। इस अवसर पर झारखण्ड प्रदेश प्रभारी के राजू जी,सह प्रभारी सीरीवेला प्रसाद जी,प्रदेश अध्यक्ष श्री केशव महतो कमलेश जी सहित प्रदेश नेतृत्व नेताओं उपस्थित होंगे। मौके पर डॉ इंद्रदेव पासवान, जवाहर लाल महाथा,अशोक मिश्रा, अब्दुल हाजी मालिक, सतेंद्र यादव,जीतेन्द्र यादव,कमरुल हसन,नीलू देवी,जलेश्वर दास,तपस ओझा, ए के सुल्तान,अशोक सिंह सहित जिला, प्रखंड, नगर,मंडल के पदाधिकारीगणों उपस्थित रहे।

बंजर जमीन पर फूटे बदलाव के अंकुर, महिला समूह ने बदली गांव की तस्वीर

बोकारो : क्या बंजर जमीन पर हरियाली लहलहा सकती है जिले के कसमार प्रखंड के एक सुदूर आदिवासी बहुल गांव हीसिम अंतर्गत कटहल टोला की महिलाओं ने यह असंभव सा सपना सच कर दिखाया है। अपनी मेहनत, हिम्मत, और लगन से उन्होंने न सिर्फ बंजर जमीन को उपजाऊ बनाया, बल्कि अन्य महिलाओं के लिए भी किसानी का नया रास्ता दिखाया। जिससे इलाके की तस्वीर बदल गई है। यह कहानी है नारी शक्ति की, जिसने निराशा को उम्मीद में बदला और आर्थिक समृद्धि के सफर को तय किया। कसमार प्रखंड के सुदूर आदिवासी बहुल गांव हीसिम के कटहल टोला की महिलाएं आज आम बागवानी के माध्यम से आत्मनिर्भरता की ओर कदम बढ़ा चुकी हैं।

संक्षिप्त खबरें

आरा मील के कारखाना का किया निरीक्षण

धनबाद : सरायढेला थाना क्षेत्र के वार्ड 23 अंतर्गत कोला कुसमा मथुरा नगर में संचालित आरा मिल गलत तरीके से संचालित है उक्त बातें जांच के बाद ग्रामीणों ने बताया,सनद रहे कि मथुरा नगर के कॉलोनी वासियो के शिकायत के बाद सदर अनुमंडल पदाधिकारी राकेश कुमार के आदेश पर बुधवार को जांच टीम कॉलोनी में संचालित आरा मिल पहुची, जांच किया तो गलत पाया गया वर्णित क्षेत्र में आरा मील के कारखाना का निरीक्षण किया गया जिसमे आवासीय क्षेत्र मे गलत ढंग से चलाया जा रहा है जिससे वायु/ध्वनी प्रदूषण से कॉलोनी वासी काफी दिक्कत का सामना करना पढ़ रहा है कॉलोनीवासीयो को इस पर कॉलोनी के लोगो ने जिसका विरोध किया। जिला मजिस्टैट-देवेंद्र ठाकुर ने जांच के क्रम मे गलत पाया।जांच के दौरान आरा मिल के संचालन का विरोध जताने वालो में सत्यम साहानी, बिट कुमार, पवन पाण्डेय, सुनील कुमार, पंकज ठाकुर, राजू कुमार, तापश दत्ता , पुतूल दे, सुनील रवानी, वकील कुम्हार , बंटी धीवर, सामू कुम्हार, रंजीत साव, नंदू कुमार, रवि, जितेंद्र सिंह , विनय सिंह आदि कॉलोनी वासी जांच अधिकारी को आरा मिल से होने वाली कठिनाइयों के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

चास प्रखंड अंतर्गत बाधाडीह गांव में दो दिवसीय अखंड हरि नाम संकीर्तन शुरू

बोकारो : मंगलबार रात्रि में बाट बिनोर निवासी परमेश्वर दास वैष्णव ने गांधदिवस , गुरु, वैष्णव, महंत आमंत्रण किया, बुधवार को निताई गौर गुरु वैष्णव बंदना कर हरिनाम संकीर्तन आरम्भ किया, परमेश्वर दास वैष्णव ने कहा हरि बोल की ध्वनि जितने दूर तक गूंजता है कोई अमंगल, बाधा विघ्न प्रवेश नहीं कर सकता, हरि नाम संकीर्तन अनुष्ठान में भक्त दु:ख, क्लेश, अशांति से मुक्त हो जाता हैं, ग्राम की सुख समृद्धि और शांति मंगल के लिए वर्षों से हरिनाम संकीर्तन होते आ रहा है, बुधवार रात्रि पश्चिम बंगाल बांकुड़ा जिला कीर्तनियां कल्याणी दास द्वारा रास लीला परिवेशन किया जाएगा एवं गुरुवार दोपहर राखाल भोग राधा कृष्ण कुंज मिलन के साथ कीर्तन समापन होगा, अनुष्ठान को सफल बनाने में सोलह आना कमिटी के शक्ति गोसाईं, रंजन गोस्वामी,चड़कू महतो, सीताराम महतो, लालजी महतो, राजू महतो, पवन महतो, लाला महतो, पूरण महतो, राकेश महतो, कार्तिक, राजेश, प्यारी महतो, राखाल, महानंद महतो, भूखल, जगदीष, भूपेन महतो आदि सहित सैकड़ों ग्रामीण श्रद्धालुगण शामिल हैं।

बनगडिया ओपी परिसर में शांति समिति की हुई बैठक

बोकारो : बकरीद को सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाने को लेकर बुधवार कोँ बनगडिया ओपी परिसर में शांति समिति की बैठक संपन्न हुई। अध्यक्षता थाना प्रभारी गौरव कुमार ने किया। कहा कि त्योहार के दौरान आपसी भाईचारे और प्रेम का संदेश देते हुए सभी की भावनाओं का सम्मान करें। सोशल मीडिया पर पुलिस की नजर रहेगी। किसी की धार्मिक भावनाओं को आहत करने जैसे पोस्ट हरगिज न करें। आपस में मिलजुल कर त्योहार मनायें। बैठक में ईद उल अजहा की नमाज और कुबार्नी की रस्म अदायगी के बारे में प्रशासन ने लोगों से जानकारी ली। बैठक में पंसस बिनोद बिहारी महतो, उत्तम सरकार, दाउद अंसारी, समाज सेवी परमेश्वरदास वैष्णव, बिकास सिंह, संतोष दास, सुजन महतो, दिलीप सिंह उर्फ राजु,भाजपा नेता धनु गोराईं,बंशी महतो, अनवर अंसारी, दिलदार अंसारी, ए अंसारी, सुधीर कुमार, अंकेश कुमार सिंह, सुक्रु उरांव, अखिलेश सिंह आदि शांति समिति के सदस्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

स्टील सिटी स्टेशन पर नाबालिग लड़की को बचाया गया, चाइल्ड लाइन को सौंपी गई

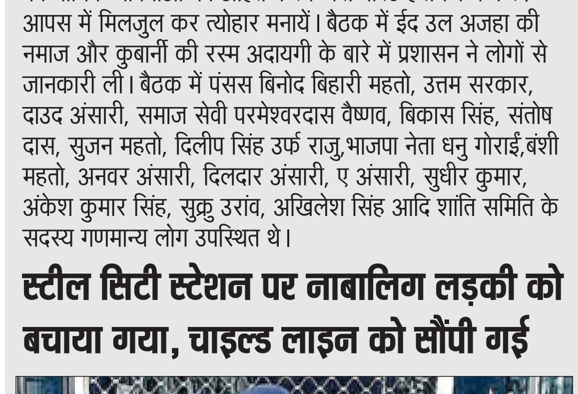

बोकारो : बुधवार बोकारो रेलवे स्टेशन पर ड्यूटी कर रहे एएसआई आर.बी. यादव और आरपीएफ पोस्ट बोकारो के स्टाफ ने स्टेशन पर सुरक्षा जांच के दौरान लगभग 1:50 बजे एक नाबालिग लड़की को तनाव की स्थिति में प्लेटफॉर्म नंबर-01 के निकास द्वार के पास बैठा देखा। पुलिसकर्मियों ने उससे पूछताछ की, जिसमें उसने अपना नाम, पिता का नाम रंजीत सिंह, उम्र 15 वर्ष तथा पता - पश्चिम पल्ली, दुगार्पुर डोरमेट्री, हनुमान मंदिर, थाना-चंद्रपुरा, जिला-बोकारो, बताया। लड़की ने यह भी स्वीकार किया कि वह चंद्रपुरा बाजार से वापस आने की गलत सूचना अपने परिवार को देकर घर से भाग गई थी। सभी कानूनी औपचारिकताओं का पालन करने के बाद पुलिस ने उक्त नाबालिग लड़की को आगे की कार्रवाई के लिए चाइल्ड लाइन बोकारो को सुरक्षित रूप से सौंप दिया। इस घटना में आरपीएफ और पुलिस की सतर्कता की सराहना की जा रही है। अब चाइल्ड लाइन टीम लड़की के परिवार से संपर्क करने और उसे सुरक्षित घर पहुंचाने की कोशिश कर रही है।

एक नजर

जनहित से जुड़े मुद्दों के लिए हमेशा संघर्ष करूंगी : रजनी कौर

सरिया (गिरिडीह) : बुधवार को सरिया के छोटकी सरिया गाँव में स्व राजेश मंडल की 10वी बलिदान दिवस मनाई गई। छोटकी सरिया में आयोजित इस कार्यक्रम में स्व राजेश मंडल की पत्नी सह भाजपा नेत्री रजनी कौर ने सबसे पहले स्व. राजेश की प्रतिमा पर श्रद्धांजलि के रूप में माल्यर्पण किया साथ ही श्रद्धा सुमन अर्पित किया गया । वही इसके बाद सैकड़ों परिजनों व समर्थकों ने भी पुष्प अर्पित कर श्रद्धा सुमन अर्पित किया। श्रद्धांजलि के बाद वहां उपस्थित लोगों को सम्बोधित करते हुए रजनी कौर ने राजेश मंडल द्वारा जनहित में किए गए कार्यो को बताया आगे कहा कि जो कार्य बिधायक या सांसद रहकर नही किया जा सकता वो जनहित से जुड़े समस्याओं का निदान मेरे स्व. पति ने कर दिखाया था और अब तक इनके द्वारा बताए मार्ग में चलते हुए जनहित से जुड़े मुद्दों के लिए संघर्षरत हूं। उन्होंने हमेशा समाज के शोषित ,दलित की आवाज के साथ पुलिसिया जुर्म का विरोध किया। एवं सरिया में रेलवे में नए सुविधा की लड़ाई हो ,प्रखंड से अनुमंडल बनाने की लड़ाई हो सभी में आगे बढ़ कर समाज हित में काम किया है। वही इनके अलावा वरिष्ठ पत्रकार बिनोद विश्वकर्मा, त्रिभुवन मंडल, बालगोविंद मंडल ,राजकुमार मंडल, नेहरू मंडल आदि ने भी कार्यक्रम को संबोधित किए।

पिकअप वाहन के धक्के से राजमिस्त्री की मौत

खूंटी: खूंटी-तोरपा मुख्य मार्ग पर मुरहू थाना के कुंजला मोड़ के पास पिकअप वैन के धक्के से परमानंद महतो(45) नामक राजमिस्त्री की मौत हो गई। घटना बुधवार सुबह साढ़ नौ बजे की है। जानकारी के अनुसार परमानंद सुबह अपनी मोटरसाइकिल से एक रेजा को लेकर काम करने सारिदकेल गांव जा रहा था। कुंजला मोड़ के पास विपरीत दिशा से आ रहे पिकअप वैन ने मोटरसाइकिल को धक्का मारकर फरार हो गया।
इस दुर्घटना में राजमिस्त्री की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि रेजा बाल-बाल बच गई। जानकारी के अनुसार परमानंद मूलरूप से टाटीसिलवे थाना क्षेत्र के सुगनु गांव का रहने वाला था और हाल के दिनों में खूंटी के दतिया में मकान बनाकर रह रहा था।

मिक्स मार्शल आर्ट समर कैंप का हुआ समापन

पश्चिम सिंहभूम: आदिवासी उरांव समाज संघ के सहयोग से आयोजित मिक्स मार्शल आर्ट समर कैंप का भव्य समापन बुधवार को हुआ। इस कैंप में क्योंकुशीन कराटे, ताइक्वांडो, बॉक्सिंग और नन-चाकू जैसे आत्मरक्षा विधाओं का प्रशिक्षण दिया गया। बच्चों ने पूरे उत्साह और जोश के साथ प्रशिक्षण में भाग लिया। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित उरांव समाज संघ चाईबासा के अध्यक्ष संचू तिर्की ने कहा कि इस तरह के आयोजन न केवल बच्चों को आत्मरक्षा की कला सिखाते हैं, बल्कि उनके शारीरिक और मानसिक विकास में भी सहायक होते हैं।

बाल श्रम उन्मूलन को लेकर ढाबा, लाइन होटल सहित अन्य जगहों में होगी छापेमारी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पलामू : पलामू उपायुक्त समीरा एस की अध्यक्षता में बुधवार को समाहरणालय सभागार में श्रम उन्मुलन को लेकर जिला स्तरीय टास्क फोर्स की बैठक हुई। उपायुक्त ने श्रम अधीक्षक एतवारी महतो से विगत वर्षों में श्रम उन्मुलन को लेकर किये गये कार्यो की जानकारी ली। उपायुक्त ने जून माह में छापेमारी को औचक रूप से किये जाने को लेकर निर्देशित किया। ढाबा, लाइन होटल, ईंट भट्ठा, गैरेज, वाशिंग सेंटर सहित अन्य जगहों में छापेमारी चलाने के लिए निर्देशित किया गया। उन्होंने कहा कि विमुक्त बाल श्रमिकों को सीडब्लूसी के समझ अनिवार्य रूप से प्रस्तुत करें। जो नियोजक अपने प्रतिष्ठान में 14 वर्ष के कम उम्र के बाल श्रमिक को नियोजित करते है, उनके विरूद्ध बाल एवं अल्प व्यस्क श्रमिक (प्रतिषेध एवं विनियमन) अधिनियम 1986 के तहत प्राथमिकी दर्ज करते हुए 20-20 हजार रुपए प्रति बाल श्रमिक जुमार्ना के रूप वसूली की जाए। वहीं विमुक्त बाल श्रमिक की ट्रैकिंग तथा पुर्नवासन के लिये मानक कार्य पद्धति के अनुसार कार्य किये जाने का निदेश दिया। एसपी रीष्मा रमेशन ने बच्चों की बौद्धिक क्षमता के अनुरूप संबंधित कक्षा में नामांकन करने से संबंधित विषय को रेखांकित किया। बाल श्रम को लेकर जिन नियोजकों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज है उन सभी को भी जल्द से जल्द निष्पादन करने को लेकर उपायुक्त ने निर्देशित किया। उपायुक्त ने जिला शिक्षा पदाधिकारी को ऐसों सभी चिन्हित बच्चों के लिये विशेष रूप से शिक्षा प्रदान करने के लिए निर्देशित किया। बाल श्रम से मुक्त हुए बच्चों का 15 दिनों के भीतर उनके अद्यतन स्थिति से अवगत कराने का निर्देश दिया गया। उपायुक्त ने जिला जनसंपर्क पदाधिकारी डॉ असीम को बाल श्रम उन्मूलन विषय पर रिल्स सहित अन्य माध्यमों से समाज में जागरूकता कराने के लिए निर्देश दिया गया। उपायुक्त ने कहा कि होटलों, ढाबों, ईंट भट्टों या अन्य स्थानों पर कहीं भी कोई बाल श्रम होता दिखे तो डीसी पलामू के सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर सूचना दे सकते हैं। पलामू के चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098 एवं राज्य हेल्पलाइन नंबर 18003456526 पर भी सूचना दी जा सकती है।

उपायुक्त ने सदर अस्पताल का किया औचक निरीक्षण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

लोहरदगा : उपायुक्त डॉ ताराचंद ने बुधवार को जिला के सदर अस्पताल का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने पाया कि अधिकांश चिकित्सक अपने निर्धारित रोस्टर के अनुसार मौजूद नहीं थे। मेडिकल का प्रबंधन बेहतर नहीं था। जो दवाईयां चिकित्सक ने मरीज को लिखी वह अस्पताल परिसर स्थित जन औषधि केंद्र में नहीं मिली। ओपीडी का प्रदर्शन संतोषजनक नहीं मिला। उपायुक्त ने इस संबंध में सिविल सर्जन लोहरदगा और अस्पताल प्रबंधक को व्यवस्था में सुधार के सख्त निर्देश दिये। साथ ही, उपायुक्त ने कहा कि जो रोस्टर चिकित्सकों का है उसके अनुसार चिकित्सक मौजूद रहें। अन्यथा कार्रवाई की जाएगी। चिकित्सकों के समय पर नहीं रहने पर मरीजों को घंटों इंतजार करना पड़ता है। काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। उपायुक्त ने अस्पताल परिसर में आइसीयू, ऑपरेशर थिएटर, आयुष्मान भारत की स्थिति, ड्रेसिंग रूम, फिजियोथेरेपी, आंख और दंत चिकित्सक वार्ड, रजिस्ट्रेशन काउंटर, आंख,कान, गला विशेषज्ञ वार्ड, हड्डी रोड विशेषज्ञ वार्ड, ब्लड बैंक, मेटरनल वार्ड, शिशु वार्ड, डायग्नोस्टिक्स सेंटर, ब्लड सैंपल कलेक्शन सेंटर, लैब, ऑक्सीजन प्लांट, अस्पताल परिसर स्थित जर्जर भवनों, जन औषधि केंद्र का निरीक्षण किया। ब्लड बैंक में विभिन्न ब्लड ग्रुपों के खून की उपलब्धता के लिए ब्लड डोनेशन कैंप का आयोजन कॉलेज, समाहरणालय परिसर सहित अन्य स्थानों पर आयोजित कराने का निर्देश सिविल सर्जन को दिया गया।

आधुनिक खेती की ओर शिक्षित युवाओं का बढ़ता रूझान

- उषा मार्टिन की पहल से 18 गांवों में वैज्ञानिक खेती
- एक्सआइएसएस के ग्रामीण सर्वे की रिपोर्ट

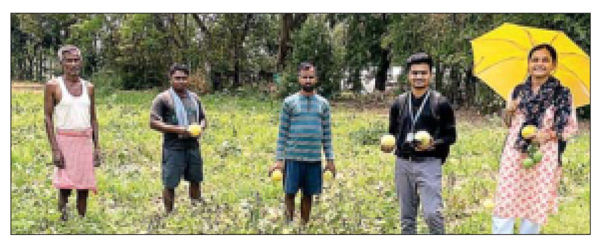

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

अनगड़ा : रांची शिक्षित युवाओं में परंपरागत खेती से अलग आधुनिक खेती के प्रति रूझान बढ़ी है। खेती में अभिनव प्रयोग, तकनीक का उपयोग एवं जोखिम लेने की प्रवृत्ति बढ़ने से खेती अब लाभकारी कार्य हो गया है। जेवियर इंस्टिट्यूट ऑफ सोशल सर्विस, रांची के द्वारा टाटीसिलवे स्थित उषा मार्टिन के इर्द-गिर्द के 18 से गांवों में सर्वे से यह पता चला है। इनके सर्वे का विषय है -प्राकृतिक संसाधनों के विकास पर समग्र प्रभाव। ग्रामीण विकास में पीजी करनेवाले दो छात्रों निहारिका सिंह एवं सैफ अली रहमान ने यह रिपोर्ट बनायी है। ग्रामीण प्रबंधन के छात्र द्वारा उषा मार्टिन द्वारा ग्रावों में चलाये जा रहे अभियान पर हालिया सर्वे से यह बात सामने आयी है कि 20 से 30 वर्ष की उम्र के युवा किसान तेजी से आधुनिक खेती के तरीकों को अपना रहे हैं। यह बदलाव उषा मार्टिन फाउंडेशन की प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन (छत्ड) योजना के तहत मिलने वाले प्रशिक्षण और संसाधनों की मदद से संभव हो पाया है। सर्वे रिपोर्ट फाउंडेशन ने सभी आयु वर्ग के किसानों को ड्रिप सिंचाई, सोलर पंप, संकर बीज, ग्राफ्टेड पौधा और पॉलीनेट जैसी आधुनिक तकनीकों का प्रशिक्षण दिया है। इससे अब सालोंभर खेती करना संभव हो सका है। यही नहीं अब किसानों में वर्मीकम्पोस एवं गाय के गोबर का उपयोग भी बढ़ा है। सर्वे से यह साफ हुआ है कि युवाओं को एक ओर भारतीय परंपरागत उपयोगी प्रथाओं को अपनाने में संकोच नहीं है तो दूसरी ओर वे तकनीकें ज्यादा आकर्षित कर रही हैं, क्योंकि इनसे पानी और समय की बचत होती है, उत्पादन बढ़ता है, और आय में सुधार होता है।

क्षेत्र में बकरीद मनाने को हुई शांति समिति की बैठक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सरिया (गिरिडीह) : मुस्लिम धर्मावलंबियों का पर्व बकरीद शांतिपूर्ण मनाए जाने को लेकर बुधवार को सरिया अनुमंडल में अनुमंडलस्तरीय व सरिया थाना में प्रखंड स्तरीय शांति समिति की बैठक की गयी। अनुमंडल में बैठक की अध्यक्षता एसडीएम संतोष गुप्ता व संचालन एसडीपीओ धनंजय राम ने किया। बैठक के दौरान अधिकारियों ने कहा कि त्योहार सभी समुदायों को जोड़ने का कार्य करता है और ऐसे अवसरों पर सभी को मिल-जुलकर भाईचारे का परिचय देना चाहिए। उन्होंने उपस्थित लोगों से अपील की कि किसी भी प्रकार की अफवाहों से बचें और यदि कोई संदिग्ध गतिविधि नजर आये, तो तुरंत प्रशासन को सूचित करें। प्रशासन की ओर से यह भी बताया गया कि अनुमंडल व प्रखंड की पुलिस और प्रशासन की टीम पूरी तरह सतर्क है, संवेदनशील क्षेत्रों में सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए जाएंगे। पुलिस गश्ती, सीसीटीवी निगरानी जैसी तकनीकों का सहारा लिया जाएगा, ताकि किसी भी प्रकार की अप्रिय स्थिति उत्पन्न न हो । बैठक में कई लोगों ने सफाई व्यवस्था, जलापूर्ति, ट्रैफिक नियंत्रण और कचरे के त्वरित निस्तारण जैसी समस्याओं को उठाया। अधिकारियों ने भरोसा दिलाया कि इन समस्याओं का समाधान सुनिश्चित करेंगे । बैठक के अंत में सभी समुदायों से यह अपील की गयी कि वे आपसी भाईचारे को मजबूत करते हुए पर्व को शांतिपूर्ण और सम्मानजनक ढंग से त्योहार मनाएं । प्रशासन ने स्पष्ट किया कि असामाजिक तत्वों पर कड़ी नजर रखी जा रही है और शांति भंग करने की किसी भी कोशिश को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। बैठक में एसडीओ संतोष गुप्ता, एसडीपीओ धनंजय राम, इंस्पेक्टर ज्ञानरंजन ,एल आर डीसी सचिदानन्द महतो, बीडीओ ललित नारायण तिवारी, सीओ संतोष कुमार, बिरनी सीओ संदीप मधेसिया, बगोदर बीडीओ निशा कुमारी, थाना प्रभारी आलोक कुमार सिंह, रामपति प्रसाद, नारायण पाण्डेय, टिंकू साव, डा.ललन कुमार, रफीक अंसारी समेत सरिया, बगोदर, बिरनी तीनों प्रखण्डों के पदाधिकारी व अनुमंडलस्तरीय शांति समिति के लोग शामिल रहे ।

रूडसेट संस्थान के द्वारा पर्यावरण दिवस ओर प्लास्टिक मुक्त स्वच्छता अभियान चलाया गया

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिल्ली : श्री धर्मस्थला मंजूनाथेश्वर शिक्षण ट्रस्ट एवं केनरा बैंक द्वारा संचालित रूडसेट संस्थान सिल्ली के द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस और प्लास्टिक मुक्त स्वक्षता अभियान चलाया गया। इस स्वक्षता अभिया में रूडसेट में प्रशिक्षण ले रहे 65 प्रशिक्षणाथीयों ने भाग लिया । इस स्वक्षता अभियान के तहत सिल्ली स्वास्थ्य केंद्र के कैम्पस को रूडसेट संस्थान के प्रशिक्षणार्थी और रुडसेटी कर्मचारियों के द्वारा सफाई किया गया और सफाई पर विशेष ध्यान रखने के लिए रूडसेट संस्थान के निदेशक संजीत कुमार और डॉक्टर ने संदेश दिया कि ज्यादा गन्दगी होने से ही हमारे आस पास बहुत ज्यादा बीमारियां होती, बीमारियां होने का मुख्य कारण है गन्दगी और प्लास्टिक कचरा से और ज्यादा बीमारियां फैलती है, इसलिए सफाई पर विशेष ध्यान रखना है,जिस से शुद्ध वातावरण शुद्ध ऑक्सीजन हम सभी को मिल सके जिससे व्यक्ति का जीवन लंबी हो और अच्छा स्वास्थ्य हो। इसलिए हम सभी मिलकर आज शपथ लेते है की हमारा गांव, समाज, देश, प्लास्टिक मुक्त हो। मौके पर वरिष्ट संकाय अनिल कुमार, सुरेन्द्र कुमार , जगदीश चंद्र महतो , दशरथ कुमार महतो, महेश रुहिदास, सुनील मुंडा उपस्थिति रहे।

संक्षिप्त खबरें

निर्जला एकादशी की तैयारी का जायजा लेने प्रशासनिक अधिकारियों पहुंचे राजदाह धाम

सरिया (गिरिडीह) : बुधवार को सरिया के राजदाह धाम में बीते 6 जून को आयोजित निर्जला एकादशी के मौके पर विशाल मेले और भगवती जागरण कार्यक्रम की तैयारी का जायजा लेने सरिया अनुमंडल पदाधिकारी संतोष गुप्ता, एसडीपीओ धनंजय कुमार ,एलआरडीसी सचिदानंद महतो समेत कई पदाधिकारी की टोली राजदाह धाम पहुंचे। एसडीएम संतोष गुप्ता ने तपस्वी मोनी बाबा राजदा धाम समिति के सदस्यों से एक बैठक कर निर्जला एकादशी के मौके पर उमड़ने वाले भीड़ व श्रद्धालुओं को नियंत्रित करने की तैयारी की जानकारी ली एवं कमेटी को निर्देशित करते हुए कहा कि पूरे मेले परिसर को सीसीटीवी एवं ड्रोन कैमरा की निगरानी में आयोजित किया जाना है। भीड़ को व्यवस्थित करने के लिए कमेटी के द्वारा 200 से अधिक वालंटियर की व्यवस्था की जानी है । जिसके पास कमेटी के द्वारा जारी किए गए परिचय पत्र एवं भीड़ को नियंत्रित करने वाली सामग्री होनी चाहिए। वहीं मेला परिसर में भीड़ को नियंत्रित करने के लिए बेरियर लगाए जाने का निर्देश और ट्रैफिक व्यवस्था को कंट्रोल करने के लिए दो पहिया ,चार पहिया गाड़ियों के लिए अलग अलग पार्किंग एवं पर्याप्त सुरक्षा के इंतजाम किए जाने की निर्देश दिए । वहीं मेले में पहुंचने वाले श्रद्धालुओं के लिए बैठने के लिए पर्याप्त स्थान बेहतर पानी, शौचालय आदि की व्यवस्था एवं नदी के तट पर सुरक्षा घेरे ताकि किसी भी प्रकार के अनहोनी से टाला जा सके एवं मेला परिसर में पर्याप्त लाइट रोशनी एवं साउंड सिस्टम की भी व्यवस्था किए जाने का भी निर्देश दिया गया।

शहीद लांसनायक राजकुमार महतो का 21 वी शहादत दिवस मनाया गया

अनगड़ा : शहीद लांसनायक राजकुमार महतो के 21 वी शहादत दिवस मनाया इस अवसर पर दौड़ प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया जिसका अध्यचता अर्जुन राम संचालन जगरनाथ महतो ने किया दौड़ प्रतियोगिता का हेसल मुखिया कविता देवी और साथ में करीनाथ महतो सकीचन द्वारा सामूहिक फिता काट उद्घाटन किया गया इस कार्य क्रम के मुख्य अतिथि पूर्व सांसद राम टहल चौधरी विशिष्ट अतिथि पूर्व विधायक राम कुमार पहान साथ ही भाजपा जिला उपाध्यक्ष मनोज कुमार चौधरी डॉ रिझु नायक शामिल थे शहीद लांसनायक राजकुमार महतो के आदमकद प्रतिमा पर सभी लोगो ने माल्यार्पण कर सच्ची श्रद्धांजलि दी इस अवसर पर सीनियर बालक बालिकाओं का मिलन चौक से निर्मल महतो चौक तक दौड़ जुनियर बालिका वर्ग के क्रास कंट्री दौड़ का आयोजन किया गया शहीद लांसनायक राजकुमार महतो के धर्म पत्नी जय प्रभा महतो माता को अंग वस्त्र बुके देकर परिवार को सम्मानित किया गया और दौड़ में विजय प्रतिभाभागियों को पुरस्कृत किया गया इस कार्यक्रम में सफल बनाने में विशेष रूप से कारी नाथ महतो जगर नाथ महतो नाईटिंगल नर्सिंग कॉलेज के संस्थापक अजीत महतो अर्जुन राम सूरज नारायण महतो राम शाय मुंडा गाबेस्वर महतो सुधांशु महतो गोवर्धन महतो मुलू महतो सकलनाथ महतो मदरा मुंडा सोनेलाल महतो कृष्णा करमाली किशुन महतो प्रेम साहू बीरेंद्र महतो बैजनाथ महतो प्रकाश महतो शिव नारायण महतो आदि शामिल थे।

सनशाइन क्लासेस बनसा ने इंटर साइंस में रचा इतिहास, छात्रों का शानदार प्रदर्शन

ईचागढ़ : चांडिल प्रखंड के बनसा गांव में स्थित सनशाइन क्लासेस एंड इंस्टीट्यूट्स ने एक बार फिर अपनी उत्कृष्ट शिक्षण पद्धति और समर्पण के बल पर झारखंड अधिविद्य परिषद (जैक) बोर्ड द्वारा आयोजित कक्षा 12 साइंस परीक्षा में शानदार प्रदर्शन कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। संस्थान के छात्र-छात्राओं ने न केवल अपनी मेहनत से बल्कि शिक्षकों के मार्गदर्शन से इस वर्ष के परिणामों में शीर्ष स्थान हासिल किए हैं। टॉपर्स की सूची में जनमंजय महतो ने 394 अंकों (78.8%) के साथ प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि संतोषी कुमारी ने 323 अंकों (64.6%) के साथ दूसरा और रेखा महतो व ललित महतो ने 318 अंकों (63.6%) के साथ संयुक्त रूप से तीसरा स्थान हासिल किया। इसके अलावा, संस्थान के अन्य छात्रों ने भी उल्लेखनीय प्रदर्शन किया। मुस्कान महतो ने 317 अंक (63.4%), सुलोचना महतो ने 310 अंक (62%), चंदना महतो ने 300 अंक (60%), पंचमी महतो ने 288 अंक (57.6%), और अनिल सिंह ने 277 अंक (55.4%) प्राप्त किए। इस शानदार प्रदर्शन ने न केवल छात्रों के कठिन परिश्रम को दशार्या, बल्कि सनशाइन क्लासेस बनसा की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और अनुशासित शिक्षण पद्धति को भी रेखांकित किया। संस्थान के शिक्षकों—विश्व रंजन (फिजिक्स), राकेश रंजन (केमिस्ट्री), और स्वपन (मैथ्स)—ने इस उपलब्धि पर गर्व व्यक्त किया। विश्व रंजन ने कहा, ह्लहमारे छात्रों की मेहनत और हमारी शिक्षण पद्धति का यह परिणाम है। हम उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं ह्व राकेश रंजन ने जोड़ा, ह्लछात्रों का समर्पण और नियमित अभ्यास इस सफलता का आधार है। शिक्षक स्वपन ने भी छात्रों की लगन की सराहना करते हुए कहा, यह न केवल छात्रों की जीत है, बल्कि पूरे संस्थान का गौरव है। सनशाइन क्लासेस एंड इंस्टीट्यूट्स बनसा ने अपनी स्थापना के बाद से ही आसपास के क्षेत्रों में शिक्षा के क्षेत्र में एक मजबूत पहचान बनाई है।

महाविद्यालयों में इंटर की पढ़ाई बंद करने के खिलाफ चांडिल में एआईडीएसओ का विरोध

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सरायकेला : ऑल इंडिया डेमोक्रेटिक स्टूडेंट्स ऑर्गनाइजेशन की सरायकेला-खरसावां जिला कमेटी ने महाविद्यालयों में इंटर की पढ़ाई को पूर्णतः बंद करने के फैसले के खिलाफ विरोध जताया है। बुधवार को सिंहभूम कॉलेज, चांडिल में नुक्कड़ सभा का आयोजन किया गया, जिसके बाद चांडिल चौक बाजार में राज्य और केंद्र सरकार का पुतला दहन किया गया। एआईडीएसओ के सरायकेला जिला सचिव विशेश्वर महतो ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि हर साल मैट्रिक परीक्षा में उत्तीर्ण होने वाले छात्र-छात्राओं की संख्या बढ़ रही है, लेकिन नए शिक्षण संस्थानों का निर्माण और शिक्षकों की नियुक्ति नहीं हो रही। कई जिलों में इंटर की सीटें छात्रों की संख्या के अनुपात में अपर्याप्त हैं, जिससे विशेषकर ग्रामीण और सुदूर क्षेत्रों के छात्रों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री मेधावी विद्यालयों में भी आधारभूत संरचनाओं और शिक्षकों की कमी है। विशेश्वर महतो ने राज्यपाल के उस पत्र पर सवाल उठाया, जिसमें विश्वविद्यालयों से संबद्ध महाविद्यालयों में इंटर नामांकन पर रोक लगाने और स्पष्टीकरण मांगने का आदेश दिया गया है। उन्होंने इसे अन्यायपूर्ण करार देते हुए कहा कि यह फैसला छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ है। सरकार को चाहिए कि इंटर की सीटें बढ़ाई जाएं, विषयवार शिक्षकों की नियुक्ति हो, आधारभूत संरचनाओं का विकास किया जाए, और कॉलेज कर्मचारियों के लिए वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित हो। एआईडीएसओ ने चेतावनी दी है कि यदि मांगें पूरी नहीं हुईं, तो संगठन क्रमबद्ध तरीके से आंदोलन तेज करेगा। नुक्कड़ सभा और पुतला दहन में जिला सचिव प्रभात कुमार महतो, कॉलेज कमिटी सचिव राजा प्रमाणिक, समीर कुमार महतो, प्रदीप मुर्मू, पूजा, किसान, शिवानी, संगीता, छुटु, रोहित सहित दर्जनों छात्र-छात्राएं शामिल रहे। इसकी जानकारी एआईडीएसओ सरायकेला-खरसावां के जिला कार्यालय सचिव युधिष्ठिर प्रमाणिक ने दिया।

कार्यालय नगर परिषद, रामगढ़

आम सूचना

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि वित्तीय वर्ष 2025–26 का होल्डिंग टैक्स 30 जून 2025 के पहले जमा करने पर नगर परिषद् रामगढ़ द्वारा करदाताओ को कर (वर्तमान वित्तीय वर्ष) में अधिकतम 15% तक की छूट देय है, जो निम्न प्रकार है :–

- सभी करदाताओ को 05% की छूट।

इसके अतिरिक्त :–

- होल्डिंग महिला के नाम होने से 05% की छूट।
- वरिष्ठ नागरिक होने से 05% की छूट।
- स्वयं कार्यालय में आकर जमा करने पर 2.5% की छूट।
- भारतीय सेना में काम करने वाले को 05% की छूट।
- ट्रांसजेंडर होने पर 05% की छूट।
- दिव्यांग होने पर 05% की छूट।
- यह छूट केवल आवासीय घृतियो पर लागू होगी।

Online (https://udhd.jharkhand.gov.in) जमा करने पर 05% की छूट ।

साथ ही वैसे लोग नगर परिषद् रामगढ़ अंतर्गत नए/पुराने/प्लॉट /व्यापारी वर्ग/गैर व्यापारी वर्ग जिन्होंने अबतक अपने अवासीय/व्यवसायिक प्रतिष्ठापानों का Assessment नहीं कराया है या कई वर्षो से Holding Tax की बकाया राशि अबतक जमा नहीं जिया है। वैसे सभी होल्डिंगधारी को निदेशित किया जाता है कि आम सूचना प्रकाशन की तिथि से 20 दिनों के अन्दर गलत तरीके से किये गये Assessment को Re-Assessment करा ले एवं Trade Licence/Holding Tax का बकाया नगर परिषद् रामगढ़ के कार्यालय में स्वतः जमा करें अन्यथा उक्त तिथि बीत जाने के उपरांत स्थलीय निरीक्षण के क्रम में जांचोपरांत दोषी पाये जाने पर होल्डिंग धारको पर नियमानुसार अर्थ दंड शुल्क की वसूली एवं झारखण्ड म्युनिसिपल एक्ट, 2011 के सुसंगत धाराओं के तहत नगर परिषद् रामगढ़ द्वारा कार्रवाई की जायेगी, जिसके लिए नए/पुराने/प्लॉट/व्यापारी वर्ग/गैर व्यापारी वर्ग/आवासीय एवं गैर आवासीय मकान मालिक स्वयं जिम्मेवार या दोषी माने जायेंगे।

प्रशासक
नगर परिषद् रामगढ़

PR 354256 (District)25-26*D

पर्यावरण के लिए वैदिक दर्शन महामार्ग

अवनि अंबर में भारी तपिश है। यह तपिश प्रत्येक वर्ष बढ़ती जा रही है। टीवी, समाचार पत्रों, सोशल मीडिया में मौसम लगातार गर्म रहने की खबरें हैं। ग्लेशियर पिघलने की गति बढ़ने की जानकारी दी जा रही है। वैज्ञानिक इस कारण चिंता में है। विश्व के बढ़ते तापमान को वैज्ञानिकों ने बताया कि यह ग्लोबल वार्मिंग के कारण है। पूरे विश्व का पर्यावरण तंत्र बदल रहा है। भयावह तूफान आ रहे हैं। चक्रवाती तूफानों का आना बढ़ा है। पर्यावरण में अनेक तरह के बदलाव हो रहे हैं। ऋतु चक्र भी बदल रहा है। पक्षियों की कई प्रजातियां नष्ट हो चुकी हैं। कई के ऊपर खतरा मंडरा रहा है। पशुओं की संख्या घट रही है। वैज्ञानिक रिपोर्ट्स कहती हैं ग्लेशियरों के पिघलने से जल का प्रवाह बढ़ेगा। जल नदियों पहाड़ों से होते हुए समुद्र में जाएगा। महासागरों का जल स्तर बढ़ेगा। जल स्तर बढ़ने से पूरी दुनिया के अनेक नगरों को इस जल से डूबने का खतरा उत्पन्न होगा। इस तरह की रिपोर्ट पहले भी आई हैं। पर्यावरण के प्रति हम सचेत नहीं होते हैं। पूरे विश्व का तापमान न बढ़े इस पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन लंबे समय से हो रहें हैं। पेरिस समझौते के 10 वर्ष हो रहे हैं। उत्सर्जन को हर हाल में कम करना ही होगा। सम्मेलनों के निष्कर्ष विश्व पर्यावरण को ठीक करने में नाकाम है। पूरे विश्व में विकास को लेकर प्रतिस्पर्धा है। प्रश्न है कि क्या आधुनिक विकास और विज्ञान मानव जीवन विरोधी है? एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) विज्ञान का चमत्कार है। यह एआई बढ़ते तापमान पर क्या करेगा? महासागरों में बाढ़ आने पर क्या कर लेगा? मछलियां नहीं होंगी, मोर नहीं नाचेंगे? शेर, चीता, बिल्ली, कुत्ता,गाय, घोड़ा हाथी सब विलुप्त जाएंगे क्या। तब मनुष्य कितने बचेंगे? जो रह जाएंगे उनके साथ रोबोट होंगे। वह होंगे तो प्लास्टिक एल्युमीनियम स्टील के रोबोट के साथ होंगे। अनेक रोबोट कम्पनियों में काम करते बताए जाते हैं। समझ सकते हैं कि रोबोट के मित्र उनके साथ काम करने वाले मनुष्यों की संवेदना कम जरूर हो रही होगी। वे रोबोट के ही स्वभाव के हो सकते हैं। यह खोज का विषय है। विकसित राष्ट्र अधिकतम विकास कर अंतरिक्ष में कालोनी बनाना चाहते हैं। यह एक छोर है। दुनिया के कई देश रोटी-पानी, स्वास्थ्य, शिक्षा की बुनियादी जरूरतों को पूरा नही कर पा रहे। यह दूसरा छोर है। वे संघर्ष में हैं। पृथ्वी पर पड़ोसियों से परिचय मैत्री घटी है। फ्लैट और कालोनी में रहने वाले शहरी सभ्यों ने भारत की प्रणाम नमस्कार संस्कृति को आहत किया है। तब चन्द्रमा पर किस भगवत्ता को उपलब्ध होंगे। पूरी दुनिया युद्धों में है। इनसे लोग भयभीत हैं। शक्तिशाली देश संयुक्त राष्ट्र संघ की कोई बात सुनते नहीं। उसकी आवाज ही दबी हुई है। बढ़ते युद्धों और बारूदी प्रगति के बीच पर्यावरणीय क्षति बड़ा विषय है। यह पर्यावरण तब ठीक होगा जब तापमान को घटाने के उपाय सामूहिक हों। दृढ़ इच्छा शक्ति से भरे हों। अरबों डीजल, पेट्रोल की गाड़ियां लगातार धरती पर तापमान बढ़ा रही हैं। औद्योगिक क्षेत्रों में भी भारी मशीनें चल रही हैं। डीजल पेट्रोल जलेगा तो कार्बन पर्यावरण में विचरण करेगा ही। वाहनों का कचरा अलग से है। ई-कचरा नई समस्या है। प्लास्टिक से बनी वस्तुओं ने समुद्र, नदियों, झीलों, तालाबों में जलीय जीवों को संकट में डाला है। जलीय जीवों में प्लास्टिक कण पाए गए हैं। प्लास्टिक के उचित प्रयोग पर सरकारें गम्भीर नहीं है। नगरों से गांवों तक प्लास्टिक कचरा है। कृषि भूमि चपेट में है। लोकसभा और विधानसभाओं में इस पर चर्चा नहीं है। विज्ञान का स्वभाव है अभी और आगे? वस्तुओं का अंत नहीं है। धर्म और विज्ञान साथ-साथ हैं। सनातन धर्म कहता है कि हमारे आचरण से किसी व्यक्ति या समूह, राष्ट्र की क्षति न होने पाए। भारत इसे एक सूत्र वाक्य में "वसुधैव कुटुंबकम" कहता है। संपूर्ण पृथ्वी हमारा परिवार है। समुद्र नदियों में ईश्वरीय अनुकंपा से जन्मे जलीय जीवों को जीने का पूरा अधिकार है। नदियों को वैदिक साहित्य में जल माताएं कहा गया है। नदियां भरतजनों की पूजनीय हैं। इन्ही नदियों के तटों पर कुंभ महाकुंभ हैं। नदियों के तटों पर विश्व में हजारों लाखों साल प्राचीन संस्कृतियों, सभ्यताओं का विकास हुआ है। नदियों, झीलों को सीवर लाइनों में परिवर्तित किया जा रहा है। वन संपदा औषधीय पेड़ों-पौधों के प्राकृतिक सौंदर्य को नष्ट करने की कार्रवाई जारी है।

सूडोकु नवताल- 7451

★★★★☆ मध्यम

		5			8			3
	7			3	5			
3						6		
							8	5
	6			7			1	
4	2							
		1						8
			7	4			3	
6			2			7		

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7450 का हल

9	4	8	7	5	1	6	2	3
3	7	5	6	4	2	1	8	9
6	2	1	3	9	8	4	7	5
4	1	3	8	6	7	9	5	2
5	8	6	9	2	4	3	1	7
2	9	7	5	1	3	8	4	6
8	6	4	2	7	9	5	3	1
7	3	9	1	8	5	2	6	4
1	5	2	4	3	6	7	9	8

श्रीराम मंदिर के स्वर्ण शिखर की आभा से आलोकित हुआ राष्ट्र

डॉ. आशीष वशिष्ठ

अयोध्या में श्रीराम मंदिर संपूर्ण विश्व में रचने-बसने वाले सनातनियों की शताब्दियों की प्रतीक्षा, संयम, धैर्य, अनुशासन और आस्था का प्रतीक है। यह राम नहीं, राष्ट्र मंदिर है। विरोधी भले ही सनातन और राम मंदिर का विरोध करते रहें लेकिन करोड़ों सनातनियों के हृदय में उनके आराध्य भगवान श्रीराम रचते-बसते हैं। भगवान राम के मंदिर को वह अपना पूजास्थल ही नहीं, बल्कि उसे अपना सबसे बड़ा तीर्थ मानते हैं। मुख्य मंदिर यानी अपनी जन्मभूमि पर नवनिर्मित मंदिर के भूतल में कोटि-कोटि भक्तों के आराध्य रामलला तो पहले से ही प्रतिष्ठित हैं, अब आगामी पांच जून को इसी मंदिर के प्रथम तल पर राम दरबार के साथ परकोटे के बाकी छह मंदिरों की भी प्राण प्रतिष्ठा होनी है। इनमें गणेशजी, भगवान शिव, देवी भगवती, हनुमान जी, भगवान सूर्य, देवी अन्नपूर्णा और शेष अवतार के विग्रहों की प्राण प्रतिष्ठा होगी। यह आयोजन अयोध्या के धार्मिक इतिहास में एक और महत्वपूर्ण अध्याय जोड़ने जा रहा है। त्रिदिवसीय प्राण प्रतिष्ठा का अनुष्ठान पांच जून को गंगा दशहरा के पावन पर्व के दिन पूणार्हुति के साथ संपन्न होगा। श्रीराम दरबार प्रतिष्ठित होने के साथ रामलला से राजाराम तक की यात्रा पूर्ण होगी। इसी बीच राम जन्मभूमि मंदिर के शिखरों पर सोने की परत चढ़ाने का कार्य हो रहा है। यह कार्य मंदिर की भव्यता में चार चांद लगाएगा।

राम राष्ट्र की संस्कृति हैं, राम राष्ट्र के प्राण हैं, राम के मंदिर का मतलब भारत का नवनिर्माण है। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा का स्वर्णिम और ऐतिहासिक अवसर सनातनधर्मियों को कड़े संघर्ष से प्राप्त हुआ है, जिसका 550 सालों से अधिक का इतिहास है। इसमें 70 से अधिक बार का संघर्ष, जिसमें से अधिकतर मुगल आक्रांताओं द्वारा भारतवासियों और हमारे मंदिरों पर हमले का रक्तरजिंत इतिहास शामिल है। अनगिनत आन्दोलनों के बाद अंततः 22 जनवरी, 2024 के दिन हिन्दू समाज को अपने आराध्य प्रभु श्रीराम को जन्म भूमि पर निर्मित भव्य मंदिर में पुनर्स्थापित करने का गौरव प्राप्त हुआ। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मुख्य यजमान बनकर मंदिर में श्रीरामलला की प्राण प्रतिष्ठा की। यह दिन भारत की आस्था, अस्मिता, स्वाभिमान और गौरव की पुनर्स्थापना का दिन के तौर पर अंकित है।

अयोध्या में प्रभु श्रीराम की जन्मभूमि पर मंदिर निर्माण के लिए गोरक्षपीठ की तीन पीढ़ियों का योगदान स्वर्णाक्षरों में अंकित है। वर्तमान में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जिस गोरखनाथ मठ के महंत हैं, उसी से अयोध्या के राम मंदिर आंदोलन की शुरूआत हुई थी। योगी के गुरु महंत अवेद्यनाथ 12 सितंबर 2014 को ब्रह्मलीन हुए। गोरक्षपीठाधीश्वर महंत अवेद्यनाथ के पास मंदिर आंदोलन के दौरान दो सबसे अधिक अहम पदों राम जन्म भूमि यज्ञ समिति और राम जन्म भूमि न्यास के अध्यक्ष की जिम्मेदारी थी। ये दायित्व इस बात का प्रमाण है कि आजादी के आंदोलन के बाद देश की राजनीति की दशा और दिशा बदलने वाले राम मंदिर आंदोलन में उनका क्या कद था? महंत अवैद्यनाथ के गुरु ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ थे। योगी आदित्यनाथ भी इस आंदोलन को मुखरता प्रदान करते रहे हैं। वो कहते रहे हैं कि राम मंदिर चुनावी मुद्दा नहीं... मेरे लिए जीवन का मिशन है। पांच जून को प्राण प्रतिष्ठा के पावन अवसर पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मंदिर परिसर में उपस्थित रहेंगे। विशेष बात यह है कि पांच जून को मुख्यमंत्री का जन्मदिन भी है।

हिन्दू बहुल देश में प्रभु श्रीराम की जन्मस्थली को मुक्त करवाने में जिस तरह के अवरोध उत्पन्न किए गए वे अकल्पनीय हैं। यदि सोमनाथ के साथ ही राम जन्मभूमि का मसला भी तत्कालीन नेहरू सरकार सुलझा लेती तब शायद इसे लेकर राजनीति करने का किसी को अवसर नहीं मिलता। लेकिन आजादी से लेकर आजतक कांग्रेस ने राम के नाम पर घिनौनी राजनीति का प्रदर्शन किया है। एक ऐसी राजनीति जिसने राम मंदिर मुद्दे को उलझाने का काम किया। वर्ष 2008 में तत्कालीन यूपीए सरकार ने इस मामले में हलफनामा दाखिल कर सेतु समुद्रम परियोजना के लिए राम सेतु को तोड़ कर तय वर्तमान मार्ग से ही लागू किए जाने पर जोर देते हुए कहा था कि भगवान राम के अस्तित्व में होने के बारे में कोई पुख्ता साक्ष्य उपलब्ध नहीं हैं। ये भी कहा था कि रामायण महज कल्पित कथा है। वर्तमान में, कांग्रेस और इंडिया गठबंधन में शामिल घटक दलों के कई नेता राम मंदिर और सनातन धर्म पर आपत्तिजनक बयानबाजी करने से बाज नहीं आते।

स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी ने एक बार संसद में कहा था कि राम मंदिर का निर्माण राष्ट्रीय स्वाभिमान का मुद्दा है। उनका वह वक्तव्य सही मायने में एक संदेश था जिसमें राजनीति नहीं थी। सही बात तो ये है कि राम मंदिर का विरोध करने वालों ने ही इसे वोट बैंक की राजनीति का हिस्सा बना दिया। कांग्रेस और अन्य कुछ दल मुस्लिम मतों के कारण इस मुद्दे पर हिंदुओं के न्यायोचित दावों की अनदेखी करते रहे। प्रतिक्रिया स्वरूप इस मामले ने दूसरा मोड़ ले लिया। लेकिन दुर्भाग्य है कि देश की बहुसंख्यक आबादी के आराध्य श्रीराम की जन्मभूमि को अवैध कब्जे से मुक्त करवाने का कार्य न्यायालय के निर्णय से संभव हो सका। और वह प्रक्रिया भी वर्षों नहीं दशकों तक चली। सबसे बड़ी बात ये हुई कि बाबरी ढांचे की तरफदारी मुस्लिम धर्मगुरुओं के साथ ही साथ धर्मनिरपेक्षता के झंडाबरदार बने हिन्दू नेतागण भी करते रहे।

इसमें कोई दोराय नहीं है कि, शताब्दियों का संघर्ष अब अयोध्या में प्रत्यक्ष साकार रूप में फलीभूत होता दर्शित हो रहा है। भारत के कण-कण में राम हैं। राम मंदिर में राम दरबार के साथ परकोटे के बाकी छह मंदिरों की प्राण प्रतिष्ठा भारत की सुप्त आत्मा को जागृत करने का काम करेगी। राम मंदिर के निर्माण से सशक्त राष्ट्र का निर्माण होने वाला है। भारत की जय जयकार दुनिया में हो रही है। यह वास्तव में भारत की सुप्त आत्मा है। यही भारत को दुनिया के अंदर सर्वशक्तिशाली बनाएगी। भारत के प्रत्येक व्यक्ति के मन में जो रामभक्ति है वहीं राष्ट्रभक्ति है। राजनीति तोड़ने का कार्य करती है, धर्म जोड़ता है। राम मंदिर ने देश को जोड़ दिया है। अभी हाल ही में ऑपरेशन सिन्दूर में हमारे सैनिकों ने जिस पराक्रम का प्रदर्शन किया है उससे न केवल शत्रु बल्कि पूरी दुनिया अचम्भित है। ये बढ़ते हुए सशक्त भारत की एक झलक मात्र है।

राष्ट्रीय अस्मिता और अखण्डता भी अयोध्या से जुड़ी है। श्रीराम मंदिर केवल धार्मिक आस्था का प्रश्न नहीं है, इसके साथ भावी सामाजिक संरचना की संकल्पना भी जुड़ी है। व्यक्ति और राष्ट्र का चरित्र निर्माण, कालसापेक्ष किन्तु कालातीत दर्शन और दृष्टि का सृजन बीज राम मंदिर निर्माण और उसकी भव्यता में निहित है। राम मंदिर का दूसरा पहलू राष्ट्र मंदिर के रूप में स्थापित है और इस भावना के अनुरूप यह परिसर आस्था के साथ राष्ट्रीय चरित्र, राष्ट्रीय एकता और समाज निर्माण के प्रति भी महनीय भूमिका का निर्वहन करने को तैयार है। विश्वभर में रचने और बसने वाले हिन्दू धर्मावलम्बी राम मंदिर की दूसरी प्राण-प्रतिष्ठा को लेकर उत्साहित हैं। इसमें कोई दोराय नहीं है कि पांच जून की तिथि विश्व इतिहास में सदा के लिए अमर रहेगी। श्रीराम मंदिर के शिखर की स्वर्णिम आभा से सम्पूर्ण विश्व में सुख, समृद्धि, शांति, सद्भावना और सहिष्णुता का प्रकाश फैले और भारत फिर एक बार विश्व गुरु के तौर पर स्थापित हो, यही कामना है।

(लेखक, राजनीतिक विश्लेषक और स्तंभकार हैं।)

देश के साथ यह कैसी वफादारी? कांग्रेस क्यों अड़ी है सेना के गिरे हुए फाइटर जेट्स जानने में!

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

युद्ध केवल सामरिक नहीं होता, जब होता है तब कई मोर्चों पर एक साथ होता है। जिसमें कि सबसे अधिक कठिन कुछ है तो वह अपनों के व्यर्थ पूछे जा रहे सवालों के जवाब देने के मोर्च पर खरा उतरना है। 'ऑपरेशन सिंदूर' का लोहा पूरी दुनिया ने माना, पर हमारे अपने कुछ लोग हैं जो लगातार रह-रह कर अपनी ही सरकार पर प्रश्न खड़े कर रहे हैं। जबकि उन्हें यह देखना चाहिए कि इससे बड़ी सफलता क्या होगी कि पाकिस्तान को दिए गए भारतीय सैन्य जवाब के बाद हमारी स्वदेश आधारित तकनीक पर दुनिया के कई देशों ने भरोसा जता दिया। इसका सबसे बड़ा उदाहरण है भारतीय सैन्य सामग्री निर्माण करनेवाली कंपनियों के शेयर में आया भारी उछाल।

इसके साथ ही हमारी सफलता की सीमा रेखा इससे भी तय होती है जो भारतीय सेना की तरफ से बताया गया था। सेना ने सार्वजनिक जानकारी दी थी कि उसने पाकिस्तान प्रायोजित पहलगाम आतंकी हमले के बाद जवाबी कार्रवाई करते हुए 6-7 मई को पाकिस्तान के बहावलपुर, मुरीदके, मुजफ्फराबाद, कोटली, रावलकोट, चकस्वारी, भीमबेड़ और चकवाल स्थित आतंकी संगठन लश्करे-तैयबा के आतंकी प्रशिक्षण केंद्रों पर हमला किया। अगले दिन जब पाकिस्तान ने भारतीय शहरों व सैन्य ठिकानों को निशाना बनाने की कोशिश की तो भारत ने नूर खान, मुरीद, सरगोधा, भोलारी, स्कारू, जकोबाबाद समेत कुछ अन्य शशहरो में स्थिति पाकिस्तानी वायु सेना व सैन्य अड्डों को निशाना बनाया।

वस्तुतः दी गई यह जानकारी यहीं समाप्त नहीं होती, अब इसके आगे जो जानकारी पाकिस्तान की ओर से दी गई, वह इससे भी अधिक महत्व की है। आज पाकिस्तान डोजियर जो विदेशी सरकारों, मीडिया एवं थिंक टैंक के समक्ष प्रस्तुत किया जा रहा है, वह कुछ और ही कहानी कह रहा है; उसके अनुसार भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान के पेशावर (खैबर पख्तूनख्वा), हैदराबाद व छोर (सिंध), गुजरात, बहावलनगर, अटोक, और झांग (पंजाब) पर भी हमला किया गया था। जबकि इन शहरों का भारत ने कभी नाम नहीं लिया कि इन्हें भी उसकी तरफ से निशाना बनाया गया। यहां विशेष ध्यान देने वाली बात यह है कि पाकिस्तान ने जितने नये शहरों के नाम बताये हैं, उन सभी में पाकिस्तान सेना के बड़े अड्डे हैं, उसका अधिकांश गोला-बारूद, लड़ाकू विमान, मिसाइल इन जगहों पर रखी जाती रही हैं।

ऐसे में ऑपरेशन सिंदूर के बाद के परिणाम में इसका एक अर्थ यह निकलता है कि जितना भारत ने कहा, उससे कहीं अधिक चोट भारत की तरफ से पाकिस्तान को दी गई है। फिर भी भारत के भीतर कांग्रेस समेत कुछ दलों के प्रमुख नेता हैं जो कोशिश यही करते दिख रहे हैं कि कैसे वह ऑपरेशन सिंदूर को असफल सिद्ध कर पाएं। कांग्रेस उन विदेशी समाचारों के हवाले से मोदी सरकार के पीछे पड़ी है, जिसमें यह बताया गया था कि इस ऑपरेशन में भारत को कई फाइटर जेट्स का नुकसान उठाना पड़ा है। जिसमें कि संख्या छह तक बताई गई है, पर क्या वास्तव में ऐसा हुआ? भारत के चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने फाइटर जेट्स के नुकसान की बात में पाकिस्तान के इस दावे को बिल्कुल गलत बताया है।

वैसे, कांग्रेस को इतना तो पता ही होगा कि नेता प्रतिपक्ष चाहें तो स्वयं इस बारे में प्रधानमंत्री अथवा देश के गृहमंत्री से मिलकर सभी तथ्य जान सकते हैं, यह उनका संविधानिक अधिकार है, पर वह ऐसा नहीं करके सड़क पर आम जनता के बीच, मीडिया में शोर कर रहे हैं कि देखो; कैसे मोदी सरकार में ऑपरेशन सिंदूर फैल हो गया? इस बारे में वक्तव्य एवं टिप्पणियां इतनी अनुचित हैं कि आज कई कांग्रेस समर्थक भी इन्हें देखने एवं पढ़ने पर कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व पर अपनी नाराजगी व्यक्त कर रहे हैं। कहना होगा कि जिसे पूरी दुनिया सफल ऑपरेशन मान रही है, कांग्रेस उसे हर हाल में असफल सिद्ध करने पर तुली हुई है।

इस संदर्भ में दुनिया भर के युद्ध स्थितियों एवं नुकसान के उदाहरण कांग्रेस एवं अपने देश की सरकार की आलोचना करनेवाले अन्य विपक्षी दलों को एक बार अवश्य देखना चाहिए और उनके अध्ययन से यह समझना चाहिए कि युद्ध छोटा हो या बड़ा नुकसान दोनों पक्षों को ही होता है।

भारत ने शुरू से कभी यह दावा नहीं किया है कि उसे कोई नुकसान नहीं हुआ, किंतु अंतरराष्ट्रीय निगरानी संस्थाओं को जो साक्ष्य मिले, उसमें यही पाया गया कि इस ऑपरेशन में भारत की एक तरफा जीत हुई है। नुकसान के स्तर पर उनके हाथ अब तक कुछ नहीं लगा। जिन भारतीय फाइटर जेट्स के नुकसान की बात कही भी गई, उसका मलवा तक कहीं नहीं मिला, जबकि दूसरी ओर पाकिस्तान द्वारा भारत पर छोड़ी गई मिसाइल और अन्य अस्त्रों का मलवा कई सीमावर्ती क्षेत्रों में पड़ा हुआ था।

वास्तव में भारतीय वायुसेना ने 6-7 मई की रात्रि से लेकर 10 मई तक अपनी जो कार्रवाई की, उसमें पाकिस्तान को भारी नुकसान उठाना पड़ा है। पाकिस्तान ने दो एयरबोर्न वार्निंग एंड कंट्रोल सिस्टम (एडब्ल्यूएसीएस) को हमेशा के लिए खो दिया। यह एक ऐसा विमान होता है जोकि लंबी दूरी से हवाई क्षेत्र की निगरानी करता है।

दुश्मन के विमानों, मिसाइलों और ड्रोन को ट्रैक करता है। एक शक्तिशाली रडार सिस्टम से लैस होता है और 360 डिग्री कवरेज प्रदान हुए सैकड़ों किलोमीटर दूर तक की गतिविधियों का पता लगा सकता है। इसके साथ ही छह लड़ाकू विमान, 1 सी-130 विमान, 30 से अधिक मिसाइलें, कई मानव रहित हवाई वाहन (यूएवी) और मानव रहित लड़ाकू ड्रोन (यूसीएवी) को भारतीय एयरफोर्स ने नष्ट कर दिया था। भारत ने अपनी सुदर्शन मिसाइल के द्वारा 300 किलोमीटर दूर से लंबी दूरी के लिए सटीक निशाना साधा था। पाकिस्तान के भोलारी एयरबेस पर किए गए स्ट्राइक में एक स्वीडिश एयरक्राफ्ट (एयरबोर्न अर्ली वार्निंग एंड कंट्रोल सिस्टम) भी नष्ट कर दिया गया।

राफेल और एसयू-30 की स्ट्राइक में 'विंग लूंग' श्रृंखला के कई मध्यम ऊंचाई वाले लंबे समय तक चलने वाले चीनी ड्रोन को नष्ट किया था।

कुल मिलाकर भारत से हर मोर्चे पर मार खाने के बाद सीजफायर के लिए पाकिस्तान निवेदन करने लग गया था, जिसके बाद भारत ने सीजफायर के लिए अपनी स्वीकृति दी, लेकिन साथ में यह शर्त भी जोड़ दी कि यह ऑपरेशन सिंदूर आगे तभी तक रुका हुआ है, जब तक पाकिस्तान एक अच्छे पड़ोसी की भूमिका में है। यदि फिर आतंकी हरकत उसकी तरफ से हुई तो जवाब इस बार से अधिक सख्त दिया जाएगा। पर कांग्रेस है कि लगता है कुछ समझना ही नहीं चाहती। आज जिस तरह से वह प्रश्न उठा रही है, एक बड़ी सफलता के बाद भी केंद्र की मोदी सरकार को घेर रही है, उससे यही लग रहा है कि वह जाने-अनजाने पाकिस्तान को ही बल प्रदान कर रही है। फिलहाल सेना के गिरे हुए फाइटर जेट्स जानने में उसकी रुचि इस ओर ही इशारा करती है।

(लेखक, हिन्दुस्थान समाचार से संबद्ध हैं।)

जानिए योगी की लोकप्रियता का रहस्य

प्रो.पूनम कुमारी सिंह

देश के किसी भी कोने में चुनाव हो, वहां प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बाद जिस राजनेता की सबसे ज्यादा डिमांड होती है, वह हैं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ। क्या है योगी के व्यक्तित्व में जो उन्हें जनता के बीच इतना लोकप्रिय बनता है? आइए 05 जून को उनके जन्मदिन के अवसर पर उनकी लोकप्रियता को डिकोड करने की कोशिश करते हैं। सबसे पहले तो आकर्षण का केंद्र है- उनकी वेशभूषा और योगी जीवन। आमतौर पर योगी नाम लेते ही लोगों के मन में समाज से विरत एकांतवासी व्यक्ति की छवि सामने आती है, लेकिन योगी आदित्यनाथ उत्तर प्रदेश के चहुंमुखी विकास के लिए रात दिन काम करने वाले व्यक्ति हैं, विरागी हैं लेकिन उत्तर प्रदेश और देश की जनता उनके प्राणों में बसती है। अपरिग्रही हैं लेकिन उत्तर प्रदेश को एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लिए अहर्निश प्रयासरत हैं- इन सब ने मिलकर योगी की छवि को लोगों में अत्यंत लोकप्रिय बना दिया है। वैसे देखा जाए तो लोकप्रियता का सबसे बड़ा कारण देश के राज्यों में उत्तर प्रदेश का हर मापदंड पर त्वरित गति से विकास है, इसीलिए आज उत्तर प्रदेश मॉडल की बात की जा रही है। यह अचानक या अनायास नहीं हो गया है। योगी ने उत्तर प्रदेश को आशीष बोष द्वारा अस्सी के दशक में दिए गए बीमारू राज्य की श्रेणी जो कमोबेश 2017 मार्च तक विद्यमान रही, से बाहर निकाल भारत के अग्रणी राज्यों की श्रेणी में ला दिया है। अभी हाल ही में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उत्तर प्रदेश के विकास मॉडल की प्रशंसा करते हुए कहा, यदि भारत दुनिया में चमक बिखेर रहा है, तो उसमें उत्तर प्रदेश की अग्रणी भूमिका है। आज उत्तर प्रदेश सुशासन, शांति, कानून व्यवस्था और स्थिरता के लिए जाना जाता है। ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के लिए यूपी ने इंफ्रास्ट्रक्चर के साथ-साथ अपनी 'सोच और एप्रोच' में भी बदलाव किया है। सच पूछा जाए तो योगी ने भी उत्तर प्रदेश को देश का अग्रणी राज्य बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ा है। विकास के हर पैमाने पर- चाहे वह सकल राज्य घरेलू उत्पाद हो या निवेश, आधारभूत संरचना हो या कानून और व्यवस्था, गरीब कल्याण हो या चिकत्सीय सुविधाएं, महिला सशक्तिकरण हो या कृषि और किसानों की स्थित में सुधार-अप्रत्याशित प्रगति दिखाई दे रही है। यदि रोजगार से शुरूआत करें तो आज उत्तर प्रदेश में सर्वाधिक 96 लाख एमएसएमई संचालित हो रहे हैं। युवाओं को रोजगार प्रदान करने में इनकी बड़ी भूमिका है क2016-17 में उत्तर प्रदेश में बेरोजगारी की दर 19 प्रतिशत थी जो अब घट कर 3 प्रतिशत रह गई है। पहले उत्तर प्रदेश से युवाओं का पलायन चरम पर था। आज जीवनयापन हेतु उन्हें प्रदेश में ही योग्तानुरूप रोजगार मिल रहा है। पिछले आठ वर्षों में 6 करोड़ से अधिक लोग गरीबी रेखा से बाहर आए हैं। अगले एक वर्ष में उत्तर प्रदेश को जीरो पॉवरटी स्टेट बनाने के लिए योजनानुसार हर कदम उठाए जा रहे हैं। वैसे तो अभी भी अपने देश में व्यापार अथवा निवेश के नियम बहुत दुरूह हैं। 2014 के बाद से मोदी के नेतृत्व में इसे काफी लचीला बनाया गया है। ईज ऑफ डूइंग बिजनेस में 2016-17 में उत्तर प्रदेश जहां 12वें स्थान पर था, आज वह दूसरे स्थान पर है कसकल राज्य घरेलू उत्पाद की दृष्टि से महाराष्ट्र के बाद उत्तर प्रदेश दूसरे स्थान पर है। एशिया का सबसे बड़ा एअरपोर्ट जेवर में बन रहा है क2017 में जहां उत्तर प्रदेश में मात्र चार एअरपोर्ट थे, उनकी संख्या आज बढ़ कर 16 हो गई है। उत्तर प्रदेश का कोई भी जिला ऐसा नहीं जो एक्सप्रेस-वे से जुड़ा न हो। देश की पहली रैपिड रेल दिल्ली से मेरठ के बीच है कअच्छी सड़कों और बेहतरीन इन्फ्रॉस्ट्रक्चर के लिए उत्तर प्रदेश देश में एक मिसाल बन गया है। आज दुनिया की हर शीर्ष कम्पनी उत्तर प्रदेश में निवेश करना चाहती है। योगी सरकार ने प्रदेश में छुपे पर्यटन की तमाम सम्भावनाओं को साकार कर उत्तर प्रदेश को धार्मिक पर्यटन का एपी सेंटर बना दिया है। काशी कारीडोर, बौद्ध सर्किट, वाराणसी, चित्रकूट, लखनऊ, विन्ध्याचल, प्रयागराज, नैमिषारण्य, गोरखपुर, मथुरा, बटेश्वर धाम, गढ़मुक्तेश्वर, शुकतीर्थ धाम, मां शाकुम्भरी देवी, सारनाथ एवं अन्य महत्वपूर्ण धार्मिक सांस्कृतिक पर्यटन स्थलों का विकास एवं सौन्दर्यकरण न केवल एक नए उत्तर प्रदेश से हमारा परिचय कराता है बल्कि यह राज्य राजस्व का प्रमुख स्त्रोत भी बन गया है। महाकुंभ के सफल आयोजन और विश्व के कोने-कोने से लगभग 67 करोड़ श्रद्धालुओं के सक्रिय भागीदारी ने आर्थिक विशेषज्ञों को धार्मिक पर्यटन और आर्थिकी के अन्तर्सम्बन्धों पर पुनर्विचार के लिए विवश कर दिया है। उत्तर प्रदेश को देश का नंबर एक राज्य बनाने की दिशा में योगी की विकास की तमाम नीतियां उनके व्यक्तित्व का एक और ध्यानाकर्षक पहलू हैं, जिस पर बात किए बिना योगी की लोकप्रियता की चर्चा अधूरी होगी। 2017 में उत्तर प्रदेश का मुख्यमंत्री बनने से पहले योगी आदित्यनाथ 1998 से लेकर 2017 तक पांच बार गोरखपुर से सांसद चुने गए। ध्यान देने की बात है कि प्रत्येक बार उनके जीत का अंतर बढ़ता ही गया। सांसद रहते हुए उन्होंने गोरखनाथ पीठ की परम्परा के अनुसार पूर्वी उत्तर प्रदेश में व्यापक जनजागरण का अभियान चलाया। सहभोज के माध्यम से छुआछूत और अस्पृश्यता की भेदभावकारी रूढ़ियों पर जमकर प्रहार किया। जबरन धर्मांतरण कराए गए हजारों मतान्तरित हिन्दुओं की उन्होंने ससम्मान घर वापसी कराई तथा गोसेवा के लिए आम जनमानस को जागरूक करके गोवंशों का संरक्षण एवं सम्वर्धन करवाया। पूर्वी उत्तर प्रदेश में सक्रिय समाज विरोधी एवं राष्ट्रविरोधी गतिविधियों के खिलाफ वे सड़क से संसद तक जूझते रहे। इसके लिए उन्हें जेल भी जाना पड़ा पर वह पीछे नहीं हटे।

दैनिक पंचांग

5 जून 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

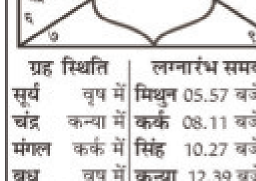

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	वृष में	मिथुन	05.57 बजे से
चंद्र	कन्या में	कर्क	08.11 बजे से
मंगल	कर्क में	सिंह	10.27 बजे से
बुध	वृष में	कन्या	12.39 बजे से
गुरु	मिथुन में	तुला	14.50 बजे से
शुक्र	मेष में	वृश्चिक	17.04 ब.से
शनि	मीन में	धनु	19.20 बजे से
राहु	कुंभ में	मकर	21.26 बजे से
केतु	सिंह में	कुंभ	23.12 बजे से
राहुकाल 1.30 से 3.00 बजे तक		मीन	00.45 बजे से
		मेष	02.15 बजे से
		वृष	03.55 बजे से

गुरुवार 2025 वर्ष का 156 वा दिन **दिशाशूल** दक्षिण **ऋतु** वर्षा। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** ज्येष्ठ **पक्ष** शुक्ल **तिथि** दशमी 02.17 बजे रात्र को समाप्त। **नक्षत्र** हस्त अहोरात्र। **योग** सिद्धि(असृक) 09.14 बजे को समाप्त। **करण** तैतिल 13.04 बजे तदनन्तर गर 02.17 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 08.9 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 22° 33' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872366 **जूलियन दिन** 2460831.5 **कलियुग संवत्** 5125 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2551 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** जिल्हेज **तारीख** 08 **विशेष** गंगा दशहरा, विश्व पर्यावरण दिवस।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
शुभ	05.54 से	07.22 बजे तक	अमृत	05.40 से	07.11 बजे तक
रोग	07.22 से	08.51 बजे तक	चर	07.11 से	08.43 बजे तक
उद्वेग	08.51 से	10.19 बजे तक	रोग	08.43 से	10.15 बजे तक
चर	10.19 से	11.47 बजे तक	काल	10.15 से	11.47 बजे तक
लाभ	11.47 से	01.15 बजे तक	लाभ	11.47 से	01.19 बजे तक
अमृत	01.15 से	02.43 बजे तक	उद्वेग	01.19 से	02.51 बजे तक
काल	02.43 से	04.11 बजे तक	शुभ	02.51 से	04.23 बजे तक
शुभ	04.11 से	05.40 बजे तक	अमृत	04.23 से	05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

एक नजर

कांति क्लीनिक में एसडीएम ने की छापेमारी

कोडरमा : चंदवारा थाना के निकट संचालित कांति क्लीनिक में एसडीएम रिया सिंह ने बुधवार 1 बजे छापेमारी की गई। डॉक्टर बनकर क्लीनिक चला रही एएनएम कांति कुमारी और उसके दो स्टाफ को हिरासत में लिया गया। बतातें चले कि यह क्लिनिक कई वर्षों से संचालित थी। और कई बार हंगामे के बाद मामले को संचालक द्वारा ले देकर रफा दफा कर दिया जाता था। जिला प्रशासन को लगातार मिल रही शिकायतों के बाद एसडीएम रिया कुमारी के नेतृत्व में छापेमारी की गई। जिसमें अस्पताल की संचालिका एएनएम कांति कुमारी और उनके दो स्टाफ को विरासत में लिया गया है।

कोडरमा शहर की जर्जर विद्युत व्यवस्था पर भाजपा जिलाध्यक्ष ने उठाई आवाज

झुमरी तिलैया : भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष अनुप जोशी ने कोडरमा उपायुक्त को पत्र लिखकर कोडरमा जिले के झुमरी तिलैया शहर की बदहाल ट्रांसफार्मर व्यवस्था और सड़क किनारे लगे बिजली व टेलीफोन खंभों को हटाने की मांग की है। अनुप जोशी ने अपने पत्र में बताया कि शहर के रॉची पटना रोड, स्टेशन रोड, अड्डी बंगला रोड जैसे प्रमुख स्थानों पर लगे पुराने खंभे और ट्रांसफार्मर यातायात में बाधा डाल रहे हैं। स्टेशन रोड में सुन्डा बाबु के दुकान के पास ट्रांसफार्मर लगा है। जिसे किसी अन्य स्थान पर स्थानांतरित किया जाना चाहिए। नेशनल होटल के सामने, अशोका होटल के सामने और बड़ा डाकघर के सामने का ट्रांसफार्मर पीछे करने से सुभाष चौक से महाराणा प्रताप कि ओर जाने वाली सड़क चौड़ी हो सके और लोगों को सुगम यातायात मिल सके। इसी तरह अड्डी बंगला रोड पर बिजली विभाग के खंभे हैं, जो आए दिन दुर्घटनाओं का कारण बनते हैं। इन खंभों को हटाकर सड़क को चौड़ा करने की मांग भी जोशी ने की है। साथ ही टेलीफोन विभाग के पुराने खंभे जो अब उपयोग में नहीं हैं, उन्हें भी हटाने की आवश्यकता जताई गई है। जोशी ने उपायुक्त से अनुरोध किया है कि संबंधित विभागों को निर्देशित कर अविलंब कार्यवाही की जाए ताकि शहर की सुंदरता बढ़े और नागरिकों को यातायात संबंधी समस्याओं से राहत मिल सके। ज्ञापन देने में नरेंद्र पाल चंद्रशेखर जोशी उपस्थित थे।

नगर पंचायत कोडरमा में नालों की गई सफाई

कोडरमा : शहरी क्षेत्रों में स्वच्छता को प्राथमिकता देते हुए जिला प्रशासन पूरी तरह से कटिबद्ध है। उपायुक्त कोडरमा के निर्देशानुसार नगर पंचायत कोडरमा अंतर्गत विभिन्न इलाकों में नालों की नियमित सफाई की जा रही है। इस अभियान के तहत नगर पंचायत के प्रशासक ने स्वयं सफाई कार्य का स्थलीय निरीक्षण किया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बरसात के मौसम को ध्यान में रखते हुए नालों की सफाई अत्यंत आवश्यक है, जिससे जलजमाव की समस्या से बचा जा सके और नागरिकों को स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण मिल सके। नगर पंचायत की ओर से आम नागरिकों से भी अपील की गई है कि वे अपने आस-पास सफाई बनाए रखें तथा कचरा नालों में न डालें।

धार्मिक स्थलों की सुरक्षा को लेकर आदिवासी संगठनों ने रांची पटना मार्ग को किया घंटो जाम

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कुजू : झारखंड के विभिन्न आदिवासी संगठनों ने आदिवासी संघर्ष मोर्चा के बैनर तले बुधवार को कुजू नया मोड़ 4 लेन चौराहा में संपूर्ण बंद कर किया। बंद के कारण चारों ओर कई किलोमीटर दूर तक गाड़ियों की लंबी कतार लग गई। जिससे आम लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा । आदिवासी नेताओं ने कहा कि यह बंद आदिवासी धार्मिक स्थलों की सुरक्षा, जमीन विवाद और विकास योजनाओं से जुड़ी आपत्तियों के खिलाफ किया जा रहा है। आदिवासी सगठनों ने सिरम टोली फ्लाईओवर रैंप विवाद का समाधान, मरांग बुरू, लुगु बुरु और पारसनाथ जैसे धार्मिक स्थलों की सुरक्षा, मुडहर हिल्स (पिठोरिया) और अन्य पारंपरिक स्थलों की रक्षा तमाड़ और बेड़ो क्षेत्र के महदानी सरना स्थलों को बचाने की मांग की है। विभिन्न आदिवासी संगठनों द्वारा सुबह 6 बजे से ही सड़कों पर उतरकर विरोध प्रकट करते हुए नया मोड़ फोर लेन सड़क को पूरी तरह बंद कर दिया। बंद के समर्थन में विभिन्न आदिवासी संगठनों के सैकड़ो कार्यकर्ता सड़कों पर उतरे थे। कुजू पुलिस ने आदिवासी संगठनों के नेताओं को समझा बूझकर कुछ घंटे बाद जाम हटाने में सफलता पाई। वहीं कुछ नेताओं को पुलिस द्वारा नया मोड़ से हिरासत में लेकर ओपी लाकर कागजी प्रक्रिया के बाद छोड़ दिया। गिरफ्तारी देने वालों में आदिवासी जन परिषद केंद्रीय महासचिव प्रकाश मुंडा, रामगढ़ जिला अध्यक्ष पवन कुमार करमाली, केंद्रीय उपाध्यक्ष शत्रुघ्न बेदिया, जिला संगठन सचिव अमरदीप मुंडा, बिएपी प्रखंड अध्यक्ष विक्रम कुमार, श्याम करमाली, ज्ञानी मुंडा, ओम प्रकाश करमाली, अनिल अगरिया, चंद्रदीप कुमार, महेंद्र करमाली, रणधीर कुमार शर्मा, शिवा मुंडा शामिल थे।

बैंकों की जिला स्तरीय परामर्शदात्री समिति की हुई बैठक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : समाहरणालय सभागार, कोडरमा में उपायुक्त ऋतुराज की अध्यक्षता में बैंकों की जिला स्तरीय परामर्शदात्री समिति की बैठक संपन्न हुई। इस बैठक में मार्च 2025 की तिमाही (वित्तीय वर्ष 2024-25 की अंतिम तिमाही) की समीक्षा की गई। अग्रणी जिला प्रबंधक विमल कांत झा ने तिमाही के दौरान बैंकों द्वारा प्राप्त वित्तीय उपलब्धियों का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया। रिपोर्ट के अनुसार, बैंकों द्वारा वार्षिक ऋण-जमा अनुपात 43.94% प्राप्त किया गया, जो कि पिछले वर्ष की तुलना में 2.29% की वृद्धि दशार्ता है। बैठक में प्रधानमंत्री जनधन योजना, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना और सुरक्षा बीमा योजना जैसे केंद्र सरकार की योजनाओं में कोडरमा जिले की बेहतर स्थिति की सराहना की गई। वहीं, जिला ऋण योजना 2024-25 के तहत प्राथमिक क्षेत्र में 1199.92 करोड़ के वार्षिक लक्ष्य की तुलना में 886.56 करोड़ की उपलब्धि (73.88%) दर्ज की गई। उपायुक्त ऋतुराज ने बैठक में पीएमएफएमई (प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन योजना) में जिले की प्रगति को बेहद निराशाजनक बताया। उन्होंने अग्रणी जिला प्रबंधक को निर्देशित किया कि इस योजना की प्रगति में तत्काल सुधार लाएं एवं सभी बैंकों से लगातार रिपोर्टिंग सुनिश्चित करें। साथ ही, लंबित आवेदनों का शीघ्र निष्पादन करने पर बल दिया। इस अवसर पर डीडीएम नाबार्ड मोजम्मिल हुसैन द्वारा वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए संभाव्य ऋण योजना की जानकारी दी गई।

62 बर्ष बीतने के बाद भी नहीं मिल रहा वृद्धा पेंशन

कोडरमा : सतगावां प्रखंड के मरचोई पंचायत के पूणाडींह निवासी पाड़ो राजवंशी पिता स्वर्गीय शुक्रर राजवंशी को 62 साल बीत जाने के बाद भी नहीं मिल रहा वृद्धा पेंशन। बताया जाता है की पाड़ो राजवंशी के आगे पीछे देखने वाला उनके घर परिवार में कोई नहीं है। घर-परिवार के देखभाल करने वाले पत्नी और बेटा का मृत्यु कुछ वर्ष पहले ही हो चुका है। जिसके बाद दर दर की ठोकरें खाने को मजबूर हैं बुजुर्ग,पत्नी और बेटे के मृत्यु के बाद इनके आगे पीछे देखने वाला कोई नहीं है। जिससे इनका गुजर बसर कैसे हो सके। पाड़ो राजवंशी को सरकार के द्वारा चलाए जा रहे जनहित योजनाएं का लाभ अभी तक नहीं मिल रहा है। जिससे इनका गुजर बसर हो सके। एक तरफ झारखंड सरकार बड़े बड़े दावे करती है की कोई भी बुजुर्ग को पेंशन से वंचित नहीं रखना है लेकिन अभी भी कुछ पंचायत ऐसे हैं जहां ऐसे व्यक्ति को पेंशन का लाभ नहीं मिल पा रहा है। सरकार के द्वारा ऐसे लोगों को लाभ देने के लिए एक से बढ़कर एक कार्यक्रम चलाई जा रही है।

कोडरमा के नवनियुक्त उपायुक्त से प्रमुख, उपप्रमुख एवं जिला परिषद प्रतिनिधि की मुलाकात

कोडरमा : सतगावां प्रखंड के प्रमुख ललिता देवी उपप्रमुख मनोज कुमार निराला एवं जिला परिषद प्रतिनिधि धनंजय यादव ने मंगलवार को कोडरमा के नव नियुक्त उपायुक्त ऋतुराज से औपचारिक मुलाकात की।मौके पर सभी लोगों ने उपविकास आयुक्त से नवनियुक्त उपायुक्त बनने पर पुष्प गुच्छ का गुलदस्ता देकर बधाई दी। इस दौरान प्रमुख ललिता देवी,उपप्रमुख मनोज कुमार निराला एवं जिला परिषद प्रतिनिधि धनंजय यादव ने बताया कि सतगावां प्रखंड के विकास को लेकर उपायुक्त के समक्ष बातचित किया गया जैसे बिजली, पानी, सड़क, शिक्षा एवं मनरेगा जैसे विकास कार्य को लेकर मुद्दे को रखा गया। इस दौरान बासोडीह बाजार में अत्यधिक जाम,हाट पर डेली मार्केट एवं वैद्य डीह में बस स्टैंड जैसे मुद्दों से संबंधित मुद्दों पर नवनियुक्त उपायुक्त का ध्यान आकर्षित करवाया गया कि इन मुद्दों से कैसे निपटारा किया जाए।

रक्तदान संस्थान सेवा संघ ने किया नये उपायुक्त का किया स्वागत

कोडरमा : रक्तवीर सेवा संघ के संस्थापक राम वर्णवाल के निर्देशन में पूरी टीम के सदस्य ने नये उपायुक्त ऋतु राज को गुलदस्ता देकर स्वागत किया। मौके पर उपस्थित संघ के सदस्य गंगाधर राणा, मनीष मोदी, पंकज यादव, मुकेश गोस्वामी, अंकित गुप्ता, शिवम सिंह और विनीत मोदी आदि उपस्थित थे। इस अवसर पर नये उपायुक्त ऋतु राज ने कहा कि सरकार की जो भी लोक कल्याणकारी योजनाएं हैं उसे लाभार्थियों को लाभान्वित किया जाएगा।

बकरीद पर्व मनाने को लेकर रामगढ़ थाना में शांति समिति की हुई बैठक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : थाना परिसर में आगामी बकरीद पर्व शांति एवं सौहार्दपूर्ण मनाने को लेकर बैठक किया गया। जिसमें रामगढ़ थाना क्षेत्र के गणमान्य लोग सहित प्रशासनिक पदाधिकारी पुलिस पदाधिकारी ने बैठक किया। जिसमें आगामी बकरीद पर्व शांति एवं सौहार्दपूर्ण मनाने को लेकर सभी ने अपना अपना सुझाव दिए। बैठक में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, अंचलाधिकारी, थाना प्रभारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी, विद्युत विभाग रामगढ़, अग्निशमन पदाधिकारी, छावनी परिषद कार्यालय से अधिकारी उपस्थित हुए। बैठक में बकरीद पर्व के दौरान विधि-व्यवस्था बनाए रखने, भीड़भाड़ वाले इलाकों में अतिरिक्त निगरानी रखने की बात कही गई। मौके पर डॉक्टर पीके सिंह ने सभी समुदायों से आपसी भाईचारा बनाए रखने की अपील करते हुए कहा कि प्रशासन की ओर से हर संभव व्यवस्था की जाएगी ताकि पर्व शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न हो सके। उन्होंने कहा कि सभी पर्व त्योहार आपसी भाईचारगी और प्रेम का संदेश देता है। हमसबों को सभी त्योहार आपसी भाईचारे के साथ सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाना चाहिए। मौके पर सांसद प्रतिनिधि धनंजय कुमार, छोटू पटेल, साजिद अंसारी, कमल बगड़िया, रफीक खान, महबूब सिद्दीकी, बद्री विश्वकर्मा, बलजीत सिंह बेदी, अजमल हुसैन, मुमताज मंसूरी, जग्गू करमाली, मोहम्मद आसिफ, ग्यास खान, मोहम्मद रशीद, मुस्तफा अंसारी, पिंटू अंसारी, राजेश ठाकुर, सौरभ गुप्ता, अरविंद कुमार जायसवाल, श्याम सुंदर शर्मा, कुंदन राम आदि उपस्थित थे।

ओल्ड वर्कशॉप में विदाई सह सम्मान समारोह का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

भुरकुंडा : सीसीएल के ओल्ड वर्कशॉप में बुधवार को विदाई सह सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में ईएंडएम विभाग के लाइन मजदूर परदेशी केवट को सेवानिवृत्त होने पर भावभीनी विदाई दी गयी। कार्यक्रम की अध्यक्षता अभिनव कुमार और संचालन अफजल ने किया। समारोह में मुख्य अतिथि ईएंडएम के प्रोजेक्ट इंजीनियर अभिनव कुमार ने सेवानिवृत्त कर्मी परदेशी केवट को फूल माला पहनाकर स्वागत किया। इसके बाद सहकर्मियों ने पुष्पगुच्छ और अंगवस्त्र सहित कई उपहार देकर भावभीनी विदाई दी। मौके पर मुख्य अतिथि अभिनव कुमार ने कहा कि सेवानिवृति नौकरी का हिस्सा होता है, हर कर्मी को एक न एक दिन इस रास्ते से गुजरना ही पड़ता है। उन्होंने परदेशी केवट के सुखद जीवन और स्वस्थ शरीर की कामना करते हुए विदाई दी। मौके पर माईन अ मैनेजर कमर फहीम, मैनेजर अविनाश चंद्रा, आरके सिंह, मैनेजर अभिषेक, मैनेजर रमेश कुमार, आकिब, अफजल हुसैन, योगेंद्र ठाकुर, प्रेम माहेश्वरी, विवेक शमशुल, जाफर, निसार, मुरला बेदिया, नंददेव नोनिया, शरीफ सहित दर्जनों कर्मी मौजूद थें।

स्वरोजगार को बढ़ावा देने के लिए जन शिक्षण संस्थान ने सफल प्रशिक्षुओं के साथ की बैठक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

भुरकुंडा : जन शिक्षण संस्थान (जेएसएस) रामगढ़ द्वारा वित्तीय वर्ष 2024-25 के अंतर्गत पतरातू प्रखंड अंतर्गत भुरकुंडा क्षेत्र में सफलतापूर्वक प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके लाभार्थियों के साथ बुधवार को जवाहर नगर पंचायत भवन में बैठक का आयोजन किया गया। कहा गया कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य स्वरोजगार को बढ़ावा देना और प्रतिभागियों को विभिन्न सरकारी योजनाओं के प्रति जागरूक करना है। बैठक में विशेष रूप से प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीची), मुख्यमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (सीएमईजीपी), प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्योग उन्नयन योजना (पीएमएफएमई) और मुद्रा ऋण योजना की जानकारी दी गई। इस दौरान स्वरोजगार एवं उद्यमिता के क्षेत्र के विशेषज्ञ ने योजनाओं के तहत मिलने वाली सहायता और आवेदन की प्रक्रिया पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए उपस्थित लाभार्थियों को आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में जन शिक्षण संस्थान रामगढ़ के निदेशक आकाश शाह, लेखाकार विभूति, फील्ड समन्वयक देवेश कुमार सहित ब्यूटीशियन ट्रेनर खुशबु ठाकुर और कंप्यूटर ट्रेनर प्रीति मिश्रा मौजूद रहीं। मौके पर निदेशक आकाश शाह ने कहा कि जन शिक्षण संस्थान रामगढ़ केवल प्रशिक्षण ही नहीं देता, बल्कि लोगों को आत्मनिर्भर बनाकर उनके जीवन में स्थायी परिवर्तन लाने की दिशा में कार्य करता है। बैठक में यह भी घोषणा की गई कि जेएसएस रामगढ़ शीघ्र ही सफल लाभार्थियों के लिए उद्योग आधार (उद्यम) पंजीकरण की प्रक्रिया शुरू करेगा, जिससे उन्हें कानूनी पहचान मिलने के साथ-साथ सरकारी लाभ लेने में भी आसानी होगी। विशेषज्ञों ने बताया कि स्वरोजगार ही आज के समय की आवश्यकता है और सरकार की योजनाएं ऐसे युवाओं को मजबूत आर्थिक आधार देने में सहायक हैं। उन्होंने कहा कि समुदाय आधारित दृष्टिकोण अपनाकर अधिक से अधिक लोगों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाया जा सकता है। जन शिक्षण संस्थान रामगढ़ की यह पहल स्थानीय समुदाय में उद्यमशीलता की भावना को बढ़ावा देने और आर्थिक रूप से पिछड़े वर्गों को सशक्त बनाने की दिशा में एक सराहनीय कदम है।

संक्षिप्त खबरें

रामगढ़ उपायुक्त से राजद के प्रदेश उपाध्यक्ष संतोष यादव ने की मुलाकात

भुरकुंडा : राष्ट्रीय जनता दल (राजद) झारखंड प्रदेश उपाध्यक्ष संतोष यादव ने बुधवार को रामगढ़ जिले के नवनियुक्त उपायुक्त फैज़ हक अहमद मुमताज से मुलाकात की। इस अवसर पर संतोष यादव ने उन्हें अंग वस्त्र भेंट कर स्वागत किया। मुलाकात के दौरान पतरातू प्रखंड से संबंधित विभिन्न जनहित मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। राजद नेता ने क्षेत्र की समस्याओं को उपायुक्त के समक्ष रखा, जिस पर उपायुक्त मुमताज ने सकारात्मक पहल और शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया।

भुरकुंडा पंचायत भवन में वरिष्ठ नागरिक मंच की बैठक संपन्न

भुरकुंडा : भुरकुंडा पंचायत भवन में बुधवार को वरिष्ठ नागरिक मंच की बैठक हुई। इसकी अध्यक्षता अशोक कुमार चौहान एवं संचालन आरपी राणा ने किया। बैठक की शुरूआत राष्ट्रीय गान से की गई। बैठक में उपस्थित सदस्यों ने अपनी-अपनी समस्या को रखते हुए मंच से समाधान हेतु आग्रह किया। जिस पर मंच ने आश्वासन दिया कि सभी समस्याओं का समाधान किया जाएगा। इस बार भी अशोक चौहान ने अपना मोबाइल नंबर साझा करते हुए कहा कि कभी भी दिन हो या रात आप संपर्क कर सकते हैं। इस बैठक में मुख्य रूप से चैतन्या एकेडमी कोचिंग के निदेशक आशीष खत्री एवं संस्था के कॉर्डिनेटर एवं मोटीवेटर रामेश्वर प्रसाद अपने पूरे टीम के साथ उपस्थित थे। निर्देशक आशीष खत्री ने मंच से कहा कि अब कोययांचल के रामगढ़ में भी चैतन्या एकेडमी कोचिंग का शाखा खोल दिया गया है। जिसमें आईआईटी एवं जेईई, नीट आदि की तैयारी कराई जायेगी। आशीष खत्री ने मंच को आश्वासन दिया कि कोई भी गरीब विद्यार्थी पैसे के अभाव में आगे की तैयारी नहीं कर सकता है वैसे विद्यार्थि की अनुशंसा वरिष्ठ नागरिक मंच के अध्यक्ष के द्वारा की जाएगी तो वैसे विद्यार्थि को मुफ्त में शिक्षा दी जाएगी। मौके पर अशोक चौहान, आरपी राणा, केपी मुखर्जी, प्रवीर चटर्जी, सुबोधकांत सहाय, सुरेश महतो, बालकिशन राम, प्रो. रामानुज सिंह, विशेश्वर सिंह, देवदास चटर्जी, अमन चौहान, शिव शंकर सिंह, ओम प्रकाश सिंह, मोहित कुमार सिंह, मनीष सिंह, ऋषभ भारद्वाज, बबन मिश्रा, परशुराम सिंह, कृष्णा कुमार सिंह आदि मौजूद थें।

पंचायत सचिवालय में बीडीओ ने किया ज्ञान केंद्र का उदघाटन

चंदवारा : राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी योजन ज्ञान केंद्र का विधिवत उद्घाटन बुधवार को किया गया। इसका शुभारंभ प्रखण्ड विकास पदाधिकारी सुमित कुमार मिश्रा मुखिया संतोष कुशवाहा ने फीता काट कर किया। प्रखण्ड में फिलहाल चार पंचायतों में ज्ञान केंद्र चंदवारा पश्चिमी आरागारो उरवां बड़की धमराय में खोला जायेगा 6 माह के अंदर प्रखण्ड के सभी 15 पंचायतों में रस तरह का केंद्र खोला कर स्थानीय युवाओं में ज्ञान का सृजन किया जा सके। सभी केंद्रों में कम्प्यूटर नेट सुविधा के साथ उपलब्ध रहेगा। बीडीओ मिश्रा ने कहा कि आज के परिवेश में ज्ञान और कम्प्यूटर की शिक्षा की आवश्यकता है। सभी क्षेत्रों में कम्प्यूटर की जानकारियां आवश्यक है। उन्होंने कहा कि युवाओं के साथ अभिभावकों को भी किताबी कीड़ा बनना चाहिए। ज्ञान केंद्र में सभी तरह के ज्ञानवर्धन 340 विभिन्न प्रकार के प्रतियोगी पुस्तके के अलावे दो कम्प्यूटर सेट साथ ही ऑन लाइन क्लाश हेतु उपल्ब्ध रहेगा। साथ ही सुविधा लेंस केंद्र होगा। मुखिया संतोष कुशवाहा ने कहा कि युवकों का सोच बेहतर होगा तो सफलता अवश्य मिलेगी। मेहनत करने वाला ही सफल होगा। साथ ही समय का सदुपयोग करना चाहिए। मौके पर लैब प्रबंधक अरबिंद कुमार राम पंचायत सहायक मनोज कुमार राणा , सुजीत कुमार राणा शशी बाला भारती पैक्स अध्यक्ष विजेंद यादव मनोज राणा द्वारिका प्रसाद राणा कंचन देवी कनिय अभियंता पिंटू रजक विनोद राम इंद्रदेव ठाकुर नीलरतन यादव सुखदेव राणा विरेंद्र साव मुकेश कुमार राही अरविंद रजक आदि मौजूद थे।

गंगा दशहरा गायत्री जयंती पर सामूहिक अखंड जाप संध्या दीप यज्ञ कार्यक्रम संपन्न

डोमचांच : गायत्री मंदिर में (गंगा दशहरा,गायत्री जयंती के ही दिन गुरुदेव सूक्ष्म में प्रवेश कर गए थे। आध्यात्मिक चेतना को जगाने वाले भारत के प्रसिद्ध आध्यात्म शास्त्री दार्शनिक एवम अखिल विश्व गायत्री परिवार के संस्थापक आचार्य प0 श्रीराम शर्मा आचार्य के पुण्य तिथि पर जिले भर में विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इसी अवसर पर सुबह 6 बजे से 12 घंटे के लिए सामुहिक अखंड जप संध्या दीपयज्ञ का कार्यक्रम संपन्न किया जा रहा है। एक ही उद्देश्य है जिस तरह माँ गंगा धरती पर आकर सर्वसुलभ सभी को पाप रोग से मुक्त कर रही है उसी प्रकार गायत्री को हर घरों में स्थापित कर मनुष्य में देवत्व और धरती को स्वर्ग बनाने में भागीदार हों। आपसी भाइचारे में निरंतर वृद्धि होती रहे मिल बांटकर रहने खाने लगें। जाति लिंग भेद, धर्म, वर्ण भेद से ऊपर सबको विकास का अवसर मिलता रहे इसके लिए गायत्री परिवार सदैव तत्पर हैं। 12 घंटे के जप में बहन भाईयों का सहयोग मिलता रहा शांतिकुंज में प्रज्वलित अखंड दीप और माता भगवती देवी शर्मा के जन्मशताब्दी का 99 वर्ष पूरा होकर 100 वें वर्ष में प्रवेश कर रहा है इस पर विशेष चर्चा की गई। जिसमें क्षेत्र से भाई बहनों का विशेष सहयोग लखन लाल दीक्षित,सुनीता वर्णवाल, राजकुमार मेहता, ओम प्रकाश विश्वकर्मा ,शीला वर्णवाल ,सुनीता साव, सीताराम मेहता, मित्तू प्रसाद यादव, सविता यादव, गीता साहू, रेखा देवी, पूनम साव, सुमा देवी, पुष्पा मेहता, तारा देवी, शांति देवी, सरस्वती देवी, उर्मिला देवी, पार्वती देवी, उषा देवी, सीमा देवी, डेगनी देवी, पुष्पा वर्णवाल, बेबी वर्णवाल, सुनयना, गौरी देवी,मीना देवी आदि का रहा। कल सुबह 7 बजे पर्व पूजन हवन यज्ञ संस्कार होंगे। झुमरीतिलैया शक्ति पीठ में भी सभी कार्यक्रम सैकड़ों की उपस्थिति में संपन्न हो रहे हैं।

एक नजर

मॉडल कॉलेज में केक और मिठाई बांटकर पेड़ का जन्मदिन मनाया

साहिबगंज/राजमहल: प्रखंड में विश्व पर्यावरण दिवस के पूर्व मॉडल कॉलेज में बुधवार को प्राचार्य डॉ. रंजीत कुमार सिंह के निर्देश व डीसी हेमंत सती के आवाहन पर कॉलेज परिसर में पूर्व में लगाए गए पेड़ का जन्म दिवस पर केक काटकर और मिठाई बांटकर धूमधाम से छोटे बच्चों के बीच मनाया गया। जन्मदिन का मुख्य उद्देश्य पेड़ पौधे लगाए, पेड़ का रक्षा करना और आने वाले भविष्य में पर्यावरण को सुरक्षित रखना है। साथ ही गुरुवार 5 जून को सुबह विश्व पर्यावरण दिवस पर मॉडल कॉलेज में वृक्षारोपण किया जाएगा। मौके पर कॉलेज कर्मी सुमित साहा, मोहन सिंह, बबलू, करमू, प्रकाश, जयकर सिंह, उषा देवी, आदि दर्जनों छात्र उपस्थित थे।

आंगनबाड़ी केंद्र की सेविकाओं की हुई बैठक

साहिबगंज/बरहेट: प्रखंड कार्यालय परिसर स्थित सभागार में बुधवार के बरहेट प्रखंड क्षेत्र के आंगनबाड़ी केंद्र की सेविकाओं की बैठक आयोजित की गई। आयोजित बैठक में बाल विकास परियोजना कार्यालय बरहेट की महिला पर्यवेक्षका नूतन ठाकुर एवं सुमित्रा देवी ने उपस्थित सेविकाओं को बताई की सभी सेविकाओं को प्रतिदिन आंगनबाड़ी केंद्र की गतिविधि जिला कंट्रोल रूम में दे, आंगनबाड़ी केंद्र में बच्चों की उपस्थिति और शिशु वृद्धि,फोटो अपलोड करने की प्रक्रिया तथा केंद्र के संचालन से संबंधित जानकारी दी। सेविकाओं को यह भी बताया कि किसी भी सेविका के पास अगर ओटीपी या अन्य कोई विशेष जानकारी के लिए कॉल आए तो उसपर अपनी जानकारी शेयर न करे। बैठक में उपस्थित नर्सिंग कौशल कॉलेज भोगनाडीह के जिला समन्वयक लक्ष्मी कुमारी ने सेविकाओं को एएनएम में दाखिला के लिए 17 से 30 वर्ष उम्र की महिलाओं को रजिस्ट्रेशन करने की तिथि 12 जून तक और 15 जून को टेस्ट परीक्षा आयोजित होने की जानकारी देते हुए।

अंजुमन नगर में अडानी कंपनी की लापरवाही से मचा हड़कंप

साहिबगंज: सदर प्रखंड क्षेत्र के अंजुमन नगर मोहल्ले में अडानी कंपनी की ओर से बिछाए गए वाटर पाइप में लीकेज हो जाने से बुधवार को पूरे इलाके में अफरा तफरी मच गई। जहां स्थानीय लोगों ने बताया कि पाइप से अचानक भारी मात्रा में पानी रिसने लगा, जो पहाड़ से तेजी से नीचे गिरकर रिहायशी इलाकों में फैल गया। उधर देखते ही देखते मोहल्ले में बाढ़ जैसे हालात बन गए और कई घरों को गंभीर नुकसान पहुंचा है। उधर इस घटना के बाद मोहल्ले में गुस्सा फूट पड़ा। जहां लोगों का कहना है कि अडानी कंपनी की लापरवाही के कारण उन्हें भारी नुकसान उठाना पड़ा है। वही स्थानीय निवासी नसीम अंसारी ने बताया, ₹पाइप फटने से उनके घर में पानी घुस गया, दीवारें गिर गईं और सामान बर्बाद हो गया। अगर कंपनी मुआवजा नहीं देती है, तो हम आंदोलन करेंगे।₹ वही मोहल्ले के अन्य लोगों ने भी कंपनी के खिलाफ नारेबाजी की और प्रशासन से जल्द कार्रवाई की मांग की। जहां स्थानीय लोगों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द मुआवजे और पुनर्स्थापन की व्यवस्था नहीं की गई, तो वे उग्र प्रदर्शन करने को मजबूर होंगे।उधर अब तक अडानी कंपनी की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है।

मासिक अपराध गोष्ठी सह समीक्षा बैठक का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : जिले के नवनियुक्त पुलिस अधीक्षक निधि द्विवेदी की अध्यक्षता में बुधवार को मासिक अपराध गोष्ठी सह समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया, जिसमे माह मई में किये गए कार्यो की समीक्षा के उपरांत सभी थाना/ओपी प्रभारी/संबंधित शाखा प्रभारी को निम्नांकित आवश्यक दिशा- निर्देश दिया गया। प्रतिवेदित एवं निष्पादित कांडों की विवरणी का समीक्षोपरांत सभी लंबित कांडों को त्वरित निष्पादन करने का आदेश दिया गया। डकैती/लूट/छिनतई/चोरी/गृहभेदन /महिलाओं के साथ छेड़ छाड़ जैसे घटनाओं पर अकुंश लगाने हेतु सभी बैंक, ए.टी.एम., ज्वैलरी शॉप, पेट्रोल पंप, महिला कॉलेज/हॉस्टल

एवं अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर दफ ड्ढी लगाकर मुस्तैदी के साथ गश्ती करने का आदेश दिया गया। सभी पर्यवेक्षक पदाधिकारी को ससमय पर्यवेक्षण प्रतिवेदन समर्पित करने का निर्देश दिया गया। अवैध खनिजों का उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध नियमित रूप से छापामारी अभियान चलाकर पूर्णतः रोक लगाने एवं संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध विधि सम्मत आवश्य कारवाई करने का निर्देश दिया गया। थाना में लंबित वारंट/ परिवाद/ पासपोर्ट सत्यापन/चरित्र सत्यापन से संबंधित लंबित मामलों को निर्धारित समय के अंदर निष्पादन करने का निर्देश दिया गया। सड़क दुर्घटना पर नियंत्रण एवं यातायात व्यवस्था सुदृढ़ करने के लिए जिला परिवहन पदाधिकारी से समन्वय स्थापित कर प्रतिदिन नियमित रूप से वाहन जांच अभियान चलाकर चालक का हेलमेट/ सिटबेल्ट/ रजिस्ट्रेशन/ इंश्योरेंस इत्यादि की जांच करने तथा ड्रंकन ड्राईव के विरुद्ध नियमित रूप से जांच अभियान चलाए जाने का निर्देश दिया गया। ERSS 112 के माध्यम से प्राप्त शिकायत पर त्वरित जांच कर विधि सम्मत आवश्यक कारवाई करने एवं रिस्पॉन्स टाइम में सुधार लाने का निर्देश दिया गया। महिलाओं एवं बच्चों के उत्पीड़न से संबंधित शिकायत प्राप्त होने पर त्वरित FIR कर अग्रतर विधि सम्मत आवश्यक कारवाई करने का निर्देश दिया गया। स्कूल/ कॉलेज/हाट बाजार इत्यादि स्थानों में महिला उत्पीड़न/मानव तस्करी/ डायन प्रथा/मॉब लिनचिंग/ साईबर अपराध के संबंध में जागरुकता अभियान चलाकर लोगों को जागरूक करने का निर्देश दिया गया। ईद उल जोहा पर्व 2025 शांतिपूर्ण वातावरण में मनाए जाने हेतु सभी धार्मिक/संवेदनशील स्थलों का भौतिक सत्यापन कर पर्याप्त संख्या में पुलिस बलों की प्रतिनियुक्त करने, ड्रोन/CCTV द्वारा निगरानी रखने, असमाजिक/ उदण्ड प्रवृत्ति के लोगों पर निरोधात्मक कारवाई करने तथा सोशल मीडिया पर भी सतत निगरानी रखने का निर्देश दिया गया।

नगर थाना परिसर में बकरीद को लेकर शांति समिति की बैठक संपन्न

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : नगर थाना परिसर में सीओ बास्कीनाथ टुडू की अध्यक्षता में बकरीद को लेकर शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। इस अवसर पर थाना प्रभारी अमित कुमार गुप्ता एवं शहर के गणमान्य लोग मुख्य रूप से उपस्थित थे। थाना प्रभारी अमित कुमार गुप्ता ने कहा कि अफवाह फैलाने वाले के ऊपर कड़ी से कड़ी नजर रखें तथा साथ ही शांतिपूर्वक माहौल में त्योहार को मनाने में लोग सहयोग करें। जिस समाज में बिना प्रशाशन की मदद से कार्यक्रम सम्पन्न होता है वो समाज प्रशासन के नजर में बेहतर होता हैं। वहीं सीओ ने कहा कि लोग अमन चैन के साथ शांतिपूर्वक ढंग से बकरीद का पर्व मनाए। वही थाना प्रभारी अमित कुमार गुप्ता ने सभी मोहर्रम लाइसेंसी अखाड़ों व गैर लाइसेंसी अखाड़ों का पुनः लाइसेंस के लिए अवगत कराते हुए कहा कि पिछले साल 2024 में जो लाइसेंस पूर्व एसडीओ के द्वारा रद्द किया गया था, सभी मोहर्रम अखाड़े वाले अपने-अपने लाइसेंस के लिए पहले एसडीओ और डीसी के साथ लाइसेंस के लिए समय रहते मिल ले। अन्यथा विलंब होने के बाद किसी को भी लाइसेंस दूसरे के नाम पर बाद में निर्गत नहीं दिया जाएगा। थाना प्रभारी ने अपील करते हुए कहा कि विशेष नजर समाज के द्वारा रखने को कहा गया किसी प्रकार की कोई अफवाह आए तो उसे सकुर्लेट करने के बजाय थाना को सूचित करे, थाना प्रभारी ने कहा कि लोग आपसी भाईचारा के साथ त्योहार मनाये। इस अवसर पर किसी को परेशानी न हो इसका ख्याल रखें, वही बकरीद को लेकर पुलिस गश्त तेज किया जायेगा। संवेदनशील जगह में पुलिस बल की व्यवस्था की जायेगी। अगर कोई अफवाह फैलता है तो इसकी सूचना तुरंत पुलिस को दें।

दिनदहाड़े ज्वेलरी दुकान से 4 किलो चांदी व 2 भरी सोने की लूट, 4 राउंड फायरिंग

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिले के राजमहल थाना क्षेत्र के कल्याणचक में दिनदहाड़े न्यू दीपक ज्वेलरी शॉप में लूट और फायरिंग की घटना हुई है। ज्वेलरी शॉप से 6 नकाबपोश हथियारबंद बदमाश 4 किलो चांदी और 2 भरी सोना लूटकर ले गये। बदमाशों ने 4 राउंड फायरिंग भी की। इसके बाद से पूरे इलाके में दहशत का माहौल है। ज्वेलरी दुकान में हथियार से लैस 6 नकाबपोश ने दिनदहाड़े लूट की वरदात को अंजाम दिया। जानकारी के अनुसार, तीनपहाड़ हाथीगढ़ निवासी अजित शर्मा कल्याणचक में अपनी ज्वेलरी दुकान में थे। तभी 3 मोटरसाइकिल से 6 नकाबपोश अपराधी दुकान में घुसे और दुकान में रखी लगभग चार किलो चांदी और दो भरी सोने के जेवरात लूट लिये। इस दौरान अपराधियों ने 4 राउंड फायरिंग भी की। फायरिंग करने के बाद अपराधी तालझारी की ओर भाग गये। घटना के बाद आसपास के दुकानदारों में

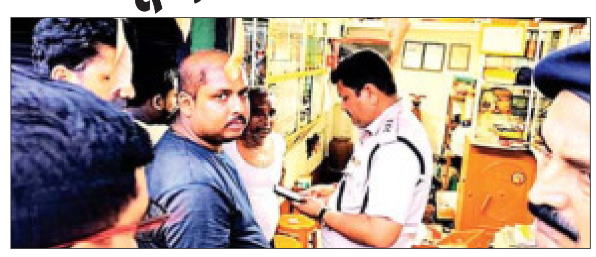

दहशत फैल गयी। वहीं घटना की सूचना न्यू दीपक ज्वेलरी शॉप के ऑनर अजीत शर्मा ने पुलिस को दिया। सूचना मिलते ही राजमहल एसडीपीओ विमलेश कुमार त्रिपाठी, पुलिस दलबल के साथ घटनास्थल पर पहुंचकर छानबीन में जुट गए।

एसडीपीओ ने पीड़ित दुकानदार से जानकारी ली

आसपास के लोगों ने बताया कि अपराधी दुकान के मालिक अजित शर्मा के पुत्र दीपक कुमार शर्मा को खोज रहे थे। इस दुकान में पिता और पुत्र दोनों बैठते हैं। घटना की सूचना मिलते ही राजमहल एसडीपीओ विमलेश कुमार त्रिपाठी घटनास्थल पहुंचे। उन्होंने पीड़ित दुकानदार से घटना से संबंधित जानकारी ली। दिनदहाड़े कल्याणचक रेलवे स्टेशन के समीप बेखौफ अपराधियों द्वारा फायरिंग कर लूट की घटना को अंजाम दिये जाने के बाद दुकानदार सहित क्षेत्र के लोग दहशत में है।

पहले भी हो चुकी है दुकानदार के बेटे से छिनतई

अजित शर्मा के पुत्र दीपक शर्मा ने बताया कि नवंबर 2020 में वह कल्याणचक की ज्वेलरी शॉप को बंद कर तीनपहाड़ आ रहे थे। तभी कल्यानचक तीनपहाड़ मुख्य सड़क के पडरिया के समीप एक बाइक पर दो नकाबपोश बदमाशों ने उनका पीछा किया और 60 हजार रुपए छीनकर भाग गये।

झारखंड विकास परिषद में मनाया गया रजत जयंती समारोह

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़/अमड़ापाड़ा : जिले के अमड़ापाड़ा प्रखण्ड में झारखण्ड विकास परिषद कार्यालय परिसर में रजत जयंती समारोह मनाया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि प्रखण्ड विकास पदाधिकारी प्रमोद कुमार गुप्ता, प्रखण्ड कार्यक्रम पदाधिकारी मनरेगा प्रखण्ड पंचायतीराज पदाधिकारी संस्था सचिव सुवासिनी सोरेन व न्यासी सदस्य तरेसा हॉसदा द्वारा संयुक्त दीप प्रज्वलीत कर किया गया एवं केक काटकर 25वी वर्षगांठ मनाया गया। मौके पर उपस्थित लोंगो को सम्बोधित करतें हुऐ संस्था सचिव सुवासिनी सोरेन ने संस्था के गठन सें लेकर वर्तमान संघर्ष यात्रा के बारें में विस्तृत रुप से बताया कि जब संस्था की शुरूआत हमने की थी तो इस क्षेत्र में आदिवासी महिलाओं महिला नेतृत्व का अभाव था। जिसे इन्होंने पहाडिया एवं आदिवासी समुदाय के

अंतिम व्यक्ति तक समाजिक सःशतिकरण करने में महत्वपूर्ण भुमिका निभाई एवं सरकारी योजनाओं से जुड़वाने में इनका अहम योगदान रहा। संस्था प्रमुख ने बताया कि वर्तमान में संस्था आजिविका, बाल संरक्षण जल जंगल, जमीन, महिला शक्तिकरण, किशोरी शक्तिकरण, बालिका शिक्षा, समुदायिक स्वास्थ्य एवं स्थानिय स्वाशासन को सःशक्त बानाने का कार्य कर रही है। इस कार्यक्रम को सम्बोधित करतें हुऐ प्रखण्ड विकास पदाधिकारी ने कहा कि संस्था के द्वारा दुमका साहिबगंज एवं पाकुड जिले के 6 प्रखण्डों में समाजिक मुद्दे बाल विवाह, महिला हिंसा, बाल तस्करी शिक्षा व स्वास्थ्य के मुद्दो को लेकर काम कर रही है एवं समुदायिक श्रमदान के माध्यम से जल जंगल जमीन का बचाव किया जा रहा है। संस्था के बोर्ड सदस्या तरेसा हॉसदा ने कहा कि अथक प्रयासो के बाद संस्था इस मुकाम पर पहुँची है। वर्तमान में संस्था से जुडकर 80 लोग कार्य कर रहें है जो समाज के अंतिम व्यक्ति तक मदद पहुचाने में सहयोग कर रहें है।

प्रखंड में लाखों रुपए से बना आदिवासी कला-संस्कृति भवन हुआ अनुपयोगी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज/बोरियो : प्रखंड में झारखंड सरकार आदिवासी व पहाड़िया के कल्याण व कौशल विकास के लिए प्रति वर्ष करोड़ों रुपए खर्च कर रही है, लेकिन इसका सही सदुपयोग नहीं होने से इसका लाभ इन समुदाय के युवक-युवतियों को नहीं मिल पा रही है। उदाहरण के तौर पर बोरियो प्रखंड में कल्याण विभाग के ओर से बोरियो दामिन डाक बंगला परिसर में 40.46 लाख की लागत से निर्मित आदिवासी कला-संस्कृति भवन का उपयोग नहीं होने से यह भवन भूत-बंगला एवं शराबियों, जुआरियों का अड्डा बन गया है। लाखों की लागत से बना यह भवन बेकार पड़ा हुआ है। मालूम हो कि सरकार ने इस कला व संस्कृति भवन का निर्माण इसलिए किया था कि आदिम जनजाति क्षेत्र में निवास करने वाले आदिवासी एवं पहाड़ियां युवक-युवतियां अपने कला एवं संस्कृति का प्रदर्शन कर

अपने संस्कृति को जीवित रख सकें। आदिवासी एवं पहाड़िया कला-संस्कृति भवन का शिलान्यास 06 सितंबर 2013 को झामुमो के तत्कालीन विधायक लोबिन हेंब्रम ने किया था। उधर ने कहा कि बोरियो दामिन डाक बंगला भवन में वर्षों पूर्व बना कला-संस्कृति भवन बेकार पड़ा भवन का उपयोग अवश्य होना चाहिए। उन्होंने कहा आईटीडीए द्वारा कई भवन प्रखंडों एवं पंचायतों में बनाया जाता है। इसका उपयोग वहां के बीडीओ एवं सीओ को करना है। आदिवासी कला व संस्कृति भवन का उपयोग आदिम जनजाति के लोगों के बैठक, आम सभा करने या आदिवासी रीति-रिवाज से संबंधित सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन में किया जा सकता है।

डीसी ने जनजातीय योजनाओं की समीक्षा की, 15 अगस्त तक बिरसा आवास पूर्ण करने का निर्देश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : समेकित जनजातीय विकास योजनाओं की डीसी ने की समीक्षा, 15 अगस्त तक सभी बिरसा आवास पूर्ण करने का निर्देश। डीसी हेमंत सती की अध्यक्षता में समेकित जनजातीय विकास अभिकरण (आईटीडीए) और कल्याण विभाग अंतर्गत संचालित योजनाओं की समीक्षा बैठक जिला कार्यालय प्रकोष्ठ में आयोजित की गई। बैठक में पिछली बैठक में दिए गए निदेर्शों के आलोक में विभागों द्वारा की गई कार्रवाई की जानकारी ली गई। बैठक में डीसी ने बिरसा आवास योजना की धीमी प्रगति पर चिंता जताते हुए स्पष्ट निर्देश दिया कि सभी अधूरे आवासों का निर्माण

कार्य 15 अगस्त 2025 तक हर हाल में पूर्ण किया जाए, ताकि लाभुकों को समय पर गृह प्रवेश कराया जा सके। उन्होंने कहा कि इस योजना का उद्देश्य वंचित वर्ग को सशक्त बनाना है, अतः इसमें किसी भी तरह की लापरवाही स्वीकार्य नहीं होगी। इसके साथ ही मुख्यमंत्री स्वास्थ्य सहायता योजना, मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना तथा मुख्यमंत्री साइकिल योजना की भी गहन समीक्षा की गई। डीसी ने इन योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु संबंधित पदाधिकारी को स्पष्ट दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने योजनाओं के प्रचार-प्रसार और पात्र लाभुकों तक समय पर लाभ पहुंचाने पर जोर दिया। बैठक में शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने पर भी विशेष बल दिया गया। डीसी ने निर्देश दिया कि सभी आवासीय विद्यालयों एवं दिवाकालीन विद्यालयों में शिक्षकों की प्रतिनियुक्ति शीघ्र सुनिश्चित की जाए, ताकि छात्रों की पढ़ाई प्रभावित न हो। इसके अतिरिक्त, प्री-मैट्रिक और पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति योजनाओं के तहत आवंटन सुनिश्चित करने के लिए विभागीय पत्राचार करने का भी निर्देश दिया गया। बैठक में परियोजना निदेशक आईटीडीए संजय कुमार दास सहित संबंधित विभागों के कर्मी उपस्थित थे। डीसी ने पदाधिकारी को योजनाओं के सुचारू संचालन हेतु नियमित अनुश्रवण और रिपोर्टिंग पर विशेष ध्यान देने को कहा।

संक्षिप्त खबरें

वार्डो की समस्याओं के समाधान हेतु नगर अध्यक्ष और नगर कार्यपालक पदाधिकारी ने किया निरीक्षण

पाकुड़ : कांग्रेस प्रदेश महासचिव तनवीर आलम के निदेर्शानुसार मंगलवार को नगर अध्यक्ष वंशराज गोप द्वारा पाकुड़ नगर कार्यपालक पदाधिकारी अमरेंद्र कुमार चौधरी से मुलाकात कर पाकुड़ नगर अंतर्गत कुछ वार्डो की समस्याओ के समाधान हेतु औचक निरीक्षण करने का आग्रह किया गया। जिसपर श्री चौधरी ने त्वरित निर्णय लेते हुए कांग्रेस नगर अध्यक्ष के अनुसार वार्ड न 14,वार्ड न 6 वार्ड न 3 से जुड़ी समस्याओं को जाना, जिसमें मुख्य रूप से कूड़ा पाड़ा में पानी एवं नली की समस्या पर तत्काल निर्णय लेते हुए रोड किनारे बिछे पाइप लाइन कनेक्शन को दुरुस्त कर सभी में नल लगाने की बात कही ताकि लोगों को निरंतर पानी मिलती रहे और पानी की बबार्दी न हो,वही कूड़ा पड़ा, छोटी अलीगंज एवं नलपोखर में नए नाले के निर्माण एवं रिपेयरिंग हेतु आवश्यक निर्देश दिया गया। वहीं नगर अध्यक्ष वंशराज की मांग पर नल पोखर में सालों से बंद पड़े शौचालय को अविलंब चालू करने का निर्देश दिया गया ताकि लोगों को शोच के लिए बाहर न जाना पड़े। इस कार्य हेतु वह उपस्थित लोगों ने कांग्रेस पार्टी की सहराना करते हुए माननीय विधायक निशाद आलम व तनवीर आलम का आभार व्यक्त किया। वहीं मुहल्लावासियों ने नगर अध्यक्ष वंशराज गोप, जिला महासचिव मोनिता कुमारी का धन्यवाद दिया। मौके पर कांग्रेस के कई कार्यकर्ता एवं नगर परिषद के कई पदाधिकारी सहित आम लोग उपस्थित थे।

पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय, सिंगारसी में 'भारतीय भाषा समर कैंप' का हुआ सफल आयोजन

पाकुड/अमड़ापाड़ा : जिले के अमड़ापाड़ा प्रखण्ड में पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय वायुसेना स्थल, सिंगारसी में "भारतीय भाषा समर कैंप" के तहत – 'एक और भारतीय भाषा सीखें' का सफल आयोजन विगत दिनांक 29 मई 2025 से 4 जून 2025 तक किया गया। कैंप का आयोजन उमेश कुमार पुस्तकालयध्यक्ष के नेतृत्व में किया गया जिसमें विद्यालय के कक्षा 3 से लेकर 9 वीं तक के छात्र/छात्राओं ने भाग लिया और संथाली तथा खोरठा भाषा का प्रारंभिक ज्ञान लिया। समर कैंप में बिक्की, प्रियंका, राज्यवर्धन, जानवी, जागृति, ज्योति, बबलू आदि अन्य बच्चों ने भाग लिया। वहीं कार्यवाहक प्राचार्य सुकुमार पंडित ने प्रतिभागियों को भागीदारी प्रमाण पत्र वितरित किया।

राजमहल पुलिस निरीक्षक ने किया मासिक अपराध नियंत्रण गोष्टी बैठक

साहिबगंज/राजमहल: राजमहल पुलिस निरीक्षक ने आपने कार्यालय कक्ष में बुधवार को राजमहल पुलिस निरीक्षक श्यामलाल हांसदा की अध्यक्षता में मासिक अपराध गोष्ठी का आयोजन किया गया। मौके पर राजमहल प्रभाग के सभी थाना प्रभारियों से कांडों की समीक्षा करते हुए उन्होंने कई आवश्यक दिशा निर्देश दिया। साथ ही उन्होंने लंबित मामलों के शीघ्र निस्तारण करने, वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी सहित अन्य दिशा–निर्देश दिया। क्षेत्र में विधि व्यवस्था बनाये रखने की हिदायत दी। साथ ही आगामी 7 जून को मनाए जाने वाला त्यौहार ईद उल अजहा(बकरीद) को लेकर विधि व्यवस्था बनाए रखने को लेकर पुलिस के द्वारा रात्रि गश्ती, अपराधिक छवि वालों पर पुलिस की पैनी नजर रखने को कहा गया। मौके पर राजमहल थाना प्रभारी गुलाम सरवर, महिला थाना प्रभारी पूजा कुमारी, तालझारी थाना प्रभारी नितेश कुमार पांडेय, तीनपहाड़ थाना प्रभारी मृत्युंजय कुमार पांडे , राधानगर थाना प्रभारी अमर कुमार मिंज आदि अन्य उपस्थित थे।

कार्य में लापरवाही पर कार्यकारी एजेंसी से मांगा गया स्पष्टीकरण

साहिबगंज: डीसी हेमंत सती की अध्यक्षता में कार्यालय प्रकोष्ठ में झारखंड विद्युत आपूर्ति प्रमंडल के अंतर्गत संचालित विभिन्न विद्युत योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस दौरान विशेष रूप से एमयूजेवाई और आरडीएसएस की गहन समीक्षा की गई। बैठक में डीसी ने एमयूजेवाई योजना की प्रगति पर चिंता जाहिर की। उन्होंने कहा कि योजना लागू होने के बावजूद अब तक एक भी गांव में विद्युत कनेक्शन नहीं दिया जा सका है, जो अत्यंत खेदजनक है। उन्होंने स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि कार्य में तेजी लाकर योजना को शीघ्र पूर्ण किया जाए ताकि ग्रामीणों को जल्द से जल्द बिजली की सुविधा मिल सके। आरडीएसएस योजना की समीक्षा के दौरान पाया गया कि योजना के अंतर्गत कार्य कर रही संवेदक एजेंसी द्वारा कार्य में काफी धीमापन है। अब तक मात्र 91 किलोमीटर केबल ही रिप्लेस किया गया है। डीसी ने असंतोष व्यक्त करते हुए कार्यकारी एजेंसी से स्पष्टीकरण मांगा। बैठक में यह भी बताया गया कि संवेदक द्वारा कई बार रात्रिकालीन कार्य का आश्वासन दिया गया है, किंतु जमीनी स्तर पर प्रगति अत्यंत धीमी है। डीसी ने निर्देश दिए कि सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के माध्यम से योजनाओं की प्रगति की जानकारी आम जनता को दी जाए।

मुक्तेश्वरधाम बिजली घाट में बनारस की तर्ज पर आज शाम छह बजे होगी गंगा महाआरती

साहिबगंज: गंगा दशहरा के पावन अवसर पर बनारस की तर्ज पर आज शाम छह बजे गंगा महाआरती का आयोजन जिला परिषद उपाध्यक्ष सुनील यादव की ओर किया गया है। जिला परिषद उपाध्यक्ष सुनील यादव बुधवार को मुक्तेश्वरधाम बिजली सीढ़ी गंगा घाट तट पहुंचकर गंगा आरती की तैयारी का जायजा लिया। वही उन्होंने बताया कि गंगा दशहरा की शाम छह बजे गंगा पूजन व गंगा महाआरती का आयोजन किया गया है, जिसमें बनारस के पुरोहित, गंगा आरती के लिए पुरोहित, डमरू वादक, चवर वादक, रिद्धि सिद्धि, भजन मंडली की कुल 70 लोगों की टीम बनारस से आई है। जो बनारस वाली गंगा महाआरती करेगी। गंगा आरती से पूर्व वैदिक मंत्रोचारण के साथ विधिवत रूप से मां गंगा की विशेष पूजा अर्चना की जाएगी। आप सभी जिलेवासी, श्रद्धालु इस भव्य गंगा महाआरती में सादर आमंत्रित है। गंगा घाट में श्रद्धालुओं के बैठने की व्यवस्था की गई है। गंगा घाट को दुल्हन की तरह से सजाया जा रहा है। गंगा घाट वाले रास्ते के सभी मंदिरों को भी सजाया जा रहा है। गंगा घाट के अंदर ओर बाहर बड़ा एलइडी टीवी स्क्रीन के जरिए भी श्रद्धालुओं को गंगा पूजन व आरती लाइव दिखाया जाएगा।

क्या चिराग मंत्री के पद से इस्तीफा देंगे?

बिहार चुनाव से पहले समझें सभी नफा-नुकसान

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव 2020 के ठीक पहले, लगभग इसी समय चिराग पासवान खूब चर्चा में थे। वैसे, ठीक इसी समय पिछले साल जब केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार का शपथ होने वाला था तो भी चिराग पासवान चर्चा में थे। अब बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के पहले, चिराग पासवान चर्चा में हैं। 2020 में उन्होंने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को हराने की तैयारी के कारण चर्चा में थे। पिछले साल पहली बार केंद्रीय मंत्री बनने की संभावना के कारण सुर्खियों में थे। अब ठीक एक साल बाद वह बिहार विधानसभा चुनाव में खुद उतरने की बात कहकर चर्चा में हैं। तो, क्या 9 जून 2024 को केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार में पहली बार मंत्री बनने के एक साल के अंदर उनका मोहभंग हो गया है? क्या वह बिहार के लिए केंद्र की कुर्सी छोड़ेंगे? क्या है नफा-नुकसान का गणित यह भी समझना चाहिए। चिराग पासवान सांसद थे, जब अक्टूबर 2020 में उनके पिता रामविलास पासवान का निधन हुआ। रामविलास उस

समय केंद्र में मंत्री थे। चिराग पिता की कुर्सी पर बैठ जाते, उनके आवास में ही रह जाते; लेकिन ऐसा नहीं हो सका। क्योंकि, बिहार चुनाव में चिराग पासवान ने एनडीए से अलग राह पकड़ बिहार चुनाव 2020 में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी जनता दल यूनाईटेड के प्रत्याशियों के खिलाफ लोक जनशक्ति पार्टी के उम्मीदवार उतार दिए थे। चुनाव में एनडीए की सरकार भी बनी और चिराग के कारण नीतीश कुमार की पार्टी संख्या बल में कमजोर भी हुई। लोहा गरम था। मौका देख चाचा पशुपति कुमार पारस ने केंद्रीय मंत्रिमंडल में प्रवेश पा लिया और चिराग देखते रह गए। उन्हें दिल्ली में दशकों से दिवंगत पिता की पहचान रहे सरकारी आवास को छोड़ना पड़ा। वक्त गुजरा। नीतीश के घाव पर भाजपा और चिराग के साथ वक्त ने भी मरहम लगाया। 2024 में लोकसभा चुनाव हुआ तो चिराग पासवान शत प्रतिशत सीटों पर जीत के साथ केंद्र में मंत्री बने। अब वह बिहार चुनाव लड़ने की बात कह रहे तो उतरने और जीतने के बाद उन्हें केंद्रीय मंत्री का पद छोड़ना पड़ेगा, जो कई नजरिए से नुकसान वाला फैसला होगा। मतलब, उन्हें बहुत कुछ समझ लेना होगा पहले। चलिए, कुछ देर के लिए मान लेते हैं कि बिहार फर्स्ट, बिहारी फर्स्ट के तहत चिराग पासवान गृह राज्य की राजनीति में उतरने के लिए बिहार चुनाव में भाग्य आजमाते हैं। जीतकर विधायक भी बन जाते हैं। उनकी ही बात मानकर यह भी मान लेते हैं कि नीतीश कुमार मुख्यमंत्री रहेंगे तो उस हिसाब से चिराग पासवान को मंत्री का पद भी दे देते हैं। अब, देखते हैं कि वह कितना नफा-नुकसान में हैं। पहले तो यह ध्यान देने वाली बात होगी कि वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से दूर हो जाएंगे। पीएम मोदी के करीब होना और दूर रहना, कितना नफा-नुकसान वाला है- यह तो सभी समझते हैं। दूसरी बात पावर की, तो केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री के रूप में फिलहाल उनका कार्यक्षेत्र पूरा देश है और बिहार चुनाव जीतकर, मंत्री बनकर दायरा राज्य में रह जाएगा। वह केंद्र में कैबिनेट स्तर के मंत्री हैं, जो बिहार के मंत्री से कई मायने में ऊपर का दर्जा है। सांसद और केंद्रीय मंत्री का वेतन एक होता है। केंद्रीय कैबिनेट ने मार्च 2025 में सांसद का वेतन एक लाख से बढ़ाकर 1.24 लाख प्रतिमाह किया था। अप्रैल 2023 से ही यह प्रभावी कर दिया गया था। खैर, यह तो सिर्फ वेतन है। इसके अलावा, सांसदों को दैनिक भत्ता अब 2500 रुपये प्रतिदिन मिलता है, जो मार्च 2025 में लागू हुई बढ़ोत्तरी से हपले 2000 रुपये प्रतिदिन था। इस तरह का भत्ता सत्र में भाग लेने के दिनों के लिए मिलता है। सांसदों को अखिल भारतीय स्तर पर स्वयं रेल, वायु, सड़क यात्रा के लिए असीमित सुविधाएं मिलती हैं तो पत्नी व परिवार के लिए भी फ्री हवाई सफर या असीमित ट्रेन का सफर जैसा लाभ भी मिलता है। चिराग पासवान की अभी शादी नहीं हुई, लेकिन वह अपनी मां रीना पासवान के साथ यात्राओं का लाभ परिवार के रूप में ले सकते हैं। एक सांसद को 50 हजार यूनिट फ्री बिजली, 1.70 लाख फ्री कॉल्स, 40 लाख लीटर पानी, दिल्ली में सरकारी बंगला जैसी सुविधाएं मिलती हैं।

संक्षिप्त डायरी

जो विचाराधीन कैदी आधी सजा पूरी कर चुके, उन्हें छुड़वाने का अभियान चलेगा

पटना। 70 साल से अधिक उम्र के कैदियों और आधी सजा पूरी करने वाले विचाराधीन कैदियों को छोड़ने को लेकर राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा अभियान चलाया जाएगा। ये बातें एएन सिन्हा सामाजिक अध्ययन संस्थान में पैरवी की ओर से किशोर न्याय और विधिक सहायता पर आयोजित कार्यशाला में बिहार राज्य विधिक सेवा प्राधिकार की सदस्य

सचिव शिल्पी सोनी ने कहीं। उन्होंने कहा कि राज्य में विधिक सेवा प्राधिकार को लगातार सुदृढ़ किया जा रहा है, ताकि लोगों को विधिक सहायता आसानी से उपलब्ध हो सके। प्राधिकार की निबंधक अनुपमा ने कहा किशोर न्याय और विधिक सहायता के लिए हमारा सहयोग सदैव जारी रहेगा। उन्होंने पटना में एक बच्चे के जलने और उसके उपचार में प्राधिकार की भूमिका की चर्चा की। मानवाधिकार कार्यकर्ता संतोष उपाध्याय ने विचाराधीन बंदियों की जमानत और किशोर न्याय के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला। आरंभ में पैरवी के समन्वयक दीनबंधु वत्स, सामाजिक कार्यकर्ता नवाजुल हक और वंदना शर्मा सहित अन्य लोगों ने अपने विचार रखे। पुलिस उपाधीक्षक धर्मेंद्र कुमार ने किशोरों को जमानत और जेजे बोर्ड में अधिवक्ताओं के प्रैक्टिस पर सवाल खड़ा किया और कहा कि यह बच्चे का सर्वोत्तम हित नहीं है। बिहार राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की पूर्व अध्यक्ष निशा झा ने कहा कि जैसे विकास को गति देने के लिए बीस सूत्री कार्यक्रम बनाए गए और सारे विभागों को एक साथ बिठाकर कार्यान्वयन कराया गया उसी तरह बाल अधिकारों को सुनिश्चित करने के लिए एक सूत्री कार्यक्रम बनाकर सभी हितधारकों को सक्रिय करने की जरूरत है। बाल कल्याण समिति रोहतास के सदस्य ददन पांडेय ने किशोरों के हित में पैरवी के कार्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला। हाईकोर्ट की अधिवक्ता शशि शर्मा ने कहा बाल अधिकार के संरक्षण के क्षेत्र में काम करने वालों को जागरूक होने की जरूरत है।

मुजफ्फरपुर दुष्कर्म कांडः पीड़िता की मौत पर सियासत तेज, कांग्रेस-राजद समेत विपक्षी दल सड़कों पर

मुजफ्फरपुर। जिले के कुढ़नी थाना क्षेत्र में 26 मई को एक नाबालिग बच्ची के साथ दुष्कर्म और फिर गला रेतकर हत्या के मामले में अब सियासत तेज हो गई है। विपक्षी दलों ने इस घटना को लेकर राज्य सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। कांग्रेस, राजद, सीपीआई, वीआईपी सहित कई विपक्षी पार्टियों ने सरकार के खिलाफ सड़कों से लेकर सदन तक विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया है। जानकारी के अनुसार, मुजफ्फरपुर जिले में एक सप्ताह के भीतर दो नाबालिग बच्चियों के साथ दुष्कर्म की घटनाएं सामने आईं, जिनमें से एक बच्ची की इलाज के अभाव में मौत हो गई। इस दर्दनाक घटना ने राज्यभर में आक्रोश की लहर पैदा कर दी है। राहुल गांधी ने इस घटना पर ट्वीट कर गहरी नाराजगी जताई, जिसके बाद बिहार कांग्रेस सड़कों पर उतर आई और विरोध प्रदर्शन शुरू किया। इसके बाद राजद भी सक्रिय हो गई और अपने सभी विंग्स के साथ विरोध-प्रदर्शन में शामिल हो गई। छात्र विंग, महिला विंग और जिला स्तरीय कार्यकताओं ने सरकार के खिलाफ पुतला दहन करते हुए नाराजगी जताई। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने कुढ़नी पहुंचकर पीड़ित परिवार से मुलाकात की और सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने इस घटना के लिए राज्य सरकार को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि बिहार में कानून-व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है।

पटना में मिले छह नए कोरोना संक्रमित

पटना। राजधानी पटना में कोरोना संक्रमितों की संख्या दिनोदिन बढ़ती जा रही है। मंगलवार को छह नए मरीजों के साथ 23 मई से अबतक 30 संक्रमित मिल चुके हैं। मंगलवार को एनएमसीएच में

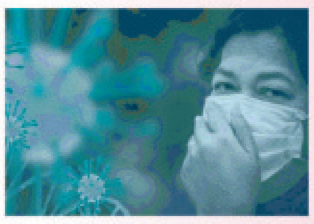

19 वर्षीय गर्दनीबाग निवासी युवक, निजी अस्पताल में 21 वर्षीय महिला व 66 वर्षीय व्यक्ति की रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। वहीं एक निजी लैब में 66 वर्ष, 55 वर्ष व 73 वर्षीय पुरुषों की रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। वहीं स्वास्थ्य विभाग ने 23 मई से अबतक मिले 30 संक्रमित में से 6 को स्वस्थ करार दिया है।सिविल सर्जन डॉ. अविनाश कुमार सिंह ने बताया कि वर्तमान में जिले में कोरोना के 24 सक्रिय मरीज हैं। अबतक जो 30 संक्रमित मिले हैं, उनमें से 16 ने सरकारी तो 14 लोगों ने निजी लैब में जांच कराई थी। एम्स पटना, आइजीआइएमएस व एनएमसीएच में डॉक्टर मेडिकल छात्र व नर्सें कोरोना पॉजिटिव हो चुकी हैं। इस बीच मंगलवार बार को जो छह नए मरीज मिले हैं, उनमें से 65 वर्ष से अधिक उम्र के तीन मरीज शामिल हैं। एनएमसीएच में माइक्रो बायोलाजी विभाग की प्रयोगशाला में 15 आशंकित की जांच हुई और एक की रिपोर्ट पॉजिटिव आई। अधिसंख्य संक्रमितों में सर्दी, खांसी, बुखार, गले में खराश आदि लक्षण थे।

दरभंगा में जीजा-साले की सड़क हादसे में मौत

दरभंगा। बहेड़ी थाना क्षेत्र के गंगदह स्कूल के पास सोमवार शाम एक बेकाबू बोलेरो ने बाइक सवार जीजा-साले को कुचल दिया। हादसे में 15 साल के ओमप्रकाश यादव की मौके पर ही मौत हो गई। 22 साल के दिलखुश कुमार को गंभीर हालत में दरभंगा के निजी अस्पताल ले जाया गया। इलाज के दौरान उसकी भी मौत हो गई। दिलखुश कुमार बसकट्टी गांव निवासी बेचन यादव का बेटा था। ओमप्रकाश यादव समस्तीपुर के सिंघिया थाना क्षेत्र के पवरा गांव निवासी महेश यादव का बेटा था। दिलखुश अपने साले ओमप्रकाश के साथ गंगदह हाट से सब्जी लेकर बाइक से गांव लौट रहा था। इसी दौरान एसएच-88 पर गंगदह स्कूल के पास एक

अज्ञात बोलेरो ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर के बाद बोलेरो चालक वाहन लेकर फरार हो गया। दिलखुश की शादी 19 मई को पवरा गांव में हुई थी। वह बीए पास कर आगे की तैयारी कर रहा था। वह दो भाइयों और एक बहन में सबसे बड़ा था। हादसे के बाद मां रामदुलारी देवी, दादा रामू यादव, दादी निर्मला देवी और पत्नी रागिनी देवी का रो-रो कर बुरा हाल है। थानाध्यक्ष सुरज कुमार गुप्ता ने बताया कि बहेड़ी में तेज रफ्तार अज्ञात बोलेरो ने बाइक सवार जीजा-साले को टक्कर मार दी।

कचरा चुनने और भीख के बहाने करते थे रेकी

औरंगाबाद। पुलिस ने चोरी करने वाले एक गिरोह के सदस्यों को अरेस्ट किया है। कई चोरी की घटनाओं में शामिल चार महिला समेत नौ चोरों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। बुधवार को समाहरणालय परिसर स्थित सभागार में प्रेस वार्ता आयोजित कर इसकी जानकारी सदर एसडीपीओ -2 चंदन कुमार ने दी है। पकड़े गए लोगों में मुफस्सिल थाना क्षेत्र के पवई गांव निवासी बलमा मुसहर की पत्नी मनीता देवी, दुर्गा मुसहर की पत्नी सोनी कुमारी, बिजली कबूतर मुसहर की पत्नी शकुंतला देवी, हगनु मुसहर का बेटा रंजन मुसहर, विनोद मुसहर का बेटा उपेंद्र मुसहर है। कुटुंबा थाना क्षेत्र के बभंडीह गांव निवासी जितेंद्र मुसहर की पत्नी रिंकू देवी, मुफस्सिल थाना क्षेत्र के चित्तौड़गढ़ निवासी रामचंद्र मुसहर

के बेटा परम मुसहर, जम्होर थाना क्षेत्र के धनहरा गांव निवासी लखन मुसहर के बेटा बालेश्वर मुसहर और बारुण थाना क्षेत्र के सीरीस निवासी भुट्टी मुसहर का बेटा रोहित मुसहर उर्फ गोलू गिरफ्तार लोगों में शामिल है। एसडीपीओ ने बताया कि 25 मई को कसमा थाना क्षेत्र के अरथुआ गांव में अज्ञात चोरों ने घर में घुसकर चोरी की थी। चोरों ने घर में एक अटैची में रखें आभूषण गायब कर दिया था। मामले को लेकर गृह स्वामी ने थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी। पुलिस मामले में कांड संख्या 72/25 दर्ज कर घटना के खुलासे में जुटी थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसपी अंबरीश राहुल के निर्देश पर एसआईटी टीम का गठन किया गया था। एसआईटी की टीम ने सीसीटीवी फुटेज को देखने और सूचना के आधार पर सबसे पहले मनीता देवी को गिरफ्तार किया । निशानदेही पर आठ अभियुक्तों को अलग-अलग जगह से गिरफ्तार किया गया है। पकड़े गए लोगों के पास से सोने का मांगटीका, झुमका, चांदी का पायल, बिछिया, क्लिप, अंगूठी कानबाली, 8 मोबाइल फोन और अलग-अलग जगह से चोरी किए गए जमीन का कागजात, बैंक पासबुक व अन्य सामान बरामद किया गया है। एसडीपीओ ने बताया कि पकड़े गए सभी लोग आपस में रिश्तेदार हैं। सभी लोग खानाबदोश की तरह जीवन व्यतीत करते हैं। जिस इलाके में डेरा लगते हैं, वहां भीख मांगने और कूड़ा चुनने के बहाने दिन में रेकी का काम करते थे। रात में चोरी की घटना को अंजाम देते थे। उन्होंने बताया कि इस गिरोह ने ऐसे घरों को निशाना बनाया है, जो गांव के बाहर हो या सुनसान में हो। पकड़े गए लोगों ने पूछताछ के क्रम में पुलिस को कई महत्वपूर्ण जानकारियां दी है।

गंगाजल से दक्षिण के खेतों का होगा पटवन

जल संसाधन विभाग के प्रधान सचिव ने दी जानकारी

पटना। जल संसाधन विभाग के प्रधान सचिव संतोष कुमार मल्ल ने कहा है कि दक्षिण बिहार के कई जिलों में अब गंगा नदी के अधिशेष जल से सिंचाई की जाएगी। फिलहाल नालंदा, गया और नवादा जिलों में गंगाजल के माध्यम से पेयजल आपूर्ति की जा रही है, लेकिन अब इस जल का उपयोग खेती के लिए भी किया जाएगा। मल्ल सिंचाई भवन स्थित सभागार में ₹गंगाजल आपूर्ति योजना₹ विषय पर आयोजित परिचर्चा को संबोधित कर रहे थे। यह कार्यक्रम जल-जीवन-हरियाली मिशन से जुड़े 15 विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों और अभियंताओं की उपस्थिति में संपन्न हुआ। प्रधान सचिव ने इसे राज्य में जल प्रबंधन और जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न संकट से निपटने की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम बताया। उन्होंने कहा कि जल-जीवन-हरियाली अभियान के तहत विभाग को जो जिम्मेदारियाँ सौंपी

गई हैं, उन्हें पूरी निष्ठा से पूरा किया जाएगा। उन्होंने बताया कि मानसून के दौरान गंगा नदी में उपलब्ध अधिशेष जल को पाइपलाइन के माध्यम से बांका जिले के बेलहर स्थित बदुआ जलाशय तक पहुंचाने की योजना है। यह जलाशय कई वर्षों से मानसून के बावजूद नहीं भर पा रहा है, जिससे इसकी सिंचाई क्षमता लगभग 75झ80 प्रतिशत तक घट गई है। प्रस्तावित योजना के माध्यम से न केवल इस जलाशय को भरा जाएगा, बल्कि इसके आसपास के क्षेत्रों में भी सिंचाई सुविधा का विस्तार होगा। मल्ल ने आगे बताया कि औरंगाबाद, डेहरी और सासाराम में शीघ्र ही सोन नदी के सतही जल का उपयोग करते हुए पेयजल योजनाएं शुरू की जाएंगी। साथ ही दुर्गावती जलाशय से भभुआ और मोहनिया शहरों को जल आपूर्ति की जाएगी। उन्होंने यह भी बताया कि जल-जीवन-हरियाली मिशन के तहत मोरवे, जालकोट, बासकोट और गरही जैसे जलाशयों को गंगाजल से भरने की दिशा में कार्य प्रगति पर है। राज्य सरकार का उद्देश्य है कि मानसून में गंगा का अधिशेष जल व्यर्थ न जाए, बल्कि इसका सदुपयोग कर जल संकट से जूझ रहे क्षेत्रों को राहत दी जाए। इस अवसर पर अभियंता प्रमुख (सिंचाई एवं सृजन) अवधेश कुमार ने कहा कि जब तक जल और हरियाली है, तभी तक खुशहाली संभव है। इनके बिना मानव जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन आज की सबसे बड़ी वैश्विक चुनौती है और इससे निपटने के लिए हमें सतत, वैज्ञानिक और समर्पित प्रयास करने होंगे। आने वाली पीढ़ियों के लिए जल संरक्षण हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने बताया कि जल-जीवन-हरियाली अभियान के तहत राज्यभर में तालाबों को अतिक्रमण मुक्त कर उनका संरक्षण किया जा रहा है, जिससे जल संचयन और भूजल पुनर्भरण को बढ़ावा मिल रहा है। जल संसाधनों के सतत और दीर्घकालिक उपयोग को सुनिश्चित करने के लिए अन्य प्रयास भी किए जा रहे हैं।

2 ट्रक की टक्कर, ड्राइवर और ड्राइवर की मौत

भागलपुर। दो ट्रक के बीच आमने-सामने की भीषण टक्कर हो गई। इसमें दो लोगों की मौत हो गई। एक ट्रक के चालक की मौके पर ही मौत हुई, तो दुसरे ट्रक के उपचालक ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। हादसे के बाद एनएच-31 पर 10 किलोमीटर लंबा जाम लगा गया। इसे पुलिस ने खत्म करवाया दिया है। हादसे के बाद ड्राइवर करीब 2 घंटे तक स्टेयरिंग से दबा रहा। घटना नवगछिया के भवानीपुर थाना क्षेत्र के बीरबन्ना चौक के पास की है। बताया जा रहा है कि मक्का लदी ट्रक नवगछिया से खगड़िया की तरफ जा रही थी। खगड़िया की तरफ से आ रहे चर्री लदे ट्रक से आमने-सामने भीषण टक्कर हो गई। हादसे के बाद दोनों ट्रक पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। घटना रात के करीब 2 बजे का बताया जा रहा है। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।मक्का लदे ट्रक को उपचालक ड्राइव कर रहे थे, जबकि चालक

सोया हुआ था। तेज रफ्तार होने के कारण उपचालक से गाड़ी कंट्रोल नहीं हो पाया, जिसके कारण हादसे का शिकार हो गया । हादसे के बाद एनएच-31 पर 10 किलोमीटर लंबी जाम लग गई। पिछले 5 घंटे से पुलिस जाम को हटाने में जुटी हुई है। मृतक की अभी पहचान नहीं हो पाई है। हादसे के बाद मौके से एक ट्रक का उपचालक और दूसरे ट्रक का चालक फरार हो गया है। जबकि, दो लोगों की मौत हुई। भवानीपुर थानाध्यक्ष महेश कुमार ने बताया कि दो ट्रक के बीच टक्कर हुई थी, जिसमें दोनों के ड्राइवर की मौत हो गई। एक मुजफ्फरपुर के रहने वाला है। दूसरा कोडरमा के रहने वाला है। दोनों के शव को अनुमंडलीय अस्पताल भेज दिए हैं। ट्रैफिक पुलिस मामले को देख रही है।

नालंदाः 90 ग्रामीण सड़कों की होगी मरम्मत

नालंदा। पांच प्रखंडों में फैली जर्जर ग्रामीण सड़कों की दशा सुधारने की दिशा में एक पहल शुरू हो गई है। करीब 147 करोड़ रुपए की लागत से 90 ग्रामीण सड़कों का व्यापक कायाकल्प किया जाएगा, जिससे तीन लाख से अधिक की आबादी को राहत मिलेगी। ग्रामीण कार्य विभाग के बिहारशरीफ डिविजन के अधिकारियों के अनुसार, इन सड़कों का मेंटिनेंस पीरियड पांच साल पहले खत्म हो चुका है। न्यू मेंटिनेंस पॉलिसी के तहत करीब 166 किलोमीटर लंबी इन सड़कों को चकाचक बनाया जाएगा। चयनित सड़कों का प्रखंडवार वितरण देखें तो बिहारशरीफ प्रखंड में सबसे अधिक 31 सड़कों की मरम्मत होगी। अस्थावां में 23, सरमेरा में 17, बिंद में 12 और रहुई प्रखंड में 6 ग्रामीण सड़कों का जीर्णोद्धार किया जाएगा। एग्जीक्यूटिव इंजीनियर अनीश कुमार सिंह ने बताया कि 66 सड़कों के लिए टेंडर और एजेंसी

चयन की प्रक्रिया अंतिम चरण में है। ₹जल्द ही कार्य एजेंसियों का चयन कर निर्माण काम शुरू हो जाएगा। सड़कें चिकनी होंगी तो लोगों के आने-जाने में काफी सहूलियत मिलेगी। मौजूदा सड़कों की मरम्मत के साथ-साथ कुछ स्थानों पर नई सड़कों का निर्माण भी किया जाएगा। सरमेरा के बड़ी धरियारी से मानाचक, बिंद के बेनार-सकसोहरा रोड से महमुदाबाद और रहुई में एनएच-31 से पचौरी-रहुई बाजार तक नई सड़क बनेगी। इसके अलावा एनएच-31 से तुंगी जाने वाली सड़क में एनएच-20 से एनएच-82 बायपास तक व तुंगी सड़क से बड़ी दरगाह तक पथ का सुदृढ़ीकरण और चौड़ीकरण का काम भी शामिल है। वर्तमान में इन सड़कों की स्थिति काफी खराब है। लंबे समय से मरम्मत नहीं होने के कारण जगह-जगह बड़े गड्ढे हो गए हैं। गांवों के आसपास कई जगहों पर घरों से निकलने वाला गंदा पानी सड़क पर जमा रहता है, जिससे स्थिति और भी बदतर हो जाती है। इन टूटी-फूटी सड़कों का खामियाजा वाहन चालकों और यात्रियों को भुगतना पड़ रहा है। दैनिक आवाजाही में होने वाली परेशानी से ग्रामीणों में काफी असंतोष है। अधिकारियों का कहना है कि एक साल के भीतर इन चिह्नित सड़कों की सूरत पूरी तरह बदल जाएगी।

युवक की हत्या, साथियों ने आरोपी को गोली मारी

भोजपुर में डबल मर्डर, एक बेंगलुरु से बेटे का बर्थ-डे मनाने आया था

भोजपुर। मंगलवार रात 2 लोगों की हत्या हुई है। बताया जा रही है कि चंदन यादव (38) ने पहले सोनू (19) की गोली मारकर हत्या कर दी। इसके बाद सोनू की हत्या से नाराज लोगों ने चंदन को दौड़ाकर गोली मारी। दोनों गड़हनी थाना क्षेत्र के रतनाढ़ गांव के रहने वाले थे। बताया जा रहा है कि एक युवक सोनू मोबाइल पर IPL का फाइनल मैच देख रहा था। इसी दौरान चंदन और उसके कुछ दोस्त अंडे की दुकान पर पहुंचे। उन लोगों ने सोनू को चखना और सिगरेट लाने के लिए कहा। सोनू ने मना कर दिया। इसके बाद दोनों में विवाद शुरू हो गया और इसी दौरान फायरिंग शुरू हो गई। चंदन को एक गोली दाहिने साइड सीने, दाहिने जांघ और पैर में गोली गई। वहीं, सोनू के बाएं साइड सीने में गोली मारी गई है। दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक चंदन बेंगलुरु में रहकर प्राइवेट कंपनी में काम करता था। चंदन बेटे के बर्थ-डे मनाने भोजपुर आया था। वहीं, सोनू (19) इंटर की पढ़ाई पूरी कर ली थी। घटना की सूचना मिलने के बाद रुद्र राज, अरुढ परिचय कुमार समेत गड़हनी थानाध्यक्ष रणबीर कुमार और आधा दर्जन थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की छानबीन में जुट गई है। मृतक चंदन के छोटे भाई कुंदन ने बताया कि अपने बेटे के बर्थडे मानने के लिए भईया आठ दिन पहले बंगलौर से गांव आए थे। घर में जन्मदिन को लेकर पूजा-पाठ का आयोजन हुआ था। बड़े ही धूमधाम से जन्मदिन मनाया गया था और दो या तीन दिनों में वो वापस जाने वाले थे । मंगलवार की देर शाम रत्नाढ़ गांव स्थित सतीश साह के अंडा की दुकान

पर मो.सोनू और गांव कहीं कुछ लोगों के बीच गाली-गलौज हुआ था। उसी दुकान पर भइया अंडा खा रहे थे। तभी गालीझगलौज कर रहे लोगों को भइया चंदन ने मना किया। इसी बात को लेकर आरोपी ने कहा कि तुम कौन होते हो मना करने वाले। उसके बाद बात बढ़ गई और गांव कल्लू मियां उनके दो बेटे और उसके दोस्तों ने मिलकर तीन गोली मारकर उनकी हत्या कर दी। परिजनों ने चंदन कुमार सिंह को इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाया गया। जहां डॉक्टरों ने देख उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक सोनू के पिता कल्लू मियां ने बताया कि कुछ लोग अंडा के दुकान पर थे। उस समय मेरा बेटा और उसके कुछ दोस्त भी मौजूद थे। इसी दौरान चंदन ने सोनू से चखना और सिगरेट लाने के लिए बोला था, लेकिन सोनू ने मना कर दिया। इसके बाद चंदन के साथ के लोग उसको गाली देना शुरू कर दिया। बेटा गाली-गलौज का विरोध कर घर की ओर जा रहा था । इसी बीच चंदन और उसके दोस्त ने मिलकर सोनू की गोली मारकर हत्या कर दी। सीने में गोली लगने के बाद सोनू की मौके पर ही मौत हो गई। शाम करीब 7:35 बजे सोनू अपने कुछ दोस्तों के साथ अंडा के दुकान के पास खड़ा होकर मोबाइल पर मैच देख रहा था। इसी दौरान चंदन और उसके दोस्तों ने सोनू को सामने के किराना दुकान से सिगरेट और कुछ चखना लाने के लिए बोला। इसके बाद दोनों तरफ से गाली-गलौज होने लगी। इसी दौरान सोनू आगे बढ़ा वैसे ही उसे धक्का देकर सीने में गोली मार दी गई। सोनू की हत्या के बाद उसके दोस्तों ने कमर से पिस्टल निकाली और चंदन को पहले पेट में गोली मारी। जख्मी हालत में भाग रहे चंदन को दौड़ाकर दो गोली और मारी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

मंदिरों का शहर हम्पी

यूनेस्को की विश्व विरासत की सूची में शामिल हम्पी भारत का एक प्रमुख पर्यटन स्थल है। 2002 में भारत सरकार ने इसे प्रमुख पर्यटन केन्द्र के रूप में विकसित करने की घोषणा की थी। हम्पी में स्थित दर्शनीय स्थलों में सम्मिलित हैं- विरूपाक्ष मन्दिर, रघुनाथ मन्दिर, नरसिम्हा मन्दिर, सुग्रीव गुफा, विठाला मन्दिर, कृष्ण मन्दिर, हजारा राम मन्दिर, कमल महल तथा महानवमी डिब्बा आदि। हम्पी से 6 किलोमीटर दूर तुंगभद्रा बांध स्थित है। कहा जाता है कि हम्पी के हर पत्थर में कहानी बसी है। यहां दो पत्थर त्रिकोण आकार में जुड़े हुए हैं। दोनों देखने में एक जैसे ही हैं, इसलिए इन्हें सिस्टर स्टोंस कहा जाता है। इसके पीछे भी एक कहानी प्रचलित है। दो ईर्ष्यालु बहनें हम्पी घूमने आईं, वे हम्पी की बुराई करने लगीं। शहर की देवी ने जब यह सुना तो उन दोनों बहनों को पत्थर में तब्दील कर दिया।

स्थापत्य कला

विजयनगर के शासकों ने मंत्रणागृहों, सार्वजनिक कार्यालयों, सिंचाई के साधनों, देवालयों तथा प्रासादों के निर्माण में बहुत उत्साह दिखाया। विदेशी यात्री नूनीज ने नगर के अन्दर सिंचाई की अद्भुत व्यवस्था और विशाल जलाशयों का वर्णन किया है। राजकीय परकोटे के अंतर्गत अनेक प्रासाद, भवन एवं उद्यान बनाये गये थे। राजकीय परिवार की स्त्रियों के लिए अनेक सुन्दर भवन थे, जिनमें कमल-प्रासाद सुन्दरतम था। यह भारतीय वास्तुकला का अद्भुत उदाहरण था। यह माना जाता है कि एक समय में हम्पी रोम से भी समृद्ध नगर था। प्रसिद्ध मध्यकालीन विजयनगर राज्य के खण्डहर वर्तमान हम्पी में मौजूद हैं। इस साम्राज्य की राजधानी के खण्डहर संसार को यह घोषित करते हैं कि इसके गौरव के दिनों में स्वदेशी कलाकारों ने यहां वास्तुकला, चित्रकला एवं मूर्तिकला की एक पृथक शैली का विकास किया था। हम्पी पत्थरों से घिरा शहर है। यहां मंदिरों की खूबसूरत श्रृंखला है, इसलिए इसे मंदिरों का शहर भी कहा जाता है।

मंदिरों का शहर

हम्पी मंदिरों का शहर है जिसका नाम पम्पा से लिया गया है। पम्पा तुंगभद्रा नदी का पुराना नाम है। हम्पी इसी नदी के किनारे बसा हुआ है। पौराणिक ग्रंथ रामायण में भी हम्पी का उल्लेख वानर राज्य किष्किन्धा की राजधानी के तौर पर किया गया है। शायद यही वजह है कि यहां कई बंदर हैं। हम्पी से पहले एनेगुंदी विजयनगर की राजधानी हुआ करती थी। दरअसल यह गांव है, जो विकास की रफ्तार में काफी पिछड़ा हुआ है। यहां के निवासियों को बिल्कुल नहीं पता कि सदियों पहले यह जगह कैसी हुआ करती थी। नव वृंदावन मंदिर तक पहुंचने के लिए नाव के जरिए नदी पार करनी पड़ती है, जिसे कन्नड़ में टेप्पा कहा जाता है। यहां के लोगों का विश्वास है कि नव वृंदावन मंदिर के पत्थरों में जान है, इसलिए लोगों को इन्हें छूने की इजाजत नहीं है।।

विठल स्वामी का मन्दिर

हम्पी में विठल स्वामी का मन्दिर सबसे ऊंचा है। यह विजयनगर के ऐश्वर्य तथा कलावैभव के चरमोत्कर्ष का द्योतक है। मंदिर के कल्याणमंडप की नक्काशी इतनी सूक्ष्म और सघन है कि यह देखते ही बनता है। मंदिर का भीतरी भाग 55 फुट लम्बा है। और इसके मध्य में ऊंची वेदिका बनी है। विठ्ठल भगवान का रथ केवल एक ही पत्थर में से कटा हुआ है। मंदिर के निचले भाग में सर्वत्र नक्काशी की हुई है। लांगहर्स्ट के कथनानुसार- यद्यपि मंडप की छत कभी पूरी नहीं बनाई जा सकी थी और इसके स्तंभों में से अनेक को मुस्लिम आक्रमणकारियों ने नष्ट कर दिया, तो भी यह मन्दिर दक्षिण भारत का सर्वोत्कृष्ट मंदिर कहा जा सकता है। फर्ग्युसन ने भी इस मंदिर में हुई नक्काशी की भूरि-भूरि प्रशंसा की है। कहा जाता है कि पंढरपुर के विठ्ठल भगवान इस मंदिर की विशालता देखकर यहां आकर फिर पंढरपुर चले गए थे।

विरुपाक्ष मन्दिर

विरुपाक्ष मन्दिर को पंपापटी मंदिर भी कहा जाता है, यह हेमकुटा पहाडियों के निचले हिस्से में स्थित है। हम्पी के कई आकर्षणों में से यह मुख्य है। 1509 में अपने अभिषेक के समय कृष्णदेव राय ने गोपुड़ा का निर्माण करवाया था। भगवान विठाला या भगवान विष्णु को यह मंदिर समर्पित है। 15वीं शताब्दी में निर्मित यह मंदिर बाजार क्षेत्र में स्थित है। यह नगर के सबसे प्राचीन स्मारकों में से एक है। मंदिर का शिखर जमीन से 50 मीटर ऊंचा है। मंदिर का संबंध विजयनगर काल से है। इस विशाल मंदिर के अंदर अनेक छोटे-छोटे मंदिर हैं जो विरूपाक्ष मंदिर से भी प्राचीन हैं। मंदिर के पूर्व में पत्थर का एक विशाल नंदी है जबकि दक्षिण की ओर भगवान गणेश की विशाल प्रतिमा है। यहां अर्ध सिंह और अर्ध मनुष्य की देह धारण किए नरसिंह की 6.7 मीटर ऊंची मूर्ति है।

पत्थर का रथ

किंवदंती है कि भगवान विष्णु ने इस जगह को अपने रहने के लिए कुछ **अधिक ही बड़ा समझा और** अपने घर वापस लौट **गए। विरुपाक्ष मंदिर भूमिगत** शिव मंदिर है। मंदिर का **बड़ा हिस्सा पानी के अन्दर** समाहित है, इसलिए व**हां कोई नहीं जा सकता। बाहर** के हिस्से के मुकाबले मं**दिर के इस हिस्से का तापमान** बहुत कम रहता है। विठा**ला मंदिर का मुख्य आकर्षण** इसकी खम्बे वाली दीवा**रें और पत्थर का बना रथ है।** इन्हें संगीतमय खंभे के **नाम से जाना जाता है, क्योंकि** प्यार से थपथपाने पर **इनमें से संगीत निकलता है।** पत्थर का बना रथ वास्**तुकला का अद्भुत नमूना है। पत्थर को तराश कर इसमें मंदिर बनाया गया है, जो रथ के आकार में है। कहा जाता है कि इसके पहिये घूमते थे, लेकिन इन्हें** बचाने के लिए सीमेंट का लेप लगा दिया गया है।

बडाव लिंग

पास में स्थित बडाव लिंग चारों ओर से पानी से घिरा है, क्योंकि इस मंदिर से ही नहर गुजरती है। मान्यता है कि हम्पी के एक गरीब निवासी ने प्रण लिया था कि यदि उसकी किस्मत चमक उठी तो वह शिवलिंग का निर्माण करवाया। बडाव का मतलब गरीब ही होता है।

लक्ष्मी नरसिम्हा मंदिर

हम्पी लक्ष्मी नरसिम्हा मंदिर या उग्र नरसिम्हा मंदिर बड़े चट्टानों से बना हुआ है, यह हम्पी की सबसे ऊंची मूर्ति है। यह करीब 6.7 मीटर ऊंची है। नरसिम्हा आदिशेष पर विराजमान हैं। असल में मूर्ति के एक घुटने पर लक्ष्मी जी की छोटी तस्वीर बनी हुई है, जो विजयनगर साम्राज्य पर आक्रमण के समय धूमिल हो गई।

रानी का स्नानागार

हम्पी में स्थित रानी का स्नानागार चारों ओर से बंद है। 15 वर्ग मीटर के इस स्नानागार में गैलरी, बरामदा और राजस्थानी बालकनी है। कभी इस स्नानागार में सुगंधित शीतल जल छोटी-सी झील से आता है, जो भूमिगत नाली के माध्यम से स्नानागार से जुड़ा हुआ था। यह स्नानागार चारों ओर से घिरा और ऊपर से खुला है।

हजारा राम मंदिर

हजारा राम मंदिर हम्पी के राजा का निजी मंदिर

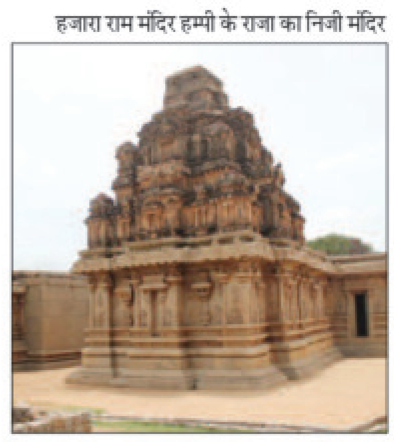

माना जाता था। मंदिर की भीतरी और बाहरी दीवारों पर बेहतरीन नक्काशी की गई है। बाहरी कमरों की छतों के ठीक नीचे बनी नक्काशी में हाथी, घोड़ा, नृत्य करती बालाओं और मार्च करती सेना की टुकडियों को दर्शाया गया है, जबकि भीतरी हिस्से में रामायण और देवताओं के दृश्य दिखाए गए हैं। इसमें असंख्य पंखों वाले गरुड़ को भी चित्रित किया गया है।

कमल महल

हम्पी में स्थित कमल के आकार का दो मंजिला

महल और इसका मुंडेर महल पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करता है। कमल महल हजारा राम मंदिर के समीप है। यह महल इन्डो-इस्लामिक शैली का मिश्रित रूप है। कहा जाता है कि रानी के महल के आसपास रहने वाली राजकीय परिवारों की महिलाएं आमोद-प्रमोद के लिए यहां आती थीं। महल के मेहराब बहुत आकर्षक हैं।

हाउस ऑफ विक्टरी

हाउस ऑफ विक्टरी स्थान विजयनगर के शासकों का आसन था। इसे कृष्णदेवराय के सम्मान **में बनवाया गया जिन्होंने युद्ध में ओडिशा के राजाओं को पराजित किया था। वह हाउस ऑफ विक्टरी के विशाल सिंहासन पर बैठते थे और नौ दिवसीय दसारा पर्व को यहां से देखते थे।**

संग्रहालय

कमलापुर में स्थित पुरातत्व विभाग का संग्रहालय बहुत-सी प्राचीन मूर्तियों और हस्तशिल्पों का सग्रंह है। इस क्षेत्र की समस्त हस्तशिल्पों को यहां देखा जा सकता है।

हाथीघर

हम्पी का हाथीघर जीनान क्षेत्र से सटा हुआ है। यह गुम्बदनुमा इमारत है जिसका इस्तेमाल राजकीय हाथियों के लिए किया जाता था। इसके प्रत्येक चेम्बर में एक साथ ग्यारह हाथी रह सकते थे। यह हिन्दू-मुस्लिम निर्माण कला का उत्तम नमूना है।

कब जाएं

अक्टूबर से मार्च की अवधि हम्पी जाने के लिए सबसे उत्तम मानी जाती है। हम्पी जाने के लिए हवाई, रेल और सड़क मार्ग को अपनी सुविधानुसार अपनाया जा सकता है। हम्पी जाने के लिए होस्पेट जाना पड़ता है। हैदराबाद से होस्पेट के लिए रेल है। होस्पेट से आगे 15 किलोमीटर की दूरी पर हम्पी है।

हवाई मार्ग

हम्पी से 77 किलोमीटर दूर बेल्लारी सबसे नजदीकी हवाई अड्डा है। बैंगलोर से बेल्लारी के लिए नियमित उड़ानों की व्यवस्था है। बेल्लारी से राज्य परिवहन की बसों और टैक्सी द्वारा हम्पी पहुंचा जा सकता है।

रेल मार्ग

हम्पी से 13 किलोमीटर दूर होस्पेट नजदीकी रेलवे स्टेशन है। यह रेलवे स्टेशन हुबली, बैंगलोर, गुंटाकल से जुड़ा हुआ है। होस्पेट से राज्य परिवहन की नियमित बसें हम्पी तक जाती हैं।

सड़क मार्ग

होस्पेट से सड़क मार्ग के द्वारा हम्पी पहुंचा जा सकता है। हम्पी बेलगांव से 190 किलोमीटर दूर बेंगलुरु से 350 किलोमीटर दूर, गोवा से 312 किलोमीटर दूर है।

मंदिर की छत दो बार बनाई गई थी। लेकिन पहली बार आग से छत नष्ट हो गयी।और दूसरी बार छत ढह गई। फिर भगवान शिव स्वयं एक भक्त के सपनों में प्रकट हुए और कहा: "मैं तड़केश्वर महादेव हूं। मुझे सूर्य की किरणों की आवश्यकता है। इसलिए, मंदिर की छत को फिर से नहीं बनाना चाहिए।" उसी दिन से ताड़केश्वर महादेव के मंदिर का निर्माण इस तरह किया गया की शिवलिंग पर सूर्य की किरणे गिरते रहे।

800 साल पुराना शिवालय

गुजरात में तड़केश्वर महादेव मंदिर में सूर्य की किरणें करती हैं शिवजी का अभिषेक

दक्षिण गुजरात के वलसाड जिले में वांकी नदी के किनारे बसा है अब्रामा गांव। यहां विराजमान हैं प्राचीन अलौकिक तड़केश्वर महादेव। भोलेनाथ के इस मंदिर पर शिखर का निर्माण संभव नहीं है, इसलिए सूर्य की किरणें सीधे शिवलिंग का अभिषेक करती हैं।

1994 में हुआ था जीर्णोद्धार

1994 में मंदिर का जीर्णोद्धार कर 20 फुट के गोलाकार आकृति में खुले शिखर का निर्माण किया गया। शिव भक्त-उपासक हर समय यहां दर्शन कर धर्मलाभ अर्जित करने आते रहते हैं। पावन श्रावण माह व महाशिव रात्रि पर यहां विशाल मेला लगता है।

स्वप्न में शिव जी ने बताया था

800 वर्ष पुराने इस अलौकिक मंदिर के बारे में उल्लेख मिलता है कि एक ग्वाले ने पाया कि उसकी गाय हर दिन झुंड से अलग होकर घने जंगल में जाकर एक जगह खड़ी होकर अपने आप दूध की धारा प्रवाहित करती है। ग्वाले ने अब्रामा गांव लौटकर ग्रामीणों को उसकी सफेद गाय द्वारा घने वन में एक पावन स्थल पर स्वतः दुग्धाभिषेक की बात बताई। शिव भक्त ग्रामीणों ने वहां जाकर देखा तो पवित्र स्थल के गर्भ में एक पावन शिला विराजमान थी।

फिर शिव भक्त ग्वाले ने हर दिन घने वन में जाकर शिला अभिषेक-पूजन शुरू कर दिया। ग्वाले की अटूट श्रद्धा पर शिवजी प्रसन्न हुए। शिव जी ने ग्वाले को स्वप्न दिया और आदेश दिया कि घनघोर वन में आकर तुम्हारी सेवा से मैं प्रसन्न हूं। अब मुझे यहां से दूर किसी पावन जगह ले जाकर स्थापित करो। ग्वाले ने ग्रामीणों को स्वप्न में मिले आदेश की बात बताई।

कभी बन नहीं पाया शिखर

ग्वाले की बात सुनकर सारे शिव भक्त ग्रामीण वन में गए। पावन स्थल पर ग्वाले की देखरेख में खुदाई की तो यह शिला सात फुट की शिवलिंग स्वरूप में निकली। फिर ग्रामीणों ने पावन शिला को वर्तमान तड़केश्वर मंदिर में विधि-विधान से प्राण प्रतिष्ठित किया। साथ ही चारों ओर दीवार बना कर ऊपर छप्पर डाला। ग्रामीणों ने देखा कि कुछ ही वक्त में यह छप्पर स्वतः ही सुलग कर स्वाहा हो गया।

ऐसा बार-बार होता गया, ग्रामीण बार-बार प्रयास करते रहे। ग्वाले को भगवान ने फिर स्वप्न में बताया मैं तड़केश्वर महादेव हूं। मेरे ऊपर कोई छप्पर-आवरण न बनाएं। फिर ग्रामीणों ने शिव के आदेश को शिरोधार्य किया। शिवलिंग का मंदिर बनवाया लेकिन शिखर वाला हिस्सा खुला रखा ताकि सूर्य की किरणें हमेशा शिवलिंग पर अभिषेक करती रहें। तड़के का अभिप्राय धूप है जो यहां शिव जी को प्रिय है।

हिमाचल के सोलन की हसीन वादियों में बसा है एशिया का सबसे ऊंचा शिव मंदिर

दोस्तों आपको पता ही होगा की **भारत देश मंदिरो** का देश हैं। वैसे तो **भारत में कई खूब**सूरत मंदिर है जिन्हें **देखने हर साल दे**श-विदेश से करोड़ों **सैलानी आते हैं।** लेकिन हम जिस भव्य **शिव मंदिर के बारे** में आज बताने जा रहे **है वो है हिमाचल** प्रदेश के सोलन की **हसीन वादियों में स्ति**थ जटोली का शिव **मंदिर।**

जटोली शिव मंदिर को एशिया का **सबसे ऊंचा शिव मंदि**र कहा जाता हैं। हाल **ही में मंदिर में 11 फु**ट लंबा स्वर्ण कलश **चढ़ाया गया हैं। इस**से जटोली शिव मंदिर **की ऊंचाई** करीब 122 फुट तक पहुंच गई है।

देवो के देव महादेव का यह मंदिर सोलन से करीब 6 किलोमीटर दूर है। दक्षिण-द्रविड़ शैली में बने भोलेनाथ के इस मंदिर की नक्काशी की सुंदरता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है की इस शिव मंदिर को बनने में करीब 39 साल का समय लगा।

ऐसा माना जाता है की भोलेनाथ ने यहां कुछ समय के लिए यहाँ विश्राम किया था। उसके बाद तपस्वी बाबा स्वामी कृष्णानंद परमहंस के मार्गदर्शन पर 1973 में जटोली शिव मंदिर का निर्माण कार्य शुरू हुआ।

इस मंदिर के चारों तरफ आप कुदरत के बेहतरीन नजारों का भी लुफ़्त ले सकते हैं।

कैसे पहुंचे :

सोलन से बस/टैक्सी से राजगढ़ रोड होते हुए आसानी से जटोली शिव मंदिर पंहुचा जा सकता है। सड़क से करीबन 100 सीढ़ियां चढ़ने के बाद महादेव के दर्शन होते हैं।

जीत के बाद भावुक होकर विराट बोले, मेरा दिल और आत्मा आरसीबी के साथ

मैंने अपनी जवानी और अनुभव सहित सभी टीम को दिया

अहमदाबाद (एजेंसी)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की जीत के बाद उसके पूर्व कप्तान विराट कोहली अपनी भावनाओं पर काबू नहीं कर पाये। विराट ने कहा कि मेरा दिल बेंगलुरु के साथ है, मेरी आत्मा बेंगलुरु के साथ है। ये कहते हुए उनकी आंखों से आंसू निकल गये। तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड ने जैसे ही 20वें ओवर की अंतिम गेंद फेंकी। जीत की खुशी में विराट की आंखों से आंसू गिरने लगे। अपना चेहरा उन्होंने छिपा लिया। आरसीबी के खिलाड़ियों ने उन्हें घेर लिया। 18 नंबर की जर्सी का खिताबी इंतजार 18 साल में जो समाप्त हुआ था। तीन फाइनल हारने के बाद आरसीबी पहली बार कोई फाइनल जीती है। ये क्षण विराट पर भरोसा करने वाली एक टीम के लिए भावुक करने वाला था। पिछले 18 साल की असफलता और निराशा इस एक पल में कहीं पीछे हो गई। एक खिताब जिसकी तलाश में विराट थे वह आखिरकार उन्हें मिल ही गया। विराट ने जीत के बाद कहा कि ये ट्रॉफी जितनी मेरे लिए है, उतनी ही प्रशंसकों के लिए भी कीमती है। पिछले 18 साल हो गए हैं। मैंने इस टीम को अपनी जवानी, अपना अनुभव सहित सब कुछ दिया है। मैं हर सीजन में इसे जीतने की कोशिश की थी। अंत में ये जीत हासिल करना विश्वसनीय एहसास है। इसी कारण आखिरी गेंद फेंके जाने के बाद मैं भावनाओं से भर गया था। मैंने इसके लिए अपनी पूरी ताकत लगा दी थी यह एक अनोखा अनुभवी है। विराट के एकमात्र क्रिकेटर है, जो लगातार एक ही टीम से खेल रहे हैं।

बिहार के राजगीर में तेजी से बन रहा अंतराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम

पटना (एजेंसी)। बिहार की राजधानी पटना में राजगीर अंतराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम के निर्माण का काम तेजी से चला रहा है। इससे राष्ट्रीय एवं अंतराष्ट्रीय मैचों के आयोजन के साथ-साथ स्थानीय खिलाड़ियों को उच्च स्तरीय प्रशिक्षण और खेल सुविधाएं मिल सकेंगी। ये स्टेडियम अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप है। इसमें अत्याधुनिक हाई मास्ट लाइट, साउंड सिस्टम, वाटर सप्लाई, फायर अलार्म, फायर फाइटिंग सिस्टल भी लगाया जा रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार स्टेडियम में लाल मिट्टी से बनाई जा रही 6 क्रिकेट पिचों का कार्य पूरा हो गया है। पिच पर घास लगाने का कार्य भी पूर्ण कर लिया गया है। काली मिट्टी से 7 क्रिकेट पिच बनाई गई है। पिच पर घास लगाने का कार्य तेजी से किया जा रहा है। इसके अलावा जनरल स्टैंड ईस्ट, जनरल स्टैंड वेस्ट तथा रिवर्स पवेलियन का सिविल वर्क भी तेजी से पूरा किया जा रहा है। सिविल वर्क के साथ ही फिनिशिंग वर्क भी किया जा रहा है। क्रिकेट स्टेडियम में मुख्य पवेलियन का कार्य पूरा हो गया है। इस काम देख रही कंपनी के अनुसार अगले दो महीने में क्रिकेट स्टेडियम को मैच के लिए तैयार कर लिया जाएगा। वहीं जिला प्रशासन की ओर से कहा गया है कि समय सीमा में इस काम को पूरा करने के आदेश दिये गये है। साथ ही कहा कि उन्होंने कहा कि सभी मानकों को ध्यान में रखकर कार्य पूर्ण किये जाने की शर्त रखी गयी है। मैदान पर घास लगाने का कार्य शुरू हो गया है, जिसे जल्द पूर्ण करने के लिए कहा गया है। बारिश होने पर मैदान से पानी निकासी हेतु ड्रेनेज प्रणाली विकसित की गई है। मैदान के बाहरी एरिया को विकसित करने के लिए समुचित निदेश दिया गया। इस स्टेडियम का निर्माण 72843 वर्गमीटर भूखण्ड पर किया जा रहा है जिसमें 40,000 दर्शकों के बैठने की व्यवस्था होगी। स्टेडियम अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस होगा, जिसमें खिलाड़ियों के लिए विशेष पवेलियन, कोच और मैनेजर के लिए बैठने की विशिष्ट व्यवस्था, वीवीआईपी अतिथियों के लिए विशेष स्टैंड शामिल होगा।

भारतीयों की मालिकाना हक वाली विदेशी टी-20 टीमों में पाकिस्तानी खिलाड़ियों की भरमार

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत सरकार ने 2008 के मुंबई आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान के साथ क्रिकेट संबंधों पर रोक लगा रखी है। न सिर्फ द्विपक्षीय श्रृंखलाएं रुकी हैं, बल्कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में भी पाकिस्तानी खिलाड़ियों पर पूरी तरह प्रतिबंध लगा हुआ है। इसके पीछे मुख्य कारण पाकिस्तान द्वारा प्रायोजित आतंकी गतिविधियां हैं, जिनके चलते भारतीय जनभावनाएं भी इसी दिशा में दृढ़ रही हैं। हालांकि, इसी दौरान एक विरोधाभासी तस्वीर विदेशी टी-20 लीगों में देखने को मिल रही है, जहां भारतीय उद्यमियों और कंपनियों के स्वामित्व वाली टीमों में पाकिस्तानी या पाक मूल के खिलाड़ियों की बड़ी संख्या में भागीदारी देखी जा रही है।

संयुक्त अरब अमीरात, अमेरिका और वेस्टइंडीज में चल रही टी-20 लीग प्रतियोगिताओं में कई ऐसी टीमें हैं जिनके मालिक भारतीय हैं, लेकिन उनके खिलाड़ी पाकिस्तानी हैं। इनमें रिलायंस समूह, अदाणी समूह, कोलकाता नाइट राइडर्स के मालिक शाहरुख खान, और यहां तक कि माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ सत्य नाडेला तक शामिल हैं। इन टीमों में कई खिलाड़ी ऐसे हैं जो कभी पाकिस्तान के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेल चुके हैं या फिर हाल ही में दूसरे देशों की नागरिकता लेकर वहां की लीगों में खेल रहे हैं।

उदाहरण के लिए, यूएई में इंटरनेशनल लीग टी-20 की टीम 'अबूधाबी नाइट राइडर्स' में अली खान और इबरार अहमद जैसे खिलाड़ी हैं, जबकि इसके मालिक हैं कोलकाता नाइट राइडर्स के भारतीय स्वामित्व वाले कारोबारी। 'एमआई एमिरेट्स', जो रिलायंस ग्रुप की टीम है, उसमें मोहम्मद वसीम, जहूर खान जैसे पाक मूल के खिलाड़ी खेल रहे हैं। अमेरिका की मेजर लीग क्रिकेट में 'सैन फ्रांसिस्को यूनिकॉर्न्स' टीम के पास हैरिस रऊफ और हसन खान जैसे सीधे पाकिस्तान से आने वाले खिलाड़ी हैं। इस टीम के मालिक वेंकी हरिनारायण और आनंद राजारमन जैसे भारतीय मूल के लोग हैं। सिएटल ऑरकॉस टीम में पाकिस्तान मूल के शायन जहांगीर हैं और यह टीम माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ सत्य नाडेला के स्वामित्व में है। टेक्सॉस सुपर किंग्स, लॉस एंजेल्स नाइट राइडर्स, और वॉशिंगटन फ्रीडम जैसी टीमों में भी पाकिस्तानी खिलाड़ी सक्रिय रूप से शामिल हैं, जिनके मालिक भारतीय हैं। यह स्थिति ऐसे समय में सामने आ रही है जब भारत और पाकिस्तान के संबंध बेहद संवेदनशील हैं और राष्ट्रीय स्तर पर पाकिस्तानी क्रिकेट से दूरी बनाई गई है।

लीग क्रिकेट के प्रति आकर्षित होकर समय से पहले संन्यास ले रहे खिलाड़ी

–आने वाले समय में क्लब कल्चर हावी होगा

मम्बई (एजेंसी)। जिस प्रकार ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल और दक्षिण अफ्रीका के हेनरिक क्लासेन ने टी20 लीग में खेलने अचानक ही अंतराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। उससे ये संकेत मिल रहे हैं कि भविष्य में क्रिकेट में भी क्लब कल्चर आयेगा। मैक्सवेल और क्लासेन से पहले भी कई अन्य खिलाड़ियों ने भी ऐसा ही किया है। इसमें वेस्टइंडीज के सबसे अधिक खिलाड़ी हैं। इससे वेस्टइंडीज की टीम बेहद कमजोर हो गयी क्योंकि दिग्गज खिलाड़ी राष्ट्रीय टीम की जगह लीग क्रिकेट को प्राथमिकता देने लगे। खिलाड़ियों इस बदलाव के पीछे व्यक्तिगत प्राथमिकताएं, वित्तीय लाभ, और खेल की बढ़ती व्यावसायिकता शामिल हैं। पहले वेस्टइंडीज के खिलाड़ी ही देश के बजाए फ्रेंचाईजी क्रिकेट को अधिक वरीयरता दे रहे था पर अब इनमे कई और देशों के खिलाड़ी भी शामिल होने लगे हैं। न्यूजीलैंड के अनुभवी बल्लेबाज केन विलियमसन सहित कई खिलाड़ियों ने केन्द्रीय अनुबंध देने से हंकार कर दिया है।

हाल के एक सर्वेक्षण के अनुसार विभिन्न देशों के 60 फीसदी सबे अधिक प्रमुख खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को छोड़कर केवल घरेलू फेंचाइजी लीगों में खेलने पर विचार कर रहे हैं. इसका मुख्य कारण लीगों में बेहतर वित्तीय अवसर और कम समय की प्रतिबद्धताएं हैं। इसके परिणामस्वरूप, अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की प्राथमिकता में कमी और लीगों की बढ़ती लोकप्रियता देखी जा रही है। जिस उम्र में खिलाड़ी सन्यांस ले रहे है वो खेल में सबसे बेहतरीन प्रदर्शन करने के लिए सबसे अच्छा माना जाता रहा है।

खिलाड़ियों का यह रुझान अब फ्रेंचाइजी क्रिकेट की तरफ ज्यादा बढ़ रहा है जो खेल की संरचना में बदलाव का संकेत देता है कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि यदि यह प्रवृत्ति जारी रहती है, तो अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की प्रतिष्ठा प्रभावित होगी। न्यूजीलैंड के पूर्व बल्लेबाज रॉस टेलर ने इसपर चिन्ता जतायी है, और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को प्राथमिकता देने की आवश्यकता पर जोर दिया है पर किसी भी देश के पास अपने स्टार खिलाड़ियों को रोकने के लिए कोई योजना नहीं है। खिलाड़ियों को केवल सेंट्रल अनुबंध देकर नहीं रोका जा सकता. मैक्सवेल और क्लासेन दोनों ने के संन्यास के कारण अलग-अलग हैं, लेकिन दोनों ही खिलाड़ियों ने अपने करियर के इस मोड़ पर व्यक्तिगत और पेशेवर कारणों का हवाला दिया है। .

क्लासेन ने 33 वर्ष की आयु में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लिया। उन्होंने पारिवारिक समय और बेहतर कार्य-जीवन संतुलन को प्राथमिकता दी है हालांकि वह फ्रेंचाइजी लीगों में खेलते रहेंगे। इससे जो संकेत मिल रहे है कि उनको अगले कुछ सालों के लिए फ्रेंचाइजी क्रिकेट के तमाम अनुबंध हैं। मैक्सवेल ऑस्ट्रेलिया के इस ऑलराउंडर ने वनडे क्रिकेट से संन्यास लिया, ताकि वह 2026 टी20 विश्व कप पर ध्यान केंद्रित कर सकें और फ्रेंचाइजी लीगों में अपनी प्रतिबद्धताओं को पूरा कर सकें। एविन लुईस वेस्ट इंडीज के इस बल्लेबाज ने 2024 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लिया और फ्रेंचाइजी क्रिकेट में सक्रिय रहने का फैसला किया। उन्होंने विभिन्न लीगों में खेलते हुए अपनी पहचान बनाई है.

श्रीलंकाई तेज गेंदबाज लसिथ मलिंगा ने 2021 में फ्रेंचाइजी क्रिकेट से संन्यास लिया था पर वह आईपीएल खेल रहे हैं। वहीं दक्षिण अफ्रीका के स्टार बल्लेबाज एबी डिविलियर्स ने 2021 में रिटायरमेंट लिया वह भी लीग क्रिकेट में सक्रिया हैं। फ्रेंचाइजी क्रिकेट में सक्रिय रहे कम उम्र में जिस तरह से तमाम क्रिकेटर इंटरनेशनल क्रिकेट से रिटायर हो रहे है उससे एक संकेत तो साफ है कि फंचाइज क्रिकेट का बाजार और उसकी चमक धमक खिलाड़ियों को बेहतर भविष्य के संकेत दे रही है और सभी देशों के क्रिकेट बोर्ड उन्हें रोक नहीं पा रहें हैं।

क्रिकेटर कुलदीप यादव ने कानपुर की वंशिका से की सगाई, लखनऊ में हुआ समारोह

लखनऊ । भारतीय टीम के गेंदबाज कुलदीप यादव ने बुधवार को लखनऊ में सगाई कर ली है। कुलदीप ने कानपुर की ही रहने वाली वंशिका से सगाई की है। वंशिका

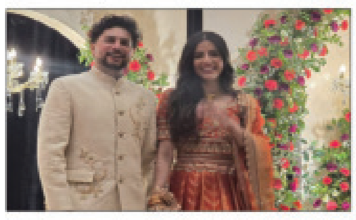

कानपुर के लाल बंगला इलाके की रहने वाली हैं। वह ऑस्ट्रेलिया में जॉब करती हैं और उनके पिता एलआईसी में अधिकारी हैं। कुलदीप और वंशिका की सगाई लखनऊ स्थित होटल में हुई, जिसमें क्रिकेटर रिंकू सिंह भी शामिल हुए। 14 दिसंबर 1994 को कुलदीप यादव का जन्म उत्तर प्रदेश के उन्नाव जिले में हुआ। वह नौ साल की उम्र तक यहीं रहे। इसके बाद पढ़ाई और प्रशिक्षण के लिए पिता परिवार सहित कानपुर शिफ्ट हो गए थे। कुलदीप पहले एक तेज गेंदबाज बनना चाहते थे। लेकिन कोच की सलाह पर स्पिन गेंदबाज बने।

आईपीएल ट्रॉफी के साथ बेहद खुश नजर आये विराट और अनुष्का

अहमदाबाद। रॉयल चैलेंजर्स बैंगलुरू (आरसीबी) के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में खिताबी जीत के बाद भावुक हो गये और दौड़कर अपनी पत्नी अनुष्का शर्मा के पास पहुंच गये। इस दौरान अनुष्का भी भावुक नजर आयीं क्योंकि टीम ने जो सपना देखा था वह अब साकार हुआ। विराट एक दशक से अधिक समय से इस जीत का इंतजार कर रहे थे। साल 2008 से ही वह आरसीबी से खेल रहे थे इस दौरान टीम तीन बार फाइनल में भी पहुंची थी पर उसे खिताब नहीं मिल पाया था। इस बार ट्रॉफी के साथ विराट और अनुष्का बेहद खुश दिखे।

इंग्लैंड ने वनडे सीरीज में वेस्टइंडीज का किया सुपड़ा साफ

द ओवल (इंग्लैंड) (एजेंसी)। गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन के बाद जेमी स्मिथ (64), बेन डकेट (58), जो रूट (44) और जॉश बटलर (नाबाद 41) रनों की शानदार पारियों की बदौलत इंग्लैंड ने वर्षा बाधित तीसरे एकदिवसीय मुकाबले में वेस्टइंडीज को डीएलएस पद्धति से 62 गेंदें शेष रहते 7 विकेट से विकेट से हरा कर तीन मैचों की श्रृंखला भी 3-0 से अपने नाम कर ली है।

केनिंगटन ओवल स्टेडियम में मंगलवार देर रात खेले गये मुकाबले में इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी वेस्टइंडीज ने शरफेन रदरफोर्ड (70), गुडाकेश मोती (63) की अर्धशतकीय पारियों और अल्जारी जोसेफ(41), केसी कार्टी (29), ब्रैंडन किंग (16) और जस्टिन ग्रीव्स (12) रनों के योगदान से 40 ओवरों में नौ विकेट पर 251 रनों का स्कोर खड़ा किया। मैच दो बार प्रभावित हुआ।

यातायात जाम की समस्या के कारण वेस्टइंडीज की टीम टॉस के लिए तय समय पर मैदान तक नहीं पहुंच सकी। इसके बाद बारिश के कारण 90 मिनट का खेल प्रभावित हुआ। इंग्लैंड की ओर से आदिल रशीद ने तीन विकेट लिए। साकिब महमूद, ब्राइडन कार्स और मैथ्यू पॉट्स को दो-दो विकेट मिले।

इंग्लैंड के लिए जेमी स्मिथ और बेन डकेट की सलामी जोड़ी ने तूफानी अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए पहले विकेट के लिए 93 रन जोड़े। सातवें ओवर में गुडाकेश मोती ने जेमी स्मिथ 28 गेंदों में (64) रन को बोल्ड कर वेस्टइंडीज को पहली सफलता दिलाई। इंग्लैंड का दूसरा विकेट बेन डकेट 46 गेंदों में (58) रन के रूप में गिरा। उन्हें 16वें ओवर में रॉस्टन चेज ने लुईस के हाथों कैच आउट कराया। जो रूट (44) का शमारा जोसेफने शिकार किया।

इंग्लैंड ने 29.4 ओवर में तीन विकेट पर 246 रन बनाकर डीएलएस पद्धति से मैच 62 गेंदें शेष रहते सात विकेट से जीत लिया। कप्तान हैरी ब्रूक (26) और जॉस बटलर (41) रन बनाकर नाबाद रहे। इंग्लैंड ने डकवर्थ लुईस पद्धति से 40 में जीत के लिए 246 रन के लक्ष्य का लक्ष्य मिला जिसे उसने 62 गेंद बाकी रहते हासिल कर लिया। वेस्टइंडीज की ओर से अल्जारी जोसेफ गुडाकेश मोती और रॉस्टन चेज ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

विराट की भूमिका निभाना चाहते थे शाहरुख

मुम्बई । हाल ही में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने वाले भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली विश्व के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में शामिल रहे हैं। विराट ने पहले ही टी20 से संन्यास ले लिया था और अब वह केवल एकदिवसीय खेलते हैं। विराट की फिटनेस और उसके खेल के प्रशंसक भारत ही नहीं दुनिया भर मे हैं। बॉलीवुड अभिनेता और आईपीएल में कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) टीम के मालिक शाहरुख खान भी विराट के एक बड़े प्रशंसक हैं। शाहरुख का एक पुराना बयान वायरल हो रहा है, जिसमें उन्होंने कहा था कि वह फिल्म में विराट की भूमिका निभाना चाहेंगे। शाहरुख एक ऐसे अभिनेता तो अपने को भूमिका में पूरी तरह से ढाल लेते हैं। शाहरुख स्पोर्ट्स ड्रामा भी कर चुके हैं। साल 2017 में 'जब हैरी मेट सेजल' के प्रोमोशनल इवेंट में जब उन्से पू छा गया था कि अगर उन्हें किसी क्रिकेटर का रोल निभाना हो तो वे किसे चुनेंगे। तब उन्होंने बिना किसी हिचकिचाहट के कहा था 'विराट कोहली।' तब शाहरुख ने मुस्कुराते हुए कहा, 'मैं कोहली की तरह जुनून से भरा खिलाड़ी बनना चाहूंगा। उनकी एनर्जी और दबाव में शानदार प्रदर्शन करने की क्षमता मुझे हैरान करती है।' यह सुनकर फिल्म की हीरोइन और तब विराट की गर्लफ्रेंड रही अनुष्का शर्मा ने मजेदार अंदाज में जवाब दिया। उन्होंने कहा, ' इसके लिए आपको दाढ़ी तो बढ़ानी पड़ेगी।' इस पर शाहरुख ने अपने अंदाज में जवाब दिया, मैंने 'हैरी मेट सेजल' में दाढ़ी रखी थी न! मैं तो बिल्कुल विराट जैसा लग रहा था।.'इस जवाब से वहां सभी लोग हंसने लगे थे।

भारतीय क्रिकेट के नए 'कैप्टन कूल' के तौर पर उभरे श्रेयस अय्यर

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोलकाता नाइट राइडर्स के 10 साल के खिताबी सूखे को पिछले बरस खत्म करने वाले श्रेयस अय्यर पंजाब किंग्स को पहली बार इंडियन प्रीमियर लीग चैंपियन बनाने से बेहद मामूली अंतर से चूक गये लेकिन उन्होंने खुद को एक ऐसे कप्तान के रूप में स्थापित कर लिया है जिसकी भारत को शायद भविष्य में आवश्यकता हो सकती है।

महेंद्र सिंह धोनी और रोहित शर्मा के बाद अय्यर आईपीएल के तीन फाइनल में पहुंचाने वाले तीसरे कप्तान बन गए हैं। उनकी यह उपलब्धि बेहद ही खास है क्योंकि उन्होंने पिछले पांच सालों में तीन अलग-अलग फ्रेंचाइजी टीमों के साथ ऐसा किया है। यह एक ऐसे खिलाड़ी के लिए काफी बड़ी बात है, जिसे इस महीने इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय टेस्ट टीम में जगह नहीं मिली है। केकेआर ने पिछले साल उन्हें जाने दिया क्योंकि फ्रेंचाइजी को बड़ी रिटेंशन फीस (टीम में बनाये रखने की रकम) की उनकी मांग उचित नहीं लगी।

केकेआर का यह नुकसान पंजाब किंग्स के लिए एक बड़ा फायदा साबित हुआ। पंजाब की टीम को 30 वर्षीय खिलाड़ी के रूप में एक समझदार और जज्बे वाला कप्तान मिला। ऐसा कप्तान जो करियर के उतार-चढ़ाव को शालीनता से संभालना जानता हो। शुभमन गिल की कप्तानी की परीक्षा अभी नहीं हुई है। उन्हें इंग्लैंड में कप्तान के रूप में कड़ी परीक्षा का सामना करना पड़ेगा। लेकिन तीन जून 2025 के बाद श्रेयस संतोष अय्यर को भारतीय क्रिकेट के सर्वश्रेष्ठ कप्तानों में से एक माना जाना चाहिए।

अय्यर की कप्तान में अपनी समझदारी के साथ करिश्माई महेंद्र सिंह धोनी जैसा संयम और विराट कोहली जैसा आक्रामक रवैया के साथ मुंबई के उनके सीनियर रोहित शर्मा की तरह एक 'बिंदास मुंबईकर' के मिश्रण का पुट दिखा। आईपीएल के फाइनल में मंगलवार को आरसीबी के खिलाफ छह रन की हार के बावजूद अय्यर के आत्मविश्वास में कोई कमी नहीं दिखी। उन्होंने निराशा को पीछे छोड़ते हुए कहा, 'अभी काम आधा बाकी है, हमें अगले साल जीतना है।'

इंग्लैंड के लिए टीम में उनका न होना पंजाब किंग्स के कोच रिकी पोंटिंग के लिए भी काफी हैरानी भरा रहा। पोंटिंग ने आईपीएल प्लेऑफ से पहले 'आईसीसी रिव्यू' में कहा था, 'मैं वास्तव में बहुत दुखी था लेकिन उसने इसे बहुत अच्छे से स्वीकार कर लिया है और वह आगे बढ़ गया है। उनकी आंखों में हर बार अच्छा प्रदर्शन करने की ललक रहती है। वह हर मैच को जीतना चाहता है और एक सर्वश्रेष्ठ कप्तान के रूप में विकसित होना चाहता है।%

दो बार के विश्व कप विजेता कप्तान का यह बयान काफी मायने रखता है। पोंटिंग ने यह बात सिर्फ अपने फ्रेंचाइजी कप्तान का समर्थन करने के लिए नहीं कही। इन दोनों के बीच काफी पुराना रिश्ता है। साल 2017 में जब गौतम गंभीर ने बीच सत्र में कप्तानी छोड़ने का फैसला किया, तो पोंटिंग की सलाह पर ही अय्यर दिल्ली आईपीएल फ्रेंचाइजी के कप्तान बने। दिल्ली की फ्रेंचाइजी 2020 में आईपीएल फाइनल में पहुंची जो इस टीम की इस लीग की अब तक की सबसे बड़ी उपलब्धि है। चोट के कारण ब्रेक लेने के बाद कैपिटल्स ने फैसला किया कि वे उन्हें टीम में बरकरार रख ऋषभ पंत को खोने का जोखिम नहीं उठा सकते हैं। पंत उस समय के उभरते सितारे थे और कप्तानी की महत्वाकांक्षा रखते थे।

अय्यर इसके बाद केकेआर के कप्तान बने और टीम 2024 में चैंपियन बनी। अय्यर को हालांकि इस खिताब का ज्यादा श्रेय नहीं मिला क्योंकि उन्होंने टीम की जरूरतों के हिसाब से निचले क्रम में बल्लेबाजी की। टीम के तत्कालीन मेंटोर और भारतीय टीम के मौजूदा कोच गंभीर को रणनीतिक सूझबूझ के लिए ज्यादा श्रेय मिला। कप्तान के सहज निर्णय और

समझदारी की गयी तैयारियों पर किसी का ज्यादा ध्यान नहीं गया। कोई खिलाड़ी हालांकि दो अलग-अलग फ्रेंचाइजी टीमों का नेतृत्व करते हुए अलग-अलग प्रबंधन, अलग-अलग विचारधारा और खिलाड़ियों की बदलती सूची के साथ लगातार दो सत्र में फाइनल तक पहुंचता है तो उसकी रणनीतिक प्रतिभा को लंबे समय तक अनदेखा नहीं किया जा सकता है।

अय्यर को आखिरकार इस सत्र में उसका हक मिल गया। इससे यह भी साफ हो गया कि मैच की परिस्थितियों की समझ और रणनीति पर उसकी पकड़ बेजोड़ थी। उन्हें पता था कि जिन पिचों पर उछाल की कमी है, वहां काइल जैमीसन की 'बैक ऑफ द लेंथ' गेंदें कारगर साबित होंगी और यह मास्टरस्ट्रोक साबित हुआ।

गुजरात टाइटन्स के खिलाफ उन्होंने विजयकुमार विशाख से बार-बार वाइड यॉर्कर डालने को कहा और यह कारगर साबित हुआ। क्वालीफायर दो में मुंबई इंडियंस के खिलाफ उन्होंने उनसे नकल बॉल से अपनी गेंदों की गति कम करने को कहा और यह कारगर भी रहा। उन्होंने दिखाया है कि रोहित शर्मा के वनडे से संन्यास लेने के बाद उन्हें टीम की कप्तानी के लिए मजबूत उम्मीदवार माना जा सकता है। वह 50 ओवर के प्रारूप में बेहतरीन बल्लेबाज हैं और जब टी20 या टेस्ट की बात आती है तो वह जल्द ही दोनों प्रारूपों की टीम में जगह बनाने का माद्दा रखते है।'

खिताब जीतते ही बदला आरसीबी का नारा

अहमदाबाद । रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) कि मेहनत आखिरकार रंग लायी और रजत पाटीदार की कप्तानी में उसने आईपीएल खिताब अपने नाम किया। फाइनल में आरसीबी ने पहले खेलते हुए 190 रन बनाए। इसके जवाब में पंजाब किंग्स की टीम 184 रन ही बना पाई। इस मैच में लक्ष्य का पीछा करते हुए पंजाब की पारी लड़खड़ा गयी और उसके हाथ से मैच फिसल गया। वहीं आरसीबी ने बल्लेबाजी के बाद गेंदबाजी में भी प्रभावी प्रदर्शन किया। जीत के साथ ही आरसीबी का नारा भी बदल गया। अब तक जहां कन्नड़ भाषा में ई साला कप नमदे (इस बार कप हमारा होगा) का नारा टीम के खिलाड़ी लगाते थे। वहीं ट्रॉफी जीतते ही टीम का नारा भी बदल गया। इसी लिए टीम के कप्तान रजत पटीदार ने जीत के बाद कहा, ई साला कप नमदु। वहीं टीम के साथ लंबे समय तक रहे एबी डिविलियर्स ने नया नारा ई साल कप नमदु पोस्ट किया है। कन्नड़ में ई साला कप नमदु का मतलब होता है।] इस साल कप हमारा हुआ। आरसीबी ने इस सत्र में शानदार

प्रदर्शन करते हुए अपना अलग ही अंदाज दिखाया। फाइनल में उसने एक रोमांचक मुकाबले में पंजाब किंग्स को 7 रनों से हराया। इससे पहले भी आरसीबी तीन बार खिताबी मुकाबले में पहुंची थी पर तीनो ही बार उसे हार का सामना करना पड़ा था। वहीं साल 2008 में आईपीएल शुरु होने के 17 साल के बाद वह विजेता बनी है।।

देश के 27 राज्यों में फैला कोरोना का नया वैरिएंट, एडवाइजरी जारी

-अस्पतालों में मॉक ड्रिल के आदेश, मास्क पहनना किया अनिवार्य

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में कोरोना मरीजों की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है। मंगलवार को 300 नए केस सामने आए थे। सबसे ज्यादा गुजरात में 108 और महाराष्ट्र में 86 मामले सामने आए। इस तरह देश में सक्रिय केसों की संख्या 4302 हो गई है। कोरोना 27 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में अपने पैर पसार चुका है।

हालांकि 9 राज्यों में अब तक एक भी मामला सामने नहीं आया है। सबसे ज्यादा 1373 एक्टिव केस केरल में हैं। वहीं महाराष्ट्र 510 केसों के साथ दूसरे नंबर है। कोरोना के नए वैरिएंट्स से देश में जनवरी से अब तक 44 मौतें हो चुकी हैं। इनमें से 37 मरीजों की मौत बीते 5 दिन में हुई है। महाराष्ट्र में मंगलवार को 4 मरीजों की मौत हो गई। राज्य में मरने वाला की संख्या 14 हो गई है। इसके अलावा बीते दिन दिल्ली, गुजरात और तमिलनाडु में भी 1-1 मौत हो चुकी है।

हिमाचल प्रदेश में मंगलवार को कोरोना का पहला मामला सामने आया था। इसके बाद राज्य सरकार ने देर रात एडवाइजरी जारी कर सभी हॉस्पिटल में मास्क पहनना अनिवार्य कर दिया है। वहीं केरल सरकार ने नई गाइडलाइन जारी कर सभी सरकारी और प्राइवेट हॉस्पिटल को मॉक ड्रिल कराने का आदेश दिया है। देश में कोरोना के सबसे ज्यादा सक्रिय केस केरल राज्य में हैं। इसको देखते हुए राज्य सरकार ने बुधवार को हॉस्पिटल और हेल्थ वर्कर्स के लिए गाइडलाइंस जारी की है। इसके तहत राज्य के सभी हॉस्पिटल्स में मॉक ड्रिल होगी। इस दौरान कोरोना से बचाव के तरीकों को बताया जाएगा। साथ ही सर्दी, जुकाम, खांसी और बुखार जैसे लक्षण वाले मरीजों का कोविड टेस्ट अनिवार्य कर दिया है। हॉस्पिटल में मास्क लगाने के बाद ही एंट्री मिलेगी।

केंद्रीय स्वास्थ्य और आयुष राज्य मंत्री प्रतापराव जाधव ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग और आयुष मंत्रालय पूरी तरह से सतर्क है। सभी राज्यों के हालात पर नजर रखी जा रही है। उन्होंने कहा कि पिछली कोविड लहरों के दौरान बने ऑक्सीजन प्लांट, आईसीयू बेड जैसी चीजों की समीक्षा हो चुकी है। किसी भी स्थिति से निपटने के लिए तैयार हैं।

दिल्ली हाईकोर्ट ने सोमवार को कहा था कि कोविड की अगली महामारी अभी खत्म नहीं हुई है, बल्कि यह अभी भी सक्रिय है। कोर्ट ने केंद्र सरकार से सैंपल कलेक्शन सेंटर और ट्रांसपोर्ट पॉलिसी को लेकर की गई तैयारियों की जानकारी मांगी है। कोर्ट ने कहा कि 30 मई 2023 को हुई बैठक के बाद जो भी फैसले लिए गए, उन्हें लागू करने में अगर कोई खालीपन है तो यह गंभीर मामला है। जस्टिस गिरीश कथपालिया ने कहा कि यह मानकर चलना चाहिए कि जरूरी कदम और प्रोटोकॉल तय किए जा चुके होंगे, लेकिन संबंधित अधिकारियों को इसे रिकॉर्ड पर लाना चाहिए।

लुधियाना में उप-चुनाव, कांग्रेस के स्टार प्रचारकों की सूची में गायब नवजोत सिंह सिद्धू

लुधियाना (एजेंसी)। पंजाब के लुधियाना में 19 जून को उप-चुनाव होना है। इससे पहले अपने उम्मीदवार को मजबूत करने और उसके पक्ष में चुनाव प्रचार करने के लिए कांग्रेस हाईकमान ने स्टार प्रचारकों की सूची जारी की है। इस सूची में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व क्रिकेटर नवजोत सिंह सिद्धू का नाम नहीं है। सिद्धू कांग्रेस पार्टी के बड़े चेहरा हैं। उनका स्टार प्रचारकों में नाम न होने से चर्चाओं का दौर शुरू हो गया है। वहीं सूची में सबसे ऊपर नाम भूपेश बघेल का है। वहीं दूसरी ओर राहुल गांधी के अमेठी से सांसद किशोरी लाल शर्मा भी उप-चुनाव में मोर्चा संभालने वाले हैं। किशोरी लाल ने पूर्व केंद्रीय मंत्री और कलाकार स्मृति ईरानी को हराया। वहीं किशोरी खुद भी लुधियाना में कांग्रेस की सेवा कर चुके हैं। उनका लुधियाना से जमीनी नाता है। किशोरी लाल का परिवार अभी भी लुधियाना में ही रहता है। कांग्रेस उम्मीदवार भारत भूषण आशू के पक्ष में कुल 40 स्टार प्रचारक उप चुनाव में प्रचार के लिए आ रहे हैं। इन स्टार प्रचारकों में मुख्य चेहरे सचिन पायलट, मनीष तिवारी, अदाकार राज बब्बर, मोहम्मद सदीक और कन्हैया कुमार है। हिमाचल के सीएम सुखविंदर सिंह सुक्खू और डिप्टी सीएम मुकेश अग्निहोत्री का नाम भी लिस्ट में शामिल किया गया है। वहीं प्रदेश प्रधान अमरिंदर सिंह राजा, वड़िंग प्रताप सिंह बाजवा, पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी, सुखपाल सिंह खैहरा आदि के नाम भी प्रमुख है।

हाईकोर्ट ने राहुल गांधी को लगाई फटकार, कहा- अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता उचित प्रतिबंधों के अधीन

प्रयागराज (एजेंसी)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने भारतीय सेना पर कथित अपमानजनक टिप्पणी के लिए लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस के नेता राहुल गांधी को फटकार लगाई है। हाईकोर्ट की सिंगल बेंच ने कहा कि 'संविधान का अनुच्छेद 19(1)(ए) भाषण और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की गारंटी देता है, ' फिर भी यह उचित प्रतिबंधों के अधीन है। न्यायालय ने आगे कहा कि अनुच्छेद 19(1)(ए) उन बयानों पर लागू नहीं होता है जो 'भारतीय सेना के लिए अपमानजनक' हैं। 'इसमें कोई संदेह नहीं है कि भारत के संविधान का अनुच्छेद 19(1)(ए) भाषण और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की गारंटी देता है, यह स्वतंत्रता उचित प्रतिबंधों के अधीन है और इसमें किसी व्यक्ति या भारतीय सेना के लिए अपमानजनक बयान देने की स्वतंत्रता शामिल नहीं है।' पिछले सप्ताह सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति सुभाष विद्यार्थी ने भारतीय सेना के बारे में कथित अपमानजनक टिप्पणी पर निचली अदालत के समन को चुनौती देने वाली राहुल गांधी की याचिका को खारिज कर दिया था। आदेश पारित करने वाले न्यायमूर्ति सुभाष विद्यार्थी ने कहा कि अगले सप्ताह विस्तृत निर्णय सुनाया जाएगा। सरकार की कानूनी टीम ने तर्क दिया कि गांधी की याचिका स्वीकार्य नहीं है, क्योंकि उनके पास सत्र न्यायालय में अपील करने का विकल्प था। उन्होंने दावा किया कि शिकायत और गवाहों के बयानों के आधार पर प्रथम दृष्टया मामला बनता है। गांधी के वकील ने तर्क दिया कि शिकायत राजनीति से प्रेरित है और इसमें कोई दम नहीं है। यह मामला उदय शंकर श्रीवास्तव द्वारा दायर की गई शिकायत से उपजा है, जिन्होंने आरोप लगाया था कि गांधी ने अपनी भारत जोड़ो यात्रा के दौरान अपमानजनक टिप्पणी की थी।

राष्ट्रद्रोह वाद में कंगना रणौत को फिर नोटिस जारी, 30 जून को होगी अगली सुनवाई

आगरा (एजेंसी)। भाजपा सांसद एवं फिल्म अभिनेत्री कंगना रणौत के खिलाफ अधिवक्ता ने राष्ट्रद्रोह वाद दायर किया था। एमपी-एमएलए कोर्ट अनुज कुमार सिंह छह मई को खारिज कर दिया था। वादी अधिवक्ता ने सत्र न्यायालय में रिवीजन किया। जिला जज संजय कुमार मलिक ने फिर से कंगना को नोटिस जारी करने के आदेश दिए। 30 जून को अगली सुनवाई होगी। राजीव गांधी बार एसोसिएशन के अध्यक्ष वरिष्ठ अधिवक्ता रमाशंकर शर्मा ने किसानों पर अभद्र टिप्पणी और स्वतंत्रता सेनानियों के अपमान का आरोप लगाकर 11 सितंबर, 2024 को कंगना रणौत के खिलाफ कोर्ट में वाद दायर किया था। कोर्ट ने कंगना रणौत को पक्ष रखने के लिए हिमाचल प्रदेश स्थित कुल्लू मनाली और दिल्ली के पते पर तीन नोटिस भेजे थे। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद कोर्ट ने वाद खारिज कर दिया था। कहा था कि वादी अधिवक्ता के परिवार से किसानों के धरने में कोई मौजूद नहीं था। वाद प्रस्तुत करने से पहले भी राज्य सरकार, जिलाधिकारी से अनुमति नहीं ली थी। अगली सुनवाई 30 जून को होगी।

सीमावर्ती देशों के लिए एफडीआई नीति में कोई बदलाव नहीं : सरकारी सूत्र

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत सरकार ने स्पष्ट किया है कि भारत के साथ भूमि सीमा साझा करने वाले देशों के लिए प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) नीति में कोई बदलाव नहीं किया गया है। यह बयान उन मीडिया रिपोर्ट्स के बाद आया है, जिनमें दावा किया गया था कि चीन से आने वाले एफडीआई आवेदनों की प्रक्रिया में ढील दी गई है। सरकारी सूत्रों के अनुसार, वर्ष 2020 में जारी 'प्रेस नोट 3' अभी भी पूरी तरह प्रभावी है। इसके तहत चीन, पाकिस्तान, बांग्लादेश, नेपाल, भूटान, म्यांमार और अफगानिस्तान जैसे सीमावर्ती देशों से निवेश करने वालों को किसी भी क्षेत्र में निवेश से पहले सरकारी मंजूरी अनिवार्य है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, कि प्रेस नोट 3 भारत के सभी सीमावर्ती देशों पर समान रूप से लागू है और इसके बाद से एफडीआई नीति में कोई बदलाव नहीं किया गया है। वर्तमान में गृह सचिव की अध्यक्षता में एक अंतर-मंत्रालयी समिति 'प्रेस नोट 3' के अंतर्गत आने वाले एफडीआई आवेदनों पर विचार करती है।

रोजमर्रा के जीवन में एआई की भूमिका को लेकर भारतीय सबसे ज्यादा खुश

नई दिल्ली। रोजमर्रा के जीवन में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की बढ़ती भूमिका को लेकर दुनिया में भारतीय सबसे ज्यादा खुश हैं। एक रिपोर्ट में यह बात सामने आई कि एक सर्वे से पता चला है कि भारत में 30 फीसदी लोग एआई के विकास को लेकर खुश हैं। इसके अलावा रिपोर्ट में बताया गया कि भारत के 27 फीसदी पार्टिसिपेंट्स एआई को लेकर आशावादी दृष्टिकोण रखते हैं। वहीं सर्वे में 55 फीसदी भारतीयों ने एआई के साथ उच्च इंगेजमेंट की संभावना जताई, उसके बाद 51 फीसदी के साथ यूएई और 48 फीसदी इंडोनेशिया का नंबर आता है। इसके अलावा सर्वे में कहा गया कि दुनिया भर में केवल 16 फीसदी पार्टिसिपेंट्स एआई के भविष्य के प्रभाव को लेकर आशावादी हैं, जबकि 7 फीसदी लोगों का कहना है कि वे इससे खुश हैं। सबसे ज्यादा आशावादी लोग हांगकांग के हैं, जहां 33 फीसदी लोगों ने एआई को लेकर सकारात्मकता दिखाई। यूएई के 21 फीसदी एआई के विकास को लेकर उत्साहित हैं। सर्वे से यह भी पता चला है कि अगले दशक में रोजमर्रा की जिंदगी में एआई की बढ़ती भूमिका के प्रति वैश्विक दृष्टिकोण, आशावाद की तुलना में सतर्कता की ओर ज्यादा झुका हुआ है। दुनिया भर में 22 फीसदी पार्टिसिपेंट्स ने एआई के उदय के बारे में सतर्क रहने की जरुरत बताई। भारत में केवल 13 फीसदी पार्टिसिपेंट्स ने सतर्कता व्यक्त की। इसकी तुलना में 34 फीसदी इंडोनेशियाई, 33 फीसदी पोलिश, 30 फीसदी फ्रांसीसी, 27 फीसदी सिंगापुर और 26 फीसदी स्पेनिश एआई को लेकर सतर्क हैं। इस बीच ग्लोबल पार्टिसिपेंट्स में से 17 फीसदी एआई को लेकर चिंतित हैं। सबसे ज्यादा 27 फीसदी फ्रांस, 26 फीसदी अमेरिका और 25 फीसदी ग्रेट ब्रिटेन के लोग एआई को लेकर परेशान हैं। तुलनात्मक रूप से केवल 8 फीसदी भारतीय पार्टिसिपेंट्स ने एआई को लेकर चिंता जताई है। यह डेटा 17 बाजारों में 18 साल से ज्यादा की आयु के वयस्कों के आधार की गई है।

राहुल गांधी ने मोदी सरकार को घेरा तो भाजपा बोली- चीन-पाकिस्तान के पेड एजेंट जैसे हैं राहुल

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को मध्य प्रदेश दौरे के दौरान भोपाल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए सरेंडर शब्द का इस्तेमाल किया था, जिसे लेकर अब भाजपा ने उन पर हमला बोला है। भाजपा प्रवक्ता और सांसद संबित पात्रा ने राहुल पर निशाना साधते हुए उन्हें देश और सेना का अपमान करने वाला बताया है।

भाजपा प्रवक्ता पात्रा ने कहा, कि राहुल गांधी बार-बार जिस तरह के सवाल और बयान दे रहे हैं, उससे संदेह होता है कि वे कहीं चीन या पाकिस्तान के पेड एजेंट तो नहीं हैं।

दरअसल, राहुल गांधी ने मंगलवार को भोपाल में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए ऑपरेशन सिंदूर और पीएम मोदी को लेकर बयान देते हुए कहा था, ट्रंप का एक फोन आया और नरेंद्र जी तुरंत सरेंडर हो गए। इसके साथ ही राहुल गांधी ने भाजपा और आरएसएस को भी निशाने पर लिया था। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए संबित पात्रा ने कहा, कोई भी सभ्य नेता अपने देश के प्रधानमंत्री के लिए सरेंडर जैसा शब्द इस्तेमाल नहीं करेगा। यह न केवल प्रधानमंत्री का, बल्कि सेना और पूरे देश का अपमान है। पात्रा ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारतीय सेना ने पहलगाम आतंकी हमले का बदला लेते हुए पाकिस्तान के अंदर नौ आतंकी लॉन्चपैड और 11 एयरबेस तबाह किए थे। उन्होंने कहा, ऐसे सशक्त जवाब के बावजूद राहुल गांधी इस ऑपरेशन का मजाक उड़ाते हैं और भारत को सरेंडर करने वाला देश बताते हैं। भाजपा ने कांग्रेस से इस बयान पर माफी मांगने की बात कही है।

सुंदरबन के रास्ते घुसपैठ रोकने के लिए बीएसएफ ने डीआरडीओ से मांगी मदद

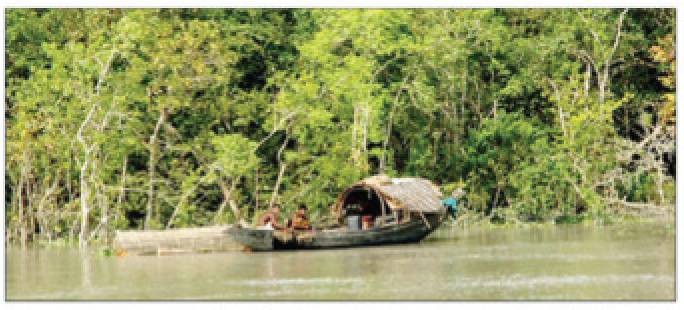

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुंदरबन में यह हाईटेक निगरानी व्यवस्था ऐसे समय में लाई जा रही है जब सुरक्षा एजेंसियों को पूर्वी सीमा की पोरोसिटी को लेकर गहरी चिंता है। एजेंसियों का मानना है कि अगर इस सीमा को जल्द से जल्द तकनीकी सहायता से सुरक्षित नहीं किया गया, तो अवैध आव्रजन और आतंकवादी घुसपैठ को रोकने के प्रयास प्रभावित हो सकते हैं। केंद्र सरकार पहले ही सीमा क्षेत्रों में अतिरिक्त बल तैनात कर चुकी है, निर्वासन की प्रक्रिया को तेज किया गया है और विभिन्न एजेंसियों के बीच खुफिया समन्वय को मजबूत किया जा रहा है। सुंदरबन पर विशेष फोकस इसी रणनीति का हिस्सा है।सीमा सुरक्षा बल ने भारत-बांग्लादेश सीमा पर स्थित संवेदनशील 113 किलोमीटर लंबे सुंदरबन क्षेत्र में अत्याधुनिक निगरानी प्रणाली की तैनाती के लिए रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) से मदद मांगी है। खुफिया जानकारी के आधार पर यह कदम उठाया गया है, जिसमें संकेत मिले हैं कि आतंकी संगठन सुंदरबन के नदी और समुद्री मार्गों के जरिए भारत में घुसपैठ की कोशिश कर सकते हैं। यह मांग पिछले महीने गृह मंत्रालय के नॉर्थ ब्लॉक स्थित कार्यालय में सीमा प्रबंधन सचिव की अध्यक्षता में हुई एक उच्चस्तरीय तटीय सुरक्षा समीक्षा बैठक के दौरान उठाई गई। यह बैठक ऑपरेशन सिंदूर के तुरंत बाद हुई थी।

पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद अवैध बांग्लादेशी नागरिकों की पहचान कर उन्हें 30 दिनों के भीतर वापस भेजने का अभियान तेज कर दिया गया है। इसके तहत बीएसएफ ने निगरानी बढ़ा दी है और अब वह संवेदनशील इलाकों में ड्रोन, रडार, सैटेलाइट इमेजरी और सीसीटीवी जैसी तकनीक का उपयोग बढ़ाना चाहता है, ताकि सीमा में मौजूद खामियों को दूर किया जा सके। रिपोर्ट के मुताबिक, गृह मंत्रालय के एक अधिकारी ने बताया, बीएसएफ ने लगभग 113 किलोमीटर के सुंदरबन क्षेत्र को तकनीकी निगरानी के दायरे में लाने का प्रस्ताव दिया है। इस संबंध में इसरो और डीआरडीओ के साथ मिलकर एक संभाव्यता अध्ययन भी किया जा चुका है। डीआरडीओ को स्थल पर जाकर उपयुक्त तकनीकी समाधान की पहचान करने को कहा गया है, लेकिन फिलहाल वह गुजरात के क्रीक क्षेत्र में चल रहे एक अन्य प्रोजेक्ट को पूरा करने के बाद ही सुंदरबन का काम शुरू करेगा।

इस समय बीएसएफ के पास आठ फ्लोटिंग बॉर्डर आउटपोस्ट और 96 पेट्रोल बोट्स हैं, जिनके माध्यम से निगरानी की जा रही है। इसके अलावा, बीएसएफ ने पश्चिम बंगाल सरकार से सात निगरानी टावरों के लिए जमीन की मांग की है और जंगल विभाग के साथ साझा पोस्ट की संख्या बढ़ाने का भी प्रस्ताव रखा है। अभी तीन ऐसे को-लोकेटेड पोस्ट पहले से मौजूद हैं। हालांकि गृह मंत्रालय के एक अधिकारी के मुताबिक, पश्चिम बंगाल के वन और राजस्व विभाग के अधिकारियों की ओर से बार-बार किए गए सर्वेक्षणों में भाग नहीं लेने के चलते प्रक्रिया धीमी पड़ गई है। पिछले महीने की बैठक में बीएसएफ महानिदेशक दलजीत सिंह चौधरी और पश्चिम बंगाल सरकार के प्रतिनिधि मौजूद थे। बैठक में राज्य सरकार ने सात साइटों का सर्वेक्षण करने की जानकारी दी और दो स्थानों पर जमीन देने की सहमति जताई।

बहू ऐश्वर्या को नामी-बेनामी संपत्ति में से कुछ ना देना पड़े इसलिए लालू यादव ने सारा नाटक रचा

केंद्रीय मंत्री मांझी का दावा, शादी के समय एक लड़की के साथ लिव-इन में थे तेज प्रताव

पटना (एजेंसी)। राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) प्रमुख और पूर्व सीएम लालू यादव के परिवार में चल रहे बवाल पर बयानबाजी जारी है। केंद्रीय मंत्री जीतनराम मांझी ने दावा किया है कि तेज प्रताप यादव को परिवार से निकालने का नाटक इसलिए हुआ है, ताकि ऐश्वर्या राय से तलाक की सूरत में परिवार की नामी-बेनामी संपत्ति को बचा सके। मांझी ने चौंकाने वाला दावा किया है कि जब ऐश्वर्या से शादी हो रही थी, तब भी तेज किसी लड़की के साथ लिव-इन रिलेशनशिप में थे।

बात दें कि अनुष्का यादव से संबंध की बात तेज यादव के फेसबुक पेज से छपने और डिलीट होने के बाद ज्यादातर बड़े नेताओं ने चुप्पी साध रखी है, लेकिन मांझी ने पहले दिन से ही लालू परिवार पर आक्रामक दिख रहे है।

केंद्रीय मंत्री मांझी ने आरोप लगाया है कि यह सब लालू यादव का नाटक है, ताकि कोर्ट जब फैसले में गुजारा भत्ता देने की बात कहे तब तेज प्रताप यादव कह सकें कि उनके पास देने के लिए कोई संपत्ति नहीं है। मांझी ने कहा कि तेज प्रताप को निकालना एक नाटक है जो कि लालू यादव के दारा रचा गया है। उन्होंने दावा किया कि ऐश्वर्या की शादी हुई थी, तब भी तेज प्रताप किसी लड़की के साथ लिव-इन रिलेशन में रह रहा था। ये जानते भर में शादी किए, गलती ये हुई। दूसरी बात, शादी जब हुई मारपीट करके, बेइज्जत करके घर से एश्वर्या को निकाला गया, जो लड़की दारोगा प्रसाद राय की पोती थी। ऐसा जघन्य काम उस समय किया गया था, लालू प्रसाद का जमीर कहां चला गया था। इसलिए हम नाटक कहते हैं।÷

मांझी ने कहा कि अभी कोर्ट में कुछ फैसला आने वाला है। संभवतः ऐश्वर्या के पक्ष में आएगा। इस आशंका से इन्होंने इसका रास्ता निकाला। जो भी उनके नाम से नामी-बेनामी संपत्ति है, उसमें ज्यादा हिस्सा ना मिले ऐश्वर्या को, या नहीं मिले, इसलिए उन्हें घर और परिवार से निकाल दिया गया। तेज प्रताप यादव मामले में मांझी ने पहले भी आरोप लगाए हैं लेकिन लालू परिवार ने कोई जवाब नहीं दिया है। संभावना है कि ताजा दावे पर भी चुप्पी कायम रहे।

भ्रष्टाचार के नए केस में मनीष सिसोदिया और सत्येंद्र जैन से एसीबी करेगी पूछताछ

नई दिल्ली (एजेंसी)। एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) करीब 2,000 करोड़ रुपये के घोटाले में आम आदमी पार्टी के मनीष सिसोदिया और सत्येंद्र जैन पूछताछ करेगी। एसीबी ने अप्रैल महीने में सिसोदिया और जैन के खिलाफ दिल्ली सरकार के स्कूलों में अत्यधिक लागत पर क्लासरूम्स के निर्माण में भ्रष्टाचार के संबंध में एफआईआर दर्ज की थी। इसके बाद दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने एसीबी से इस मामले में पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल की भूमिका की भी जांच करनी की मांग की थी।

एसीबी ने बताया कि दिल्ली सरकार के स्कूलों में क्लासरूम्स के निर्माण में कथित भ्रष्टाचार को लेकर एसीबी ने दिल्ली के पूर्व मंत्रियों और 'आप'नेताओं मनीष सिसोदिया और सत्येंद्र जैन को समन जारी किया है। सत्येंद्र जैन को 6 जून को एसीबी दफ्तर में बुलाया गया है, जबकि मनीष सिसोदिया को 9 जून को पेश होने को कहा गया है। एसीबी की ओर से अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली 'आप'सरकार के कार्यकाल में 12,748 क्लासरूम्स के निर्माण में कथित भ्रष्टाचार को लेकर 'आप'नेताओं मनीष सिसोदिया और सत्येंद्र जैन के खिलाफ अप्रैल महीने में एफआईआर दर्ज की गई थी।एसीबी ने एक बयान में कहा था कि यह घोटाला करीब 2,000 करोड़ रुपये का है और इसमें अत्यधिक बढ़ी हुई दरों पर ठेके दिए गए थे। बयान के अनुसार, कथित तौर पर हर क्लासरूम का निर्माण 24.86 लाख रुपये में किया गया, जो सामान्य लागत से लगभग पांच गुना अधिक है। बयान के मुताबिक, यह कार्य कथित तौर पर आप से जुड़े ठेकेदारों को सौंपा गया था। इसमें कहा गया है कि सक्षम प्राधिकारी से भ्रष्टाचार रोकथाम अधिनियम की धारा 17-ए के तहत अपेक्षित मंजूरी मिलने के बाद मामला दर्ज किया गया।

केदारनाथ धाम में भारी बारिश और बर्फबारी से यात्रा रोकी गई, श्रद्धालुओं को रास्ते में रोका

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड के केदारनाथ धाम में भारी बारिश और बर्फबारी के चलते गौरीकुंड-केदारनाथ पैदल मार्ग पर खतरा बढ़ गया है। पिछले दो दिनों से लगातार हो रही बारिश और बर्फबारी की वजह से पथरीली चट्टानों के गिरने की घटनाएं सामने आई हैं। इसके चलते चारधाम यात्रा के तहत केदारनाथ की यात्रा को फिलहाल रोक दिया गया है।

जानकारी अनुसार गौरीकुंड से केदारनाथ तक के 19 किमी पैदल मार्ग पर जगह-जगह भूस्खलन और चट्टानें गिरने की घटनाएं हुई हैं। डीडीआरएफ व एसडीआरएफ की टीमें तैनात हैं और रास्ते के अवरोधों को दूर करने और साफ करने का काम जारी है। श्रद्धालुओं को अस्थायी शिविरों में रोका गया है, प्रशासन ने अलाव और चिकित्सा की व्यवस्था की है।

मौसम विभाग ने 6 जून तक के लिए अलर्ट जारी किया है, तेज गर्जना व बारिश की चेतावनी दी गई है। केदारनाथ घाटी में तापमान में भारी गिरावट दर्ज की गई, इस प्रकार ठंड ने फिर से दस्तक दे दी है।

बाबा केदार की नगरी बर्फ की चादर में लिपटी

केदारनाथ धाम की पहाड़ियां इस वक्त बर्फ की सफेद चादर में लिपटी हुई हैं। धुंध व कोहरा लगातार बना हुआ है। ऐसे में श्रद्धालु जहां एक ओर भोलेनाथ के दर्शन का सौभाग्य पा रहे हैं, वहीं दूसरी ओर उन्हें प्राकृतिक आपदा जैसी कठिन परिस्थितियों का भी सामना करना पड़ रहा है।

इसे देखते हुए प्रशासन ने अपील की है कि मौसम को देखते हुए और अपडेट लेकर ही यात्रा करें। उत्तराखंड मौसम विभाग और प्रशासन ने चारधाम यात्रियों से अपील की है कि यात्रा पर निकलने से पहले मौसम का अपडेट जरूर लें। भूस्खलन संभावित क्षेत्रों में सतर्कता बरतें। प्रशासन द्वारा दी गई निर्देशों का पालन करें और सहयोग करें।

मौसम विभाग ने उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, चमोली, बागेश्वर, पिथौरागढ़, टिहरी, देहरादून, पौड़ी और अल्मोड़ा जिलों में अलर्ट जारी किया है। इन जिलों में हल्की से मध्यम बारिश और गरज के साथ बौछारें पड़ने की संभावना जताई गई है। इसी के साथ कहा गया है चारधाम यात्रा पर निकले श्रद्धालुओं के लिए यह समय सावधानी बरतने का है। प्राकृतिक आपदा के जोखिम के बीच सुरक्षा सर्वोपरि है। प्रशासन राहत कार्य में लगा है और जैसे ही मौसम साफ होगा, यात्रा फिर से बहाल कर दी जाएगी।

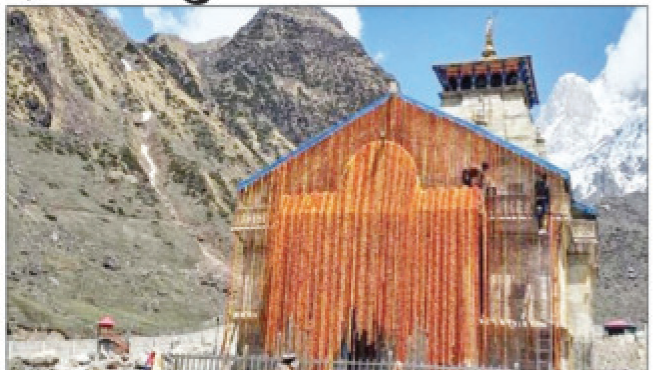

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 **A** कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित। **संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह** (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), **प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह.** 9334331934, 9386895799, 9507466535, **RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902**